007 जेम्स बाण्ड

एस. सी. बेदी

डैडली डॉल

रश्मि पाकेट बुक्स,

मेरठ–२

संस्करण १९७५

मूल्य : तीन रुपये

उपन्यास

डेडली डॉल
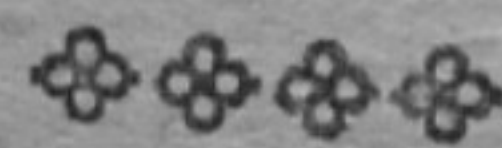
उपन्यासकार

एस० सी० बेदी

मुद्रक :

दुष्यन्त प्रिंटिंग प्रेस, जत्तीवाड़ा, मेरठ–२

जेम्स बाण्ड ने कार ब्रेक मारकर रोक दी, उसकी आंखें आश्चर्य से फैलती चली गई थी। उसने कार की खिड़की से बाहर झांककर देखा––वह व्यक्ति दिखाई नहीं दिया था, जो दीवार फांदकर अन्दर प्रविष्ट हुआ था।

वह व्यक्ति कौन था और इस तरह चोरी छिपके अन्दर प्रविष्ट क्यों हुआ, वह जानना चाहता था। न जाने क्यों उसकी छटी इन्द्री खतरे का संकेत दे रही थी।

कार से बाहर निकलकर उसने सिगरेट सुलगाई और इमारत की तरफ देखने लगा, जो अन्धकार में डूबी हुई थी। उस इमारत में कई फ्लैट थे, एक फ्लैट के कमरे में रोशनी हो रही थी, खुली खिड़की से रोशनी की किरणें बाहर आ रही थीं।

सिगरेट को होंठों की तरफ ले जाते हुए वह एकाएक रुक गया। उसे एक सुन्दर औरत दिखाई दी थी, जो एक-एक करके अपने वस्त्र उतार रही थी। वह उसे देखता रह गया।

औरत ने पूरे वस्त्र उतार लिए थे उसका नग्न जिस्म रोशनी में चमक रहा था। बाण्ड की नसों में खून तेजी से दौड़ने लगा। उसकी इच्छा हुई, वह उस सुन्दर औरत के नग्न जिस्म को बांहों में भरकर प्यार करने लगे, लेकिन एक अपरिचित औरत के फ्लैट में इस तरह प्रविष्ट होना ठीक नहीं था। उसने निश्चय किया, कल वह उससे जान-पहचान बढ़ाने की कोशिश करेगा।

वह जाने का विचार कर ही रहा था कि चौंक उठा। एक

व्यक्ति को उसने उस औरत पर झपटते हुए देखा। उस औरत की दर्दनाक चीख गूंज उठी।

उस अज्ञात व्यक्ति की पीठ उसे फिर दिखाई दी, फिर दोनों ही ओझल हो गये।

बाण्ड तेजी से इमारत की तरफ लपका। दीवार फांदकर वह अन्दर प्रविष्ट हो गया। हत्यारे को वह पकड़ लेना चाहता था। वह छलांग लगाकर दो-दो तीन-तीन सीढ़ियां चढ़ गया,

जब वह बैड रूम में पहुंचा तो ठिठककर रुक गया। फर्श पर औरत की नग्न लाश पड़ी थी। छाती पर चाकू से वार किये गये थे। एक बांयें उरोज के पास एक दांये उरोज के पास···दोनों जगह से रक्त की धार बहकर फर्श पर फैल रही थी।

जिस सुन्दर औरत के साथ वह रात बिताने का स्वप्न देख रहा था, वह लाश में बदल चुकी थी। हत्यारे को उसने भागते हुए नहीं देखा था। शायद वह फ्लैट में कहीं हो।

बाण्ड ने रिवाल्वर निकाल लिया और साथ वाले कमरे में प्रविष्ट हो गया। वहां कोई भी नहीं था। उसने सावधानी से बाथरूम का दरवाजा खोला और झटके से अन्दर प्रविष्ट हो गया। वहां भी कोई नहीं था। वह खिड़की से बाहर झांककर देखने लगा।

उसे गन्दा पाईप दिखाई दिया, जो नीचे तक जाता था। बाण्ड को समझते देर नहीं लगी कि हत्यारा इसी रास्ते से भागा है।

वह जब वापस आया तो आस पास के फ्लैट वाले कमरे में एकत्रित हो गये थे। शायद चीख की आवाज सबने सुनी थी। बाण्ड के हाथ में रिवाल्वर देखकर सब हट गये और दरवाजे से हटकर इधर-उधर बिखर गये।

'मिस्टर!' एक हिम्मती युवक बोला--'रिवाल्वर फेंक कर

खुद को हमारे हवाले कर दो!'

बाण्ड ने मुस्करा कर पूछा—'तो तुम लोग मुझे कातिल समझ रहे हो?'

'तुम्हीं ने इस औरत को कत्ल किया है!'

'इसका कत्ल चाकू से हुआ है, रिवाल्वर से नहीं। मैं तुम लोगों से भी पहले पहुंचकर यहां कातिल को तलाश कर रहा था, इस फ्लैट में फोन नहीं है, क्या आस पास किसी फ्लेट में फोन है? डरिये नहीं मैं हत्यारा नहीं कानून का रक्षक हूं।'

'मेरे फ्लैट में फोन है।' एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने कहा।

'मुझे वहां ले चलिये, पुलिस को फोन करना आवश्यक है।'

बूढा बाण्ड को साथ ले गया। बाण्ड ने रिवाल्वर जेब में रख लिया था इसलिये कुछ और व्यक्ति भी साथ हो गये।

बाण्ड ने रिसीवर उठाकर डायल घुमाया। दूसरी तरफ से आवाज आते ही वह रिपोर्ट देने लगा। सब उसकी बातों को सुन रहे थे। थोड़ी देर बाद उसने रिसीवर रख दिया और एक नजर सब पर डाली सबने उसे फिर रास्ता दे दिया। वह उस कमरे में आ गया, जिसमें कत्ल हुआ था।

उस खुबसूरत औरत की खून में सनी लाश फर्श पर पड़ी हुई थी। पहले जो भी बाण्ड को हत्यारा समझ रहा था, अब उसे पुलिस का कोई बड़ा आफिसर समझ रहा था।

'आप साथ वाले फ्लैट में रहते हैं?' बाण्ड ने बूढ़े से पूछा।

'हां।'

'इस औरत को आप जानते होंगे?'

'कभी बात नहीं हुई, दस दिनों से इसे देख अवश्य रहा हूं।'

'इसका नाम?'

'लेडी गेजपो।'

'इसके किसी दुश्मन को आप जानते है?'

'इसे यहां आये दस दिन हुए हैं, अतः हमें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं।'

'बाण्ड ने अनुभव किया कि लेडी गेजपो के बारे में वहां मोजूद किसी भी व्यक्ति से कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो सकती, अतः उसने फिर कुछ नहीं पूछा।

थोड़ी ही देर बाद पुलिस फोर्स एम्बूलैंस व फोटो ग्राफरों का दल आ गया। जांच शुरू हो गई।

●७●

बाण्ड की मेज पर निमन्त्रण कार्ड पड़ा हुआ था। वह कभी उसे कभी मेरी को देख रहा था। एकाएक मेरी उठी और बाथ-रूम की तरफ बढ़ गई।

बाण्ड ने चैन की सांस ली। पेनी-देवी से बात करना चाहता था।

फोन का रिसीवर उठाकर उसने एक्सटेन्शन दबाया।

'पेनी स्पीकिंग !' दूसरी तरफ से स्वर उभरा।

'डार्लिंग···मैं बाण्ड बोल रहा हूँ !'

'कहो !'

'क्या शाम को खाली हो ?'

'हां।'

'छुट्टी होते ही मेरी कार के पास आ जाना !'

'कोई खास प्रोग्राम है ?'

'हां। अकेले बोर हो जाऊंगा, इसलिये तुम्हें भी साथ ले जाना चाहता हूँ।'

'मैं आ जाऊंगी।'

'मेरी !' बाण्ड ने चौंककर कहा और रिसीवर रख दिया।

मेरी बाथरूम से बाहर निकली थी। उसने मुस्करा कर बाण्ड की तरफ देखा, फिर अपनी सीट पर बैठते हुए पूछा—'किस की काल थी ?'

'दोस्त की।'

'लेडी या जेन्टस ?'

'तुम हमेशा गलत सोचती हो मेरी।' बाण्ड बुरा सा मूड बनाकर बोला—'जारली की मैरीज पार्टी है, उसी से बात कर रहा था।'

मेरी हंस पड़ी, फिर बोली—'मैं जानती हूं, तुम गर्ल फ्रेंड्स को ही फोन कर सकते हो ब्वाय फ्रेंड्स को नहीं।'

'काम करो काम !' बाण्ड ने चल कर कहा और फाईल पर झुक गया।'

मेरी मुस्करा दी। शाम को बान्ड समय पूरा होते ही आ गया। पेनी कार के पास खड़ी उसका इन्तजार रही थी। दोनों ने मुस्करा कर एक दूसरे की तरफ देखा।

थोड़ी देर बाद कार सड़क पर दौड़ रही थी, दोनों अगली सीट पर बैठे थे।

'अब बताओ कहां जा रहे हो ?'

'आज जारली की मैरीज पार्टी है।'

'ओह···लेकिन इस तरह···?'

'पहले हम कोठी चलेंगे, उसके बाद वहां।'

'तब ठीक है।'

बाण्ड ने कार कम्पाउन्ड में खड़ी की, फिर दोनों अन्दर आ गये। पेनी ने उसकी तरफ मुस्करा कर देखा। बाण्ड ने उसे बांहों में भींच लिया और उसके मुस्कराते होंठों पर अपने होंठ रख दिये।

एक भरपूर चुम्बन लेने के बाद वह बोला–'जल्दी से फ्रेश हो लो!'

'ओके।' पेनी ने उसके होठों पर उंगली फेरते हुए कहा और बाथरूम में प्रविष्ट हो गई।

साथ में दूसरा बाथरूम भी था। थोड़ी देर बाद दोनों एक साथ बाहर निकले। बाण्ड के जिस्म पर जांघिया, पेनी के जिस्म पर चोली व अण्डरवियर था।

दोनों एक दूसरे की तरफ देखते रह गये। पेनी झटके से आगे बढ़ी और बाण्ड से लिपट गई। एक भरपूर चुम्बन लेने के बाद उसकी छाती के बालों में उंगली फिराती हुई बोली–'मुझे लगता है सारी दुनिया के मर्दों में एक तुम्ही हो, जिसे प्रभु ने मर्दाना हुस्न दिया है।'

बाण्ड मुस्करा दिया, फिर उसके होठों को हल्के से चूमने के बाद बोला–'जल्दी से तैयार हो जाओ!'

दोनों तैयार होकर बाहर आ गये। कार सड़क पर दौड़ने लगी। एक कार पूरी गति से उनके निकट से गुजरती चली गई। बाण्ड चौंक उठा, उसकी आंखों में आश्चर्य के भाव फैलते चले गये। उसके पैर का दबाव ऐक्सीलेटर पर बढ़ गया, कार की गति तेज हो गई।

'जेम्स···क्या बात है?'

'या तो मेरी आंखों ने धोखा खाया है या जो मैंने देखा है वह सत्य है।'

'लेकिन तुमने देखा क्या है?'

'उस औरत को, जो कल रात मर चुकी है।'

'तुम्हें भ्रम हुआ होगा।'

'मेरी आंखें कमजोर नहीं है, अभी जो कार यहां से गुजरी थी, वह उसे ड्राइव कर रही थी।'

पेनी भी इस रहस्य को समझ नहीं सकी।

बाण्ड बोला–'पार्टी के बाद मैं इस रहस्य को खोलने की कोशिश करूंगा।'

इसके बाद उनमें कोई बात नहीं हुई। बाण्ड ने कार एक सुन्दर कोठी के कम्पाउन्ड में पार्क की, हाल मे कारो की लाईन लगी हुई थी। अन्दर हाल में काफी मेहमान आ चुके थे, आर्केस्ट्रा अपनी मधुर धुन हाल में बिखेर रहा था।

जारली ने आगे बढ़कर उनका स्वागत किया, पत्नी से उन का परिचय कराया फिर उन्हें बार की तरफ ले गया।

'आप लोग क्या लेंगे?'

'बारबन।'

पेनी बोली–'मुझे तो हैग अच्छी लगती है।'

'मेरी मिसेज वोडका पसन्द करती है।' उसने हंसकर कहा, 'और मैं ब्लैक एण्ड व्हाइट पीता हूं।'

'इतने बाण्ड तो यहां मौजूद होंगे। वन सिक्सटीन, शेम्पेन, हर तरह की वियर तथा और भी कई ब्रान्ड···।'

'मैं जानता हूं तुम्हारा बार लन्दन के रईसो में प्रसिद्ध है।' बाण्ड ने कहा।

जारली की छाती चौड़ी हो गई, उसने अपनी पत्नी की तरफ गर्व से देखा, फिर बोला–'डार्लिंग। मैं कहता था न लन्दन में ऐसा बार कहीं नहीं है।'

'अपनी ज्यादा तारीफ मत किया करो, मैं जानती हूं यहां मौजूद आधी से ज्यादा शराब का बिल तुमने देना है।'

जारली ने बुरा सा मुंह बनाया, फिर बैरे को आर्डर दे दिया।

जाम से जाम टकराया। बाण्ड ने कहा–'आप दोनों के प्रेम के लिये जो स्थाई रहे।'

जाम होठों से लग गये। पूरी शराब हलक में उडेलने के बाद जारली बोला–'अब कैब्रे होगा, उसके बाद डिनर लेंगे।'

उस समय वह पांच-पांच पैग हलक में उतार चुके थे, अब कैब्रे डांसर थिरकती हुई हाल में आई। जारली व उसकी बीवी किसी को अटेण्ड करने के लिये आगे बढ़ गये थे, वह दोनों डांस देखने लगे।

हाल का एक चक्कर लगाने के बाद उसने गाउन उतार दिया। बाण्ड बोला–'अब यह सारे कपड़े उतारेगी। आओ बाहर चलें, कैब्रे देखने की इच्छा नहीं हो रही।'

पेनी उसके साथ बाहर की तरफ चल पड़ी। पेनी ज्यादा नशा अनुभव कर रही थी, इसलिये उसने बाण्ड की कमर में हाथ डाल दिया था।

'जेम्स ···जारली की पत्नी के बारे में तुम्हारी क्या राय है?'

'सुन्दर, ऐटी केट जानती है।'

'लेकिन तुमने उसकी आँखें नहीं देखीं, जिनसे दुनिया भर की मक्कारी भरी हुई है।'

'औरतें हमेशा शक्की होती हैं, उनमें तुम भी हो!'

'तुम उसे ध्यान से देखना, ऐसी औरतें अक्सर अपराधी निकलती हैं। मेरा विचार है जारली किसी षडयन्त्र का शिकार हुआ है।'

छोड़ो इन बातों को यह समय ऐसी बातें करने के लिये नहीं है।'

'फिर क्या करना चाहते हैं?'

'एक बार चारों तरफ देखो।'

पेनी ने देखा। कई जोड़े एक दूसरे की बांहों में सिमटे हुए प्यार कर रहे थे।

बाण्ड ने पेनी को निकट खींच कर बांहों में भींचकर होठों पर होंठ रख दिये। एक भरपूर चुम्बन लेने के बाद बाण्ड ने जैसे

ही सिर उठाया चौंका उठा। उसका मुख खुला का खुला रह गया।

'क्या हुआ?'

'वही औरत, जिसकी लाश कल रात मैंने देखी थी।'

'इस पार्टी में?'

बाण्ड आओ देखें।'

दोनों हाल में प्रविष्ट हो गये। नर्तकी एक चोली व जांघिये को छोड़ कर बाकी सब कपड़े उतार चुकी थी। उरोजों को हिलाती व कुल्हों की झटके देती हुई वह सारे हाल में थिरक रही थी।

एकाएक उसने चोली उतार फेंकी। बाण्ड जानता था ऐसी प्राईवेट पार्टियों में नर्तकी नग्न भी हो जाती हैं।

छातियों को थिरकाते हुए उसने हाल का एक चक्कर लगाया फिर जारली के निकट पहुँच कर बोली—'डार्लिंग जरा हुक हटा देना।'

बाण्ड उसी रहस्मयी औरत को तलाश कर रहा था। बार काऊन्टर पर वह उसे दिखाई दे गई। जाम उठाकर उसने होठो से लगाया था।

नर्तकी ने जांघिया भी उतार दिया। नग्न अवस्था में वह हाल में थिरकने लगी। जोड़े और भी निकट सरक आये। सब की साँसें तेज चलने लगी।

एकाएक आर्केस्ट्रा की धुन तेज हो कर एकदम से बन्द हो गई। नर्तकी थोड़ा सा झुकी, फिर भागती हुई एक दरवाजे में प्रविष्ट होकर लोप हो गई।

थोड़ी देर तक हाल में सन्नाटा रहा, सबको ऐसा लगा जैसे वह सपने से जागे हो।

जारली ने माईक सम्भाला–'लेडिज एण्ड जेन्टिल मैन, यही समय है, जब बालसम डांस का मजा आता है। जो शौक रखते हों, वह फलोर पर आ जायें।

जोड़े कमर में हाथ डाले हुये फलोर पर आ गये। बाण्ड की नजर रहस्यमती औरत पर ही थी। उसका दिमाग अभी तक उसी में उलझा हुआ था।

'पेनी!' बाण्ड बोला--'उस औरत का रहस्य जानना आवश्यक हैं, मैं उससे बात करने की कोशिश करता हूँ।'

'जाओ, लेकिन ध्यान रहे, उसकी सुन्दरता मे खो मत जाना।'

'मैं जानता हूँ--तुम भी यहां मोजूद हो।' बाण्ड ने कहा और रहस्यमयी औरत की तरफ बढ़ गया। उसने जाम खाली करके काऊन्टर पर रखा ही था।

'मैडम!' स्वर में मिठास घोलता हुआ बोला--क्या मै आप को डांस के लिये निमन्त्रण दे सकता हूँ।'

'क्यों नहीं!' उसने हाथ बाण्ड की तरफ बढ़ा कर कहा--'आइये।'

दोनों फलोर पर आकर बाकी जोड़े के साथ नाचने लगे।

'क्या मैं आपका नाम जान सकता हूँ?'

'मैडम एलटी।'

'मुझे जेम्स बाण्ड कहते हैं, क्या आपके पति साथ नहीं हैं।'

'पति नाम से मुझे नफरत है, अब तकतीन व्यक्ति मेरे पति कहला चुके हैं। तीनों ही दौलत के भूखे है मूर्ख थे। वह मुझ से अपनी वासना तृप्त करते थे और दोनों हाथों से दौलत लूटते थे मैंने बारी-२ से तीनों को तलाक दे दिया।

'शायद अब शादी करने का विचार नहीं?'

'नहीं! अब मैं अकेली हूँ, जिस मर्द को पसन्द करती हूँ, एक

रात के लिये अपने साथ सुला लेती हूँ।'

बाण्ड ने अन्दाजा लगाया, वह खतरनाक औरत है। उसका बात करने का लहजा सख्त व घृणा से भरा था। जारली पेनी के साथ उसके निकट से गुजरे। उन्होंने मुस्करा कर एक दूसरे की तरफ देखा। जारली की पत्नी एक दूसरे युवक की बांहों में थी।

'मैडम! क्या आपकी कोई बहन भी है, आपकी शक्ल की

'नहीं! मैं अपने मां-बाप की इकलौती लड़की हूँ।'

'क्या कल रात आपको कत्ल नही कर दिया गया था?'

'व्हाट!'

'मैंने अपनी आंखों से आपकी लाश देखी थी। दोनों छातियों के पास चाकू के निशान थे।'

'मिस्टर जेम्स! आप क्रेक माईन्ड भी हैं, मैं नहीं जानती थी। आप मेरे साथ नाचने के योग्य नहीं हैं।'

एलटी ने खुद को छुड़ाया और तेजी से काऊन्टर की तरफ बढ़ गई। बाण्ड उसे देखता ही रह गया।

जेम्स बाण्ड!' जारली उसके निकट से गुजरता हुआ बोला–'जो मर्द उसके जिस्म से शरारत करते हैं, वह उन्हें इसी तरह छोड़ जाती है। गाल पर उसका पंजा नहीं छपा। बड़े भाग्यशाली हो, अन्यथा वह उलटे दिमाग की औरत तुम्हारी इज्जत मिट्टी में मिला देती।'

बाण्ड ने कुछ नहीं कहा, जोड़े के बीच से निकलता हुआ कोने में आ गया एलटी फिर पानी की तरह शराब पीने लगी थी। बाण्ड को ऐसा लग रहा था, जैसे एलटी के बारे में सोचते सोचत उसके दिमाग की नसे फट जायेगी।

उसने एक सिगरेट सुलगाई उसी समय पेनी उसके पास आ गई।

'जेम्स !' क्या हुआ था ?'

'मैंने कल रात की घटना का जिक्र किया था, वह भड़क उठी। तुम उस पर नजर रखो, अगर कहीं जाये तो पीछा करना मैं चीर-फाड़ घर जा रहा हूँ।'

उत्तर की प्रतिक्षा किये बिना वह तेजी से बाहर निकल गया। वह कार द्वारा चीर-फाड़ घर पहुँच गया। सीधा वह डाक्टर के कमरे में प्रविष्ट हो गया। वह फाइल पर झुका हुआ था।

'डाक्टर।'

'यस !'

'लेडी गेअपो की लाश का पोस्ट मार्टम हो गया ?'

'हां !'

लाश कहां है ?'

'अन्दर रखी है, किसी भी समय उसके सम्बन्धी आकर ले जा सकते हैं। लेकिन बात क्या है--तुम बहुत उत्तेजित नजर आ रहे हो ?'

'मैं उस लाश को देखना चाहता हूँ डाक्टर, यह बहुत आवश्यक है।'

'आओ मेरे साथ !' डाक्टर उसे उस हाल में ले गया, जहां दो लाशें और भी मौजूद थी।

'इनमें लेडी गेजपो की लाश कौन सी है ?'

डाक्टर ने एक लाश पर से चादर उलट दी। एक क्षण के लिये उसका दिल जोर से धड़क उठा। क्योंकि लाश बहुत भयंकर थी। उसकी आंखें फैली हुई व मुख खुला हुआ था। बाण्ड को ऐसा अनुभव हुआ जैसे वह उसे आश्चर्य नजरों से देख रही हो।

उसकी सूरत व मैडम एलर्टा की सूरत में कोई अन्तर नहीं था। बाण्ड का दिमाग चकरा कर रह गया। एक ऐसी औरत'

जिसका उसी के सामने कत्ल हुआ था, आज जीवित अवस्था में घूम रही थी, लेकिन इसके अलावा उसकी लाश भी मौजूद थी।

बाण्ड उसका चेहरा टटोलने लगा। कान, नाक, होंठ व गाल को उसने अच्छी तरह नाखूनों से खुरच कर देखा। गले में उसे गोल निशान दिखाई दिया, जो शायद उस चैन का था जो उसके गले में पड़ी थी। बाण्ड ने उस तरफ ध्यान नहीं दिया।

'मिस्टर बाण्ड ! डाक्टर ने पूछा---'आखिर तुम देखना क्या चाहते हो ?'

'डाक्टर ऐसी घटना शायद मेरे जीवन में पहली बार हुई है कल मैंने इसे अपने आंखों के सामने मरते हुए देखा है, लेकिन आज इसी सूरत की जिन्दा औरत के साथ मैं नाच कर आ रहा हूँ।' मैं देख रहा था कहीं इसके चेहरे पर मास्क तो नहीं चढ़ी या प्लास्टिक सर्जरी की गई हो।'

--'ऐसी कोई बात नहीं है, मैं इसका अच्छी तरह पोस्टमार्टम कर चुका हूँ। इसका चेहरा असली है, सीने के दोनों तरफ चाकू से भरपूर वार किये गये हैं। एक तरफ का फेफड़ा व दूसरी तरफ दिल कट गया है, जिसके कारण इसकी तुरन्त मृत्यु हो गई थी।

बाण्ड पागलों की भांति कुछ क्षण उसके चेहरे को देखता रहा, फिर उस पर चादर उढ़ा दी।

'बाण्ड ! मैडम ऐलर्टा का निरिक्षण करो, हो सकता है, उस के चेहरे पर मेकअप हो।'

सुनकर बाण्ड के मष्तिस्क में झनाका सा हुआ जैसे फ्यूज हुये-२ बल्ब फिर रोशन हो उठा हो।' ऐसा हो सकता है। वह बड़बुदाया।

फिर उसने हाथ मिलाते हुये डाक्टर से बिदा ली और तेजी बाहर निकलता चला गया। वह जल्दी से जल्दी मैडम ऐलर्टा चेहरे का निरिक्षण करना चाहता था।

● ● ●

बाण्ड चला गया था। पेनी चलती हुई काऊन्टर के पास आ गई। वह उसे ऐलर्टा की निगरानी की जिम्मेदारी सौंप गया था।

ऐलर्टा ने पैग एक ही सांस में खाली कर दिया था।

'बैरा !' वह पैग काऊन्टर पर रखती हुई बोली—'एक डबल पैग और।'

'एक डबल पैग देना मुझे भी।' पेनी ने कहा।

ऐलर्टा जैसे ही पैग होठों से लगाने लगी जारली वहां आ गया।

'हैल्लो हैण्डसम, एक पैग तुम भी लो।'

'नहीं ! मैं आऊट नहीं होना चाहता, आज की रात अपने होश में रहना चाहता हूं।'

'ठीक कहते हो।' वह हंस कर बोली—'आज सुहाग रात है, अगर होश गवां बैठे तो सारी जिन्दगी पछताते रहोगे।'

'आप तो पानी की तरह शराब पी रही हैं। इतनी मत पिया कीजिये।'

चिन्ता मत करो, तुम्हारा मयखाना खाली नहीं होगा। मैं आधी बोतल और पी जाऊं तो भी होश में रहूंगी !' कहने के साथ ही उसने गिलास होठों से लगा लिया।

'मिस पेनी !' जारली ने पूछा—'आप अकेली मौजूद है ?'

'जेम्स किसी खास काम से गया है, आता होगा।'

'ध्यान रखियेगा, किसी दूसरी लड़की से न उलझ जाये।'

[जा]रली ने हंस कर कहा, पेनी मुस्करा दी। जारली आगे बढ़ [ग]या।

इतनी देर में ऐलर्टा खाली कर चुकी थी। पेनी हल्के-२ सिप [ले] रही थी। तभी डिनर के लिये घण्टी बज उठी, लोग डिनर [रू]म की तरफ जाने लगे, लेकिन पेनी ने ऐलर्टा को बाहर की [त]रफ जाते हुये देखा। वह भी उसके पीछे हो ली।

बाहर लान में आकर वह यूं ही टहलने लगी थी। एकाएक [उस]ने एक व्यक्ति को तेजी से ऐलर्टा की तरफ बढ़ते हुये देखा। [अ]न्धेरे में भी पेनी ने उसके हाथ में चाकू को चमकते हुये देख [लि]या।

पेनी ने दो बार उसके उस हाथ को हिलते हुये देखा, जिसमें [चा]कू पकड़ा हुआ था। ऐलर्टा की दर्द भरी चीख उस जगह गूंज [उ]ठी।

वह हत्यारा तेजी साथ दीवार की तरफ भागा। पेनी ने [च]ोली से पिस्टल निकाल ली और उसकी, लेकिन वह दीवार फांद कर भाग निकला। पेनी भी उछल कर दीवार पर चढ़ गई [इ]न्जन को स्टार्ट होने के बाद उसने एक कार को गति पकड़ते हुये देखा।

'धांय ! धांय !! पेनी ने दो फायर कर दिये, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ, कर मोड़ पर मुड़ते ही ओझल हो गई थी।

दीवार से उतर कर जब वह निकट पहुंची तो लाश के पास कुछ लोग एकत्रित हो गए थे। अन्दर से भी कुछ लोग भागते हुए चले आ रहे थे। उनमें जारली व उसकी मिसेज रोमा भी थी। पेनी के हाथ में पिस्टल पकड़ी हुई थी, इसलिए सबका ध्यान उसी की तरफ था।

'मिस पेनी !' जारली की मिसेज रोमा ने पूछा—'यह घटना कैसे हुई ?'

बाण्ड भी वहां पहुंच चुका था, वह कभी पेनी को कभी मैंडम ऐलर्टा की लाश को देख रहा था।

पेनी बोली–'मैंडम ऐलर्टा के पीछे-२ मैं भी हवा खोरी के लिए बाहर निकल आई थी। एक व्यक्ति ने अचानक मैंडम पर हमला बोल दिया। चाकू के प्रहार करने के बाद वह भाग निकला। मैंने उसकी कार पर दो फायर कर किए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

बाण्ड का मस्तिष्क और भी ज्यादा उलझ गया था। लेडी गेजपो के बाद मैंडम ऐलर्टा का कत्ल, दोनों का ढंग एक ही मैंडम ऐलर्टा के सीने पर भी दोनों तरफ चाकू से प्रहर। रक्त बहकर जमीन पर फैल रहा था। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह थी कि दोनों की सूरतें मिलती थीं।

'पेनी!' बाण्ड ने पूछा---'क्या तुम हत्यारे की सूरत देख सकीं?'

'नहीं!' इस तरफ अन्धकार है, मैं काफी दूर खडी थी। चाकू का फल चमकदार होता है, इसलिए उसे मैंने अवश्य देख लिया था।

जारली पुलिस को फोन करने अन्दर चला गया था। बाण्ड लाश के निकट बैठ गया। उसे उसके चेहरे का निरिक्षण करना था।

कुछ क्षण वह उसके चेहरे को ध्यान से देखता रहा, उसकी आंखें फटी हुई थी, मुख खुल गया था। बान्ड उसका चेहरा टटोलने लगा। कान के नीचे गाल नाक व होठों को उसने अच्छी तरह खरोच कर देखा, लेकिन कोइ फायदा नहीं हुआ। उसके चेहरे पर कोई जिल्ली नहीं थी प्लास्टिक सर्जरी का तो प्रश्न ही नहीं उठता था।

बाण्ड उठ गया और जारली को एक तरफ ले जाकर पूछने लगा–'शायद तुम ऐलर्टा को अच्छी तरह जानते हो?'

'हां···लार्ड की इकलौती बेटी थी। मरते समय लार्ड इसके नाम सारी जायदाद कर गया था। यह इस दुनिया में अकेली थी; शरीफ औरत थी। न जाने इसका कत्ल कैसे हो गया।'

तभी पुलिस फोर्स वहां पहुंच गई, इसलिये बाण्ड ने और कुछ नहीं पूछा लेकिन उसे इन दोनों हत्यारों का कारण समझ में नहीं आया था, दोनों की सूरतें एक जैसी थीं, लेकिन उनका दूर का भी रिश्ता नहीं था।

बाण्ड इस गुत्थी को सुलझा नहीं सका तो सिगरेट सुलगा कर कश खींचने लगा।

● ● ●

मैंडम एलर्टा के बारे में बाण्ड ने रात को ही सारी जानकारी प्राप्त कर ली थी, लेकिन उसके बारे में उसे कोई सूत्र नहीं मिला था। वह लेडी गेजपो के बारे में छानबीन करना चाहता था।

चीर-फाड घर से उसे मालूम चला था कि गेजपोकी लाश उस का भाई ले गया है। भाई के घर का पता पूछ कर वह उसे तलाश करने निकल पड़ा।

–वह बहुत घना इलाका था, जहां उसका भाई रहता था। तीन घण्टे की तलाश के बाद वह उसके घर पहुंचा तो वह उदास सा बैठा था। कुछ निकट के सम्बन्धी भी अफसोस करने के लिये बैठे हुए थे।

'शायद आप ही मि० बारली हैं, गेजपो के भाई?'

'हां···कहिये!'

'गेजपो का कत्ल मेरे सामने ही हुआ था, लेकिन मैं हत्यारे को गिरपतार नहीं कर सका।

वह कुछ नहीं बोला सिर्फ बाण्ड को घूरता रहा।

'आप की शायद दो बहनें थीं, एक ही शक्ल की !'

'नहीं···मेरी एक ही सगी बहन थी, गेजपो।'

'क्या वह आपके साथ नहीं रहती थी ?'

'वह अकेले रहना ज्यादा पसन्द करती थी। दुनिया के कई देशों की वह सैर कर चुकी है।'

'लेकिन वह करती क्या थी ?'

'आज तक मुझे भी मालूम नहीं हो सका। धन से वह अक्सर हमारी सहायता करती थी। वह कहती थी–उसके पास बहुत अधिक धन दौलत है। वह कहां से कमाती है, मेरे कई बार पूछने पर भी उसने नहीं बताया।

'तब तो वह गैर कानूनी कार्य करती होगी ?'

'हां···शायद उसके किसी दुश्मन ने उसे मार डाला है।'

'हत्या दुश्मन ही किया करते हैं।'

'शायद पुलिस हत्यारे को खोज सके।'

'हत्यारा तो एक दिन अवश्य पकड़ा जायेगा।' बाण्ड ने कहा फिर सिगरेट का एक कश लगाने के बाद पूछा–'गेजपो की लाश को आपने कहां दफनाया है ?'

'केरटाऊन कब्रिस्तान में···।'

बाण्ड ने जो पूछना था, पूछ लिया। उससे विदा लेकर वह अपनी कार की तरफ बढ़ गया। थोड़ी देर पहले उसके मस्तिष्क में एकाएक गेजपो का चेहरा घुम गया था। उसकी गर्दन पर उस ने गोल निशान देखा था, अगर किसी की गर्दन तक प्लास्टिक सर्जरी की जाये तो चेहरा खुरचने पर भी यह नहीं मालूम हो सकता कि उसके चेहरे पर प्लास्टिक सर्जरी है। न जाने क्यों उसके दिल के एक कोने से बार-बार विचार उठने लगा था कि गेजपो की गर्दन तक प्लास्टिक सर्जरी की हुई थी, अगर उसका

यह विचार सत्य हुआ तो उसे आगे बढ़ने के लिये सूत्र मिल सकता है। वह अब गेजपो की कब्र को जल्द से जल्द खुदवा लेना चाहता था।

एम. से मिलकर उसने इसका प्रबन्ध कर लिया। कब्र खुदवाई गई, लेकिन उस समय बाण्ड आश्चर्य में डूब गया, जब कब्र में से गेजपो की लाश नहीं मिली।

दूसरी कब्र को भी उसने खुदवाया, लेकिन ऐल्टर्टा की लाश भी गायब थी। वह बौखला कर रह गया। अपराधी कौन है ? क्या चाहता है, वह ऐसी हरकतें क्यों कर रहा है ? बाण्ड की समझ में नहीं आ रहा था।

रात को उसने उस समय उसकी अंगुलियों से सिगट का टुकड़ा गिर पड़ा, जब उसे मालूम हुआ कि गेजपो के भाई का भी कत्ल कर दिया गया है। उसके सीने से दो गोलियां बरामद हुई थीं, जो लाईलेन्सर युक्त रिवाल्वर से चलाई गई थीं।

बाण्ड उलझ कर रह गया, लेकिन उसे उन कत्लों का कारण मालूम नहीं हो सका।

विभाग की तरफ से उसे यह केस नहीं सौंपा गया था, इस लिए बाण्ड ने इस बारे में सोचना ही छोड़ दिया। पुलिस अपनी छानबीन करती रही।

● ● ●

आफिस से आने के बाद बाण्ड फ्रेश हुआ, फिर कपड़े पहनने के बाद एक डबल पैग हलक में उडेला और सिगरेट होठों से लगा कर सुलगाने लगा। तभी काल-बैल बज उठी।

'शायद मनीपेनी हो।' बाण्ड ने सोचा, अतः बोला–'डार्लिंग, चली आओ !'

दरवाजा खुला और एम. मुस्कराता हुआ अन्दर प्रविष्ट

हुआ। बाण्ड बौखला कर एम. को देखने लगा।

'शायद तुम इसलिये आश्चर्य चकित हो कि मैं तुम्हारी डार्लिंग नहीं निकला।' एम. ने मुस्करा कर कहा--'कौन सी लड़की आने वाली थी?'

'कोई नहीं, मैंने तो यूं ही मजाक किया था।' बाण्ड ने बौखलाहट में सिगरेट अंगुलियों में ही मसल दिया।'

एम. खिलखिलाकर हंस दिया, फिर बोला--'मैं जानता हूं तुम किसी से मजाक नहीं करते, अगर किसी गर्ल फ्रेन्ड को आना हो तो मैं जाऊं?'

'नहीं, कोई नहीं आने वाली। आप बैठिये, शायद किसी काम से आये हैं!'

'हां।'

'कहिये!'

एम. ने कोट की जेब से सिगार का डिब्बा निकाला और एक सिगार निकाल कर उसका कोना तोड़ने के बाद होठों से लगा लिया।

बिना सुलगाये एम. ने सिगार होठों से खींच लिया और बोला--'मेरे साथ आओ...कार में बात करेंगे!'

बाण्ड साथ चल पड़ा। थोड़ी देर बाद कार सड़क पर दौड़ रही थी। एम. ने सिगार सुलगा लिया था।

'बाण्ड! जिस संस्था के बारे में मैं तुमसे बात करने आया हूं, वह बहुत खतरनाक है। हो सकता है उनकी पहुंच तुम तक भी हो, इसलिये मैंने तुम्हारे कमरे में बात करना उचित नहीं समझा।'

बाण्ड समझ गया, एम. उसे कोई महत्वपूर्ण केस सौंपना चाहता है।

'उस गैंग का क्या नाम है?'

'हमें मालूम नहीं हो सका।'

'लेकिन वह गैंग करता क्या है?'

'ऐसा काम जो शायद मेरे जीवन में पहली बार हुआ है।'

'क्या?'

एम. ने एक हल्का सा कश लगाया, फिर बोला--'हमारी सीक्रेट सर्विस जिस अभियान पर भी काम करती हैं, वह विफल हो जाता है।'

'क्या मतलब?'

'पिछले दिनों ऐलर्टा को एक व्यक्ति के पीछे लगाया था, जो स्मगलर व ब्लैकमेलर था। उसकी जानकारी भी ऐलर्टा ने ही लगाई थी, लेकिन उस तक पहुंचने से पहले ही ऐलर्टा को खत्म कर दिया गया ऐलर्टा का अभियान असफल हो गया। इसी प्रकार हमारे जासूसों को कत्ल कर दिया जाता है या अभियान को किसी न किसी प्रकार विफल बना दिया जाता है।'

'लेकिन अपराधियों को यह कैसे मालूम होता है कि उक्त व्यक्ति किस अभियान पर तैनात है?'

यह सब जानकारी तुम्हें एकत्रित करनी है। मैं इस केस पर तुम्हें नियुक्त करना चाहता हूं, तुम्हें ऐतराज तो नहीं।'

'नहीं!'

एम. ने कार को बांयी तरफ मोड़ा, फिर कश लगाने के बाद बोला--'शायद यह पहला केस है, जिसका कोई सूत्र हमारे पास नहीं है, सूत्र तुम्हें खोजना है।'

'मैं भरसक प्रयत्न करूंगा।'

'अब तुम्हें कहां उतार दूं?'

'मेरे फ्लैट पर।'

एम० ने कार का रूख बाण्ड के बंगले की तरफ कर दिया।

'हां! उस हत्यारे का कोई सुराग मिला, जिसे तुम खोज रहे हो?'

'नहीं ! मुझे तो यह भी मालूम नहीं हो सका कि गेजपो व ऐलर्टा का कत्ल क्यों हुआ ?'

'पुलिस उनके हत्यारों को खोज लेगी, तुम इस केस में अपना मस्तिष्क मत उलझाओ।'

बाण्ड ने इस तरह सिर हिलाया, जैसे एम० की बात समझ गया हो। एम. ने उसे बंगले पर उतार दिया।

बाण्ड उस गैंग के बारे में सोचने लगा, जो सीक्रेट सर्विस के हर अभियान को असफल बना देता था।

●●●

दस दिन व्यतीत हो गये। बाण्ड को कोई सफलता नहीं मिली। एक छोटा सा सूत्र भी वह नहीं खोज सका। एम. ने जब दस दिनों के बाद रिपोर्ट मांगी तो उसने अपने अन्दर हीनता का अनुभव किया। वह कोई रिपोर्ट नहीं दे सका।

'बाण्ड !' एम. गम्भीर स्वर में बोला—'परसों हमारे एक और जासूस का कत्ल हो गया है, जिसे विदेशी जासूसों की खोज में नियुक्त किया गया था, जो हमारे फौजी रहस्य चुराते हैं। क्या तुम उस गैंग के विरुद्ध कुछ नहीं कर सकते।'

'सर ! पहली बार मैं खुद को पंगू अनुभव कर रहा हूं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं उन तक कैसे पहुंचूं।'

'तो मैं समझ लूं। तुम भी कुछ नहीं कर सकते। तुम्हें कामांडर का जो खिताब दिया गया था, वह बेकार सिद्ध हुआ।

बाण्ड का जबड़ा कस गया। गालों की हड्डियां उभर आईं, आंखें क्रोध के कारण सुर्ख हो गईं। चीफ उसे निकम्मा साबित कर रहा था।

'सर !' मुझे दस दिनों का समय और दिया जाये, अगर मैं इस अभियान पर असफल रहा तो इस्तीफा देकर एकान्तवास के लिए कहीं भी चला जाऊंगा और यही समझूंगा कि अब मेरी बुद्धि कुण्ठित हो गई है, मैं ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस के काबिल नहीं रहा।'

'मैं तुम्हें दस की बजाये पन्द्रह दिनों का समय देता हूं। लेकिन तुम्हारे मस्तिष्क में कोई योजना तो होगी।'

'एक योजना है।'

'मुझे बताओ।'

बाण्ड ने कुछ क्षण सोचा, फिर बोला—'जिन अभियानों पर भी अपने जासूस नियुक्त किये हुए हैं, उन्हें वापस बुला लीजिये। मेरे सिवा ब्रिटेन में किसी भी अभियान पर कोई भी जासूस काम नहीं करेगा।'

'यह कैसे हो सकता है ?'

'अपराधियों तक पहुंचने के लिए ऐसा करना होगा। मैं अपनी योजना आपको समझाता हूं।' बाण्ड ने कहा—'फिर पेपर को एक जगह से उठाकर दूसरी जगह रखता हुआ बोला—'मैं हर एक पर अपना भेद खोल दूंगा और लोगों को बताऊंगा कि मैं उक्त केस पर काम कर रहा हूं।'

'इस तरह तुम्हारा भेद खुल जायेगा, तुम्हारी जान को भी खतरा है।'

'मैं जानता हूं, लेकिन सर ऐसा करना आवश्यक है, इसी तरह मैं अपराधियों का ध्यान अपनी तरफ आकृषित कर सकता हूं। जब वह मुझसे उलझेंगे तो मैं उन्हें आसानी से सुलझा लूंगा।'

एम. कुछ क्षण उसकी योजना पर विचार करता रहा, फिर मुस्कराकर बोला—'ठीक है ! तुम इस योजना पर काम कर सकते

हो। विभाग की तरफ से तुम्हें पूरी सहायता मिलेगी।'

'थैंक्यू सर !' बाण्ड उठ खड़ा हुआ और बोला--'अब चलता हूँ सर, जल्द से जल्द काम शुरू कर देना चाहता हूँ।

'जाओ ! प्रभु तुम्हें सफल बनाये।'

बाण्ड बाहर आ गया। उसका चेहरा इस समय कठोर हो रहा था। उसे मालूम था-वह जिस योजना पर काम कर रहा है, उसमें उसकी जान का खतरा है। कोई उसे निकम्मा कहे। इसके पहले वह मर जाना उचित समझता था।

●●●

बाण्ड जब हाल में प्रविष्ट हुआ तो एक डांसर कैबरे प्रस्तुत कर रही थी। हाल खचाखच भरा था। बाण्ड काउन्टर पर पहुँच गया, उसने एक डबल पैग का आर्डर दिया।

नर्तकी कुल्हों को झटके देती हुई उसके निकट से निकल गई। दो युवकों ने उस पर बोलियां कसीं। उसने एक आंख दबा दी। बाण्ड मुस्करा दिया, फिर उसने पैग उठाकर होठों से लगा लिया।

हाल का वातावरण उत्तेजित हो उठा था, क्योंकि नर्तकी ने चोली व जांघिये को छोडकर बाकी सारे कपड़े उतार दिये थे। उरोजों को हिलाती हुई वह इस तरह कुल्हों को झटका दे रही थी, जैसे सम्भोग क्रिया प्रदर्शित कर रही हो। हर कोई उत्तेजित हो उठा था।

लाल जेवाकट पहने एक युवक ने नर्तकी को खींचकर बाँहों में भर लिया और जबरन उसके जिस्म के कई अंगों को चूम

लिया। शायद वह युवक उसे नग्न कर देता, लेकिन नर्तकी ने न जाने उसके कौन से अंग को दबाया कि वह कराह कर पीछे हट गया। नर्तकी मुस्कराती हुई आगे बढ़ गई।

बाण्ड ने गिलास खाली करके काउन्टर पर बिल चुकाया और साथ वाले हाल में प्रविष्ट हो गया, वहां हर मेज पर जुआ हो रहा था। यही जगह थी, यहां बाण्ड खुद को सबकी नजरों में ला सकता था।

एक टेबल पर चार व्यक्ति ताश खेल रहे थे। उनमें एक सुन्दर औरत भी थी। निकट पहुंचकर वह बोला—'क्या मैं भी अपना शौक पूरा करने के लिए आप लोगों के साथ खेल सकता हूँ।'

'क्यों नहीं।' एक अधेड़ उम्र व्यक्ति कुर्सी की तरफ इशारा करता हुआ बोला--'बैठिये !'

बाण्ड कुर्सी पर बैठ गया। उस अधेड़ उम्र के व्यक्ति की आंखें बिल्लियों की तरह तेज व चमकदार थी। बाण्ड ने नोटों की गड्डियां निकालकर मेज पर रख ली।

पत्ते बांटे गये। सुन्दर औरत ने बीस पोण्ड डालकर ब्लेण्ड कर दी। एक बार सबने ब्लेण्ड की औरत ने पत्ते देखे और बुरा सा मुंह बनाकर पैक हो गई। उसके पास एक दहला, अठठी व दुग्गी थी, यानि जीरो नम्बर।

अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने पत्ते उठाकर देखे और चाल चल दी। उसके साथ वाला युवक भी पैक हो गया। बाण्ड ने भी बराबर की चाल चल दी। बाकी दोनों भी पैक हो गये तो अधेड़ उम्र व्यक्ति ने एक और चाल चल दी।

बाण्ड ने सो ले ली। उसके पास एक तस्वीर व चौकियां यानि आठ नम्बर थे, जबकि बाण्ड के पास पांच नम्बर थे।'

अधेड़ उम्र व्यक्ति दोबारा पत्ते बांटता-बांटत रुक गया और

बोला—'मिस्टर आपने अपना परिचय नहीं दिया।

एक शर्त पर परिचय दे सकता हूँ। आप लोग किसी को बताईयेगा नहीं।'

'शायद बहुत बड़े अपराधी हो ?' औरत ने मुस्करा कर कहा।

'नहीं ! मैं सीक्रेट एजेन्ट हूँ जेम्स बाण्ड ००७...!'

'ओह !

'आजकल एक खास अभियान पर काम कर रहा हूँ।'

'कैसा अभियान ?' उस औरत ने उत्सुक स्वर में पूछा।

'मुझे उस गैंग को नष्ट करना है, जो हमारे रहस्य दूसरे देश को पहुँचाता है।'

'तब तो आप बहुत खतरनाक व्यक्ति हैं ?' तीसरा व्यक्ति बोला, जो गन्जा था।

सीक्रेट एजेन्ट उनकी रक्षा करता है, जो सच्चे नागरिक हैं। सिर्फ अपराधी ही सीक्रेट एजेन्ट से भय खाते हैं। अगर आप अपराधी नहीं हैं तो डरने की आवश्यकता नहीं।'

'क्या आप सचमुच ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस के एजेन्ट हैं ?' गन्जे को जैसे विश्वास नहीं हो रहा था। इसलिए उसने पूछ लिया।

'जी हां ! मैं शत-प्रतिशत ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट हूँ।'

उसने अपने सूखे होठों पर जिव्हा फेरी और बोला—'आप लोग खेलिए, मुझे किसी काम से जाना है।'

वह उठ कर चला गया तो अधेड़ उम्र का व्यक्ति मुस्कराकर कर बोला—'सनकी, भूखे व डरपोक व्यक्ति हैं। आपने उसके सामने अपना परिचय देकर गलती की है। वह अब ढिंढोरा पीट देगा।'

'कोई बात नहीं, आप पत्ते बांटते हुए अपना व अपने

साथियों का परिचय दे दीजिए।'

'यह है मैडम एलोरा, इनके पति बहुत बड़े वैज्ञानिक थे। एक दिन वह एकाएक गुम हो गए। यह गुड़ियों (डाल्स) का व्यापार करती हैं। यह हैं मिस्टर कोजा, लकड़ी के व्यापारी, लोहे का व्यापारी हूँ।'

'आप लोगों से मिल कर बहुत खुशी हुई, पत्ते उठाईये।' बाण्ड ने कहा। वह अनुभव कर रहा था—मैडम एलोरा उसे बार-बार कनखियों से देख रही है।

गन्जा व्यक्ति जैसे ही दरवाजे से बाहर जाने लगा, लाल जाकेट वाले से टकरा गया।

'मिस्टर देख कर नहीं चला जाता।' लाल जाकेट वाला बुरा सा मुँह बना कर बोला।

'क्या करूं दिमाग सीक्रेट एजेन्ट की तरफ है।'

'सीक्रेट एजेन्ट ?'

'हां ! ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस का एजेन्ट ००७ ! कहता था—मैं उस गैंग को नष्ट करने के लिए निकला हूँ। जो हमारे देश के रहस्य दुश्मन देश को पहुँचाता है।

'लेकिन वह है कहां ?'

'वह देखो—उस मेज पर जो सबसे सुन्दर युवक बैठा है ब्राऊन सूट में। लेकिन ध्यान रखना यह बात किसी को बताना नहीं।'

'युवक मुस्कराया और उस मेज की तरफ बढ़ गया। जिस पर बाण्ड मोजूद था।

गन्जे व्यक्ति ने होटल में लगभग दस व्यक्तियों को यह बात बताई। अन्त में इतना अवश्य कहता-ध्यान रहे यह बात किसी को बताना नहीं।'

लोग जान बूझ कर सीक्रेट एजेन्ट को देखने के लिए उस हाल में जाने लगे, जिसमें बाण्ड मोजूद था। जब बाण्ड ने कईयों

की नजरें खुद पर टिकी हुई देखी तो वह मुस्करा दिया।

लाल जाकेट वाला भी उनके साथ सम्मलित हो गया। गेम रही थी। इस बार लाल जाकेट वाले ने पत्ते बांटे थे।

दस पौण्ड से गेम शुरु हुई थी।

एलोरा ने बीस डाल दिये। ऐल्जोना ने चालीस, बाण्ड ने अस्सी, जाकेट वाले ने एक सौ साठ! कोजर ने पत्ते उठा कर देखे और पैक हो गया।

एलोरा ने पत्ते उठाये और तीन सौ बीस पौण्ड की चाल चल दी। उसके पास पाँच नम्बर थे।

ऐल्जोना ने पत्ते उठा कर देखे और बुरा सा मुंह बना कर बोला--'जीते नम्बर...पैक...।'

बाण्ड ने पत्ते उठाए और बराबर की चाल चल दी। लाल जाकेट वाले ने पत्ते देखे और छः सौ चालीस की चाल चल दी। कोजर भी पैक हो गया।

एलोरा ने एक बार पत्तों को तोला। पांच नम्बर की कोई अहमियत नहीं थी, जाकेट वाला डबल चाल चल रहा था। अतः उसने भी पत्ते गड्डी में फेंक दिए।

दो खिलाड़ी मैदान में रह गए। बाण्ड व जाकेट वाला। बाण्ड ने फिर बराबर की चाल चल दी। फिर बोला--'मिस्टर अपना नाम नहीं बताओगे?'

'मुझे राक हडसन कहते हैं। लड़कियां प्यार से राकी के नाम से पुकारती हैं।' उसने डबल चाल चलते हुए कहा।

'यानि काफी गर्ल फ्रेन्ड हैं।'

'हां! लगभग एक दर्जन, अब चाल चलिए।'

लगता है तुम्हारे पास बड़ी गेम है तब भी मेरी डबल चाल! बाण्ड ने पच्चीस सौ साठ पौण्ड गेम में डाल दिए।'

'मेरे पास गेम तो बड़ी है। लेकिन माल नहीं है, इसलिए

शो कीजिए।' कहने के साथ ही उसने पत्ते उलट दिए। दो बादशाहों के साथ उसके पास सत्ती व दुग्गी यानि नौ नम्बर थे।

आस-पास जो दर्शक एकत्रित हो गए थे, देख कर चौंक उठे। सबने यही समझा कि बाण्ड हार गया।

वह विजयी मुस्कान बिखेरता हुआ नोट समेटने लगा तो बाण्ड बोला--'ठहरो! मेरे पत्ते भी देख लो।'

सबकी नजर बाण्ड पर घूम गयीं। उसने एक-एक पत्ता कर के खोला-बादशाह फिर बादशाह तथा नहला। नौ नम्बर बाण्ड के भी थे, लेकिन नहला होने के कारण उसकी गेम बड़ी थी।

'बहुत अच्छा भाग्य है।'

'ऐसी गेम तो कभी-कभी देखने को मिलती है।'

'बहुत बड़ा हाथ मारा है।'

'ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस का एजेन्ट है, बड़ी तो फंसेगी ही।'

कई स्वर एक साथ उभरे। बाण्ड ने मुस्करा कर नोटों को समेट लिया। राकी उठ खड़ा हुआ।

'बैठो मिस्टर राक हडसन!' बाण्ड ने पूछा--'उठ क्यों गये?'

'रकम खत्म हो गई है।'

'मुझसे उधार ले लो...।'

'अगर मैंने वापस नहीं...।'

'ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस का एजेन्ट हूँ जेम्स बाण्ड! रकम दे सकता हूँ तो ले भी सकता हूँ।'

'ठीक कहते हो, लेकिन मैं उधार लेकर नहीं खेलता।' राकी ने कहा। फिर बाहर निकलते हुए बोला--'दो दिनों बाद फिर खेलने आऊंगा।'

सबकी नजर बाण्ड पर केन्द्रित थीं, शायद उन्होंने कभी सीक्रेट एजेन्ट नहीं देखा था।

●●●

राकी ने कार पार्क की ओर अन्तर की तरफ चल पड़ा। उसकी आंखों के सामने बार-बार बाण्ड का चेहरा घूम जाता था। वह जल्द से जल्द मैडम को रिपोर्ट दे देना चाहता था।

राहदारी में उसे प्रोफेसर हेम्डिज टोन मिल गया, जो नशे में धुत था। इस समय भी उसके पैर लड़खड़ा रहे थे।

'प्रोफेसर!' राकी ने उसके कन्धे पर हाथ रखकर कहा--'आज तो मिटिंग है, आज इतना नशा नहीं करना चाहिए था।'

'नशा मेरा जीवन है। मिटिंग में क्या होता है, मैं नहीं जानता। मैं तो वहां जाकर बैठ जाऊंगा।'

'किसी दिन मैडम को क्रोध आ गया तो वह तुम्हें दण्ड भी दे सकती है।'

'दण्ड!' प्रोफेसर ने अट्टहास लगाया-'मैं किसी दण्ड से नहीं घबराता, चाहे वह मौत ही क्यों न हो। लेकिन मैं करूंगा वही जो मेरा मन कहेगा।'

राकी ने उससे ज्यादा बात करना उचित नहीं समझा, क्यों कि वह जानता था कि प्रोफेसर नशेड़ी होने के कारण सनकी हो गया है। अतः वह चुप हो गया।

एक कमरे में पहुँच कर दोनों रुक गये। राकी ने दीवार में लगे बटनों में से एक बटन दबा दिया। कमरा लिफ्ट की भांति नीचे जाने लगा।

कुछ ही क्षणों बाद लिफ्ट रुक गई। दोनों बाहर निकल आये। दरवाजे के पास ही एक स्टेनगन धारी व्यक्ति खड़ा था। उसने दोनों को सलाम किया, वह सिर हिलाते हुए आगे बढ़ गये। एक गैलरी पार करके वह बांई ओर घूम गये। कोने पर लगे एक

सूक्ष्म बटन को राकी ने दबा दिया, दीवार फट गई। दोनों अन्दर प्रविष्ट हो गये। वह एक बहुत ही छोटा कमरा था, जिसमें जीरो वॉल्ट का बल्ब जल रहा था।

प्रोफेसर के बटन दबाते ही दीवार समतल हो गई। सामने ही एक दरवाजा था। उसे खोलकर दोनों अन्दर चले गये। वह एक बहुत बड़ा साफ-सुथरा हाल था, जिसकी दीवारें व फर्श इस तरह चमकता था कि उसमें अपना अक्स देखा जा सकता था।

दूधिया हाल के अन्त में दीवार के पास एक सफेद रंग की कुर्सी पड़ी हुई थी। कभी कभी ऐसा आभास होता था जैसे वह टेलीविजन की स्क्रीन से बनी हो। हाल के बीचों बीच एक पारदर्शक दीवार थी, पारदर्शक दीवार के इस तरफ की शक्ल में कुर्सियां बिछी थीं। दीवार के अन्त में दोनों लाइनें मिलकर दो अक्षर बनाती थीं। दूर कुर्सी पर एक व्यक्ति बैठा था। प्रत्येक कुर्सी के ऊपर एक चमकता हुआ गोला लटक रहा था। गैंग के कई पुराने व्यक्ति कहते थे वह मौत का गोला है। दोनों खाली कुर्सियों पर बैठ गये।

'क्या मैडम अभी नहीं आई?' राकी ने पूछा।

'अगर आ गई होती तो आवाज न सुनाई देती।

'आवाज सुनते-सुनते तो हम बोर हो गये हैं, अब उसे अपनी शकल भी दिखानी चाहिये मालूम तो हो जितनी उसकी आवाज मधुर है, क्या उतनी वह खुद भी सुन्दर है?'

'अगर मरने का इरादा नहीं है तो खामोश रहो!' आगे बैठा लम्बी नाक वाला व्यक्ति गुर्राया।

राकी ने जल्दी से होंठों पर उंगली रख ली, फिर प्रोफेसर की तरफ देखा, जो अपनी अधमिची आँखों से इधर-उधर निहार रहा था। लेकिन ऐसा ही था कि वह ऊंघ रहा हो। राकी बुरा सा मुंह बनाकर रह गया।

तभी लगातार तीन बार घण्टी बजी। यह संकेत था कि मैडम आ गई है। सबके सिर कुर्सी के आगे झुक गये।

'आज की कार्रवाही आरम्भ की जाये !'

एक मधुर स्वर उभरा। ऐसा लगा जैसे कई घण्टियाँ एक साथ बज उठी हों। राकी का दिल जोर-जोर से धड़कने लगा। वह सोच रहा था, जिसकी आवाज इतनी मधुर है, वह कितनी सुन्दर है। वह किसी तरह मैडम से साक्षात्कार करना चाहता था, लेकिन आज तक सफल नहीं हो सका।

वह दृढ़ निश्चय कर चुका था कि जिस दिन मैडम से साक्षात्कार होगा, वह झुककर उसके हाथ को चूम लेगा और प्रार्थना भरे स्वर में कहेगा—'मैं तुम्हें दिलोजान से प्यार करता हूँ। तुमसे शादी करना चाहता हूँ, मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम इन्कार नहीं करोगी।'

जब वह तैयार हो जायेगी तो वह उसके सुन्दर जिस्म को चूम-चूम लेगा। इसी तरह वह सपने संजोता रहा, लेकिन मैडम से उसका आज तक साक्षात्कार नहीं हो सका था।

'राकी !' मैडम ने मधुर स्वर में पूछा—'तुम क्या सोच रहे हो ?'

राकी एकदम से चौंक उठा, फिर हड़बड़ा कर बोला—'कुछ नहीं।'

'तुम हमेशा सपनों में खोये रहते हो, यह बुरी बात है। यह बात गांठ में बांध लो कि सपने कभी पूरे नहीं होते !'

'लेकिन उनका एहसास अनुभव करके आदमी सुख तो प्राप्त कर लेता है।'

'अगर तुम्हें इस प्रकार का सुख प्राप्त करना है तो इस मिटिंग के बाद बाहर जाकर, यहां नहीं !' मैडम का मधुर स्वर कठोर हो गया।

राकी ने मैडम का कठोर स्वर भी कई बार सुना था, लेकिन उसे कठोर स्वर में भी मधुरता ही सुनाई देती थी। उसकी इच्छा हुई वह कह दे कि ऐसे विचार उसके मस्तिष्क में तभी आते हैं, जब वह उसकी आवाज सुनता है।

'टोनी···तुम रिपोर्ट दो !' कुछ क्षणों की खामोशी के बाद मैडम का स्वर उभरा।

राकी दोनों होंठ भींचे कुर्सी को घूर रहा था, जिस पर कभी किसी ने मैडम को बैठे हुए नहीं देखा था, लेकिन स्वर इस तरह सुनाई देता था जैसे कुर्सी से उभर रहा हो। लेकिन वह बात इस तरह करती थी जैसे सामने बैठकर कर रही हो।

उसने कई बार सोचा था, यह कैसे होता है, क्या वह हवा है ? जो उन्हें देख लेती है, लेकिन दिखाई नहीं देती। आज तक वह इस रहस्य को समझ नहीं सका था।

टोनी सबसे आगे दाहिनी तरफ बैठा था। वह दल का सबसे पुराना व्यक्ति था। बोला—'मैडम ! आज से दस दिन पहले एक जासूस का कत्ल किया गया था। जो स्मगलरों की तलाश में था, लेकिन उसके बाद किसी अभियान पर ब्रिटिश गवर्नमेन्ट की तरफ से कोई भी जासूस नियुक्त नहीं किया गया। समझ में नहीं आया ऐसा क्यों हुआ है ? लेकिन राकी से मालूम हुआ है कि जेम्स बाण्ड एक खास अभियान पर नियुक्त किया गया है।'

राकी तन कर बैठ गया था। क्योंकि उसका जिक्र आ रहा था।

●●●

राकी इस बात से प्रसन्न था कि वह एक खास सूचना लेकर आया है। वह इसी समय मैडम से बात करना चाहता था। तभी

उसे सामने से टोनी आता दिखाई दिया ।

'क्या बात है राकी ?' टोनी ने पूछा—'आज तुम्हारा चेहरा खिला हुआ है ?'

'एक खास सूचना लाया हूँ, मैडम सुनेगी तो प्रसन्न हो जायेगी ।'

'मुझे बताओ !'

'नहीं···मैं मैडम को खुद सूचना दूंगा ।'

'लेकिन तुम तो जानते हो कि मैडम सामने नहीं आती। हम एक खास ढंग से सूचना उस तक पहुँचा देते हैं ।'

राकी का तना हुआ जिस्म ढीला पड़ चुका था । वह तो इस बात को भूल ही गया था । वह इसी बहाने मैडम से मुलाकात करना चाहता था, लेकिन उसकी आशाओं पर पानी फिर गया था ।

'राकी !' टोनी उसके कन्धे पर प्यार से हाथ रखता हुआ बोला—'मैडम को पाना या हवा को देखना एक बराबर है । तुम मैडम का स्वर सुनकर ही उससे प्यार करने लगे हो । यह भी तो हो सकता है मैडम कुरूप हो ।'

'नहीं टोनी । ऐसा मत कहो. मेरे सपने टूट जायेंगे । तुम देख लेना मैडम दुनिया की सबसे खूबसूरत औरत होगी । मैं उस से अवश्य शादी करूंगा ।'

टोनी उसके पागलपन पर हँस कर रह गया । वह जानता था कि राकी मैडम से नहीं उसकी परछाईं से प्यार कर रहा है ।

'राकी ! मुझे वह सूचना दो जो तुम लाये हो !'

राकी ने उसे सब कुछ बता दिया कि जेम्स बाण्ड नाम का ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट, उन्हें नष्ट करने के लिये नियुक्त कर दिया गया है ।

टोनी ने एक कागज पर टाईप किया और राकी के साथ

उस हाल में पहुँचा, जिसमें मिटिंग होती थी । कुर्सी के सामने शीशे पर उसने वह कागज चिपका दिया ।

वह अभी दरवाजे तक ही पहुँचे थे कि उन्हें भभके का स्वर सुनाई दिया । उन्होंने मुड़कर देखा । कागज जल रहा था । यह संकेत था कि मैडम तक सूचना पहुँच गई है ।

● ● ●

'हां !' मैडम का स्वर उभरा—'मुझ तक सूचना पहुँच गई है । मैं अपने सब साथियों को भी बता देना चाहती हूं । जेम्स बाण्ड, जो खुद लोगों को बता रहा है कि वह ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट ००७ है । इसके अलावा वह अपने परिचय के साथ यह भी कहता है कि उसे उस गैंग को नष्ट करने के लिये नियुक्त किया गया है, जो ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस के हर अभियान को असफल बना कर जासूसों का कत्ल कर देता है यानि हमारा गैंग लेकिन यह बात मुझे समझ नहीं आई कि वह इस बात का ढिंढोरा क्यों पीट रहा है ?'

हाल में खामोशी छाई रही, कोई कुछ नहीं बोला। मैडम का स्वर फिर उभरा—'इसके अलावा ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस ने इन दो सप्ताहों में किसी भी एजेन्ट को किसी भी केश पर नियुक्त नहीं किया, क्यों ?'

'शायद इसलिये कि हमारा ध्यान जेम्स बाण्ड आसानी से अपनी तरफ आकर्षित कर सके ।' बायीं तरफ बैठा जेम्स डेडली बोला ।

'तुम ठीक कह रहे हो डेडली, मैं भी ऐसा ही सोच रही हूँ ।'

'मैडम !' टोनी बोला—'मेरा विचार है, यह बहुत बड़ा षड-यन्त्र है । वह किसी दूसरे केस पर नियुक्त नहीं किया गया बल्कि

इस तरह हम तक पहुँचना चाहता है।'

'लेकिन हमारे पास इस बात का प्रमाण नहीं है।'

'मुझे पूर्ण विश्वास है, मैंने जो कहा है–वह सत्य है। हमें जाल में फंसाया जा रहा है। उसके पीछे पूरी फोर्स गुप्त रुप से काम कर रही है।' डेडली बोला।

'हम इस बारे में सिर्फ इतना जानते हैं कि वह ब्रिटिश सरकार के लिए काम करता है। वह ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट है इस बात की हमें जानकारी नहीं थी। यह जानकारी हमें एकत्रित करनी है। तुम लोग जानते हो बिना प्रमाण के हम कोई काम नहीं करते।'

'हम जानते हैं।' डेडली फिर बोला–'अगर हमें प्रमाण मिल गए और मेरी बात सत्य निकली तो हमें यही समझ लेना चाहिये कि ब्रिटिश सरकार हमें नष्ट करने के लिए प्रतिज्ञा कर चुकी है। अतः ऐसी स्थिति में हमें ब्रिटेन छोड़ कर भाग जाना चाहिये।'

'इस बारे में इस प्रमाण मिलने के बाद सोचेंगे। प्रमाण एकत्रित करने के लिए मैं दो व्यक्तियों को नियुक्त करती हूँ।

कुछ क्षण सन्नाटा रहा। फिर पारदर्शक दीवार के दूसरी तरफ से स्वर उभरा। राकी हमारे दल में बहादुर नौजवान व प्रोफेसर हेम्डिगटोन एक अच्छे वैज्ञानिक है। मैं दोनों को प्रमाण एकत्रित करने के लिए नियुक्त करती हूँ।

राकी हैरान सा कुर्सी की तरफ देखता रह गया। वह नशेड़ी वैज्ञानिक के साथ काम नहीं करना चाहता था। एक ऐसा व्यक्ति जो हर समय नशे में डूबा रहता है, क्या काम कर सकेगा? लेकिन वह विरोध नहीं कर सका, क्योंकि उसे मालूम था मैडम का आदेश पत्थर की लकीर हुआ करता है। नजर घुमा कर उस ने प्रोफेसर को देखा–'जो अधमिची आँखों से कुर्सी को निहार रहा था।

'मैडम का स्वर फिर उभरा––'मैं इस काम के लिए दस दिन का समय देती हूँ। दसवें दिन तक मुझे रिपोर्ट जानी चाहिये,

अन्यथा मैं दोनों को निकम्मा करार देकर हमेशा की नींद सुला दूंगी।

मैडम का स्वर इतना कठोर था कि राकी का दिल काँप उठा।

'बाकी सदस्य इस दिन तक खामोश रहेंगे यानि दसवें दिन रात को इसी समय फिर मिटिंग होगी तब हम आगे के लिए कोई फैसला करेंगे। सब सदस्यों को इस बात का ध्यान रखना है कि वह ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट की नजरों में न आये। बल्कि मैं राय दूंगी राकी व प्रोफेसर को छोड़ कर सब दस दिनों तक आराम करें, हो सकता है इसके बाद हमें हंगामी काम करने पड़ें। कुछ क्षणों की खामोशी के बाद स्वर उभरा––'गुडनाईट!' तीन बार मधुर घण्टी गूंजी, फिर खामोशी छा गई।

सब उठ-उठ कर बाहर जाने लगें। लेकिन राकी बैठा हुआ प्रोफेसर हेम्डिब को घूर रहा था।

● ● ●

प्रोफेसर को लिए हुये राकी अपने फ्लेट में आ गया। यहां वह एक विद्यार्थी की हैसियत से रहता था।

कालेज में उसका नाम लिखा था, इसलिए कभी-कभी उसे कालेज भी जाना पड़ता था। पढ़ाई से उसे कोई मतलब नहीं था, इसलिये बी. एस. सी. फाइनल में दो साल से फेल होता चला आ रहा था।

इस समय वह कुर्सी पर बैठा प्रोफेसर को निहार रहा था।

'राकी!' प्रोफेसर ने झूमते हुए पूछा––'मुझे यहां क्यों ले आये हो?'

'यह बताने के लिए कि हम दोनों के गले में मौत का फन्दा झूलने लगा है।

प्रोफेसर ने उसके व अपने गले को टटोला। फिर लड़खड़ाते स्वर में बोला—'तुम झूठ बोलते हो।'

'प्रोफेसर ! मैडम ने हमें जो काम सौंपा है, अगर हमने उसे दस दिनों में पूरा नहीं किया तो, वह हमें हमेशा की नींद सुला देगी।

'मैं कोई काम नहीं कर सकता, चले जाओ।' प्रोफेसर ने झूमते हुए कहा।

राकी ने उसे खूनी निगाहों से निहारा, फिर कालर से पकड़ कर उसे झकझोरते हुए कहा—'प्रोफेसर होश में आओ, क्यों मरना चाहते हो।'

'मैं होश में हूँ राकी, और मरने से नहीं डरता। बूढ़ा हो गया हूँ, किसी दिन भी मौत मुझे दबोच सकती है। फिर मैं किसी धमकी से क्यों डरूं ?'

'लेकिन मैं तो बूढ़ा नहीं हुआ। मैं इस काम को पूरा करके मैडम तक पहुँचना चाहता हूँ।'

'क्यों ?'

'क्योंकि मैं मैडम से प्यार करता हूँ। उससे शादी करना चाहता हूँ। यह तभी हो सकता है, जब मैं उससे आमने-सामने मुलाकात करूं।'

'यह सब बेकार की बातें हैं। जाओ, चले जाओ। मुझे सोने दो।' कहने के बाद प्रोफेसर पलंग पर गिर पड़ा और खर्राटे लेने लगा।

राकी ने दांत पीसते हुए उसे घुंसा दिखाया, लेकिन कोई हरकत नहीं; जबकि उसकी इच्छा हो रही थी—वह प्रोफेसर के दांत तोड़ दे। खामोशी से वह बाहर आ गया और सोचने लगा—मैडम ने इस अभियान पर प्रोफेसर को नियुक्त करके बहुत भारी गलती की है। वह नशेड़ी कोई भी काम करने के योग्य नहीं है।

वह तो जीना ही नहीं चाहता। लेकिन उसे तो मैडम को पाने के लिए जिन्दा रहना ही है। अतः उसने अकेले काम करने का निश्चय किया।

बाण्ड का रहस्य जानने के लिए वह निकल पड़ा। आज उस की जेब नोटों से भरी थी। वह उसी होटल में पहुँच गया, जिस में एक बार बाण्ड के साथ जुआ खेल चुका था।

हाल में नर्तकी कैबरे प्रस्तुत कर रही थी। उसके निकट आ कर वह रुक गई, और कुल्हों को झटके देती हुई आंखों से अपने जिस्म की तरफ इशारा करने लगी। जो उस बात का संकेत था कि आज की रात वह उसे बेच सकती है। राकी जानता था—पचास सौ पौण्ड में कैबरे डांसर एक रात के लिये बिस्तर की शोभा बन सकती है। लेकिन उसके मस्तिष्क में तो मैडम छाई हुई। जिसे वह दुनियाँ की सबसे अधिक खूबसूरत औरत समझ रहा था। अतः वह उसे काट कर आगे निकल गया।

उसे मालूम था कालेज की कई लड़कियां उसे आसमान से उतरा हुआ रूप का देवता की उपाधि दे चुकी थी। उसे इस बात का आभास था कि वह बहुत सुन्दर है। अतः आसमान से उतरी परी के समान सुन्दर स्त्री को ही वह अपनाना चाहता था। मैडम का स्वर सुनते ही वह उसके लिए पागल हो उठा था।

उस तक पहुँचने के लिए बाण्ड का रहस्य जानना आवश्यक था। अतः वह उस कमरे में प्रविष्ट हो गया, यहां जुआ हो रहा था। कोने की मेज पर बाण्ड एक व्यक्ति के साथ ताश खेल रहा था। राकी मुस्कराता हुआ उस मेज तक पहुँच गया।

बाण्ड ने मुस्करा कर उसका स्वागत किया और बोला—'आओ राकी, बैठो !'

राकी एक खाली कुर्सी पर बैठ गया और जेब से गड्डियां निकाल कर मेज पर रखने लगा।

'मेरे भी पत्ते बांटो।' राकी ने कहा।

बाण्ड ने पत्ते बांटे।' आज नो खाल नहीं बल्कि फलाश हो रही थी। उनके दोनों के अलावा जो तीसरा व्यक्ति था, उसका नाम पोमर था।

सौ पौण्ड से गेम शुरू हुई। पोमर ने ब्लेण्ड कर दी। राकी ने डबल ब्लेण्ड की। बाण्ड ने पत्ते उठाकर देखे और चाल चल दी। पोमर ने पत्ते देखे और पैक हो गया।

राकी शो ले ली। बाण्ड ने पत्ते दिखाये। उसके पास दो दहले व राकी के पास दो छिक्कियाँ थीं।

इसी तरह गेम चलती रही, राकी व बाण्ड का पलड़ा भारी था कोई आधे घण्टे बाद पोमर उठता हुआ बोला—'थोड़े से नोट बचाकर ले जा रहा हूँ, उन्हें नहीं हारना चाहता।'

उसके जाने के बाद दोनों खेलने लगे। लगभग दस बाजियों में बाण्ड पांच हजार पौण्ड हार गया।

'बाण्ड।' राकी मुस्कराकर बोला—'आज तुम मुझसे नहीं जीत सकते।'

'यह जुआ है भाई ब्वाय, कब उल्टा पड़ने लगे, कोई कुछ नहीं कह सकता।

राकी ने पत्ते बांटे। बाण्ड ने सौ की ब्लेण्ड कर दी। राकी ने दो सौ, बाण्ड ने तीन सौ, राकी ने पांच सौ की ब्लेण्ड की।

बाण्ड ने पत्ते उठाकर देखे और एक हजार की चाल चल दी।

राकी ने पत्ते उठाये और एक सिगरेट सुलगाने के बाद नोट गेम में फेंकता हुआ बोला—'एक चाल मेरी भी।'

'एक चाल और।' बाण्ड ने भी सिगरेट सुलग ली।

'बाण्ड!' उसने एक बार फिर पत्ते देखते हुए पूछा—'क्या तुम सचमुच सीक्रेट एजेन्ट हो।'

'हाँ! क्या तुम्हें शक है?'

'सीक्रेट एजेन्ट तुम्हारी तरह नहीं होते।' उसने डबल चाल चल दी।'

'फिर कैसे होते हैं।' बाण्ड मुस्कराकर बोला—'क्या उनकी टाँगें ऊपर व बांहें नीचे होती हैं।' बाण्ड ने भी दो हजार गेम में फेंक दिये।

'नहीं, लेकिन सीक्रेट एजेन्ट तुम्हारी तरह अपनी पदवी का ढिंढोरा नहीं पीटते।'

'देशवासियों को कुछ बताना गुनाह नहीं।'

'शो करो।' राकी ने दो हजार गेम में फेंकते हुए कहा।

बाण्ड ने पत्ते उलट दिये। उसके पास रंग में इक्का-बेगम-बादशाह थी। राकी के पास भी फर्स्ट थी, लेकिन सादी होने कारण वह हार गया।

पत्ते फिर बांटे गये। राकी ने ब्लेण्ठ की। बाण्ड की ब्लेण्ड के बाद राकी के फिर ब्लेण्ड कर दी।

बाण्ड ने पत्ते उठाकर देखे सोलह सौ की चाल चल दी।

'एक चाल मेरी भी।'

'मेरी एक और चाल।'

'बाण्ड!' राकी ने एक और सिगरेट सुलगाते हुए कहा—'न जाने क्यों मुझे विश्वास ही नहीं आता कि तुम सीक्रेट एजेन्ट भी हो सकते हो।

'बकवास मत करो, चाल चलो।

'मेरे बत्तीस सौ।

'बाण्ड ने बराबर की चाल चल दी।'

दो चालें चलने के बाद राकी ने शो ले ली। उसके पास चार पांच छः थी, जबकि बाण्ड के पास नहला, दहला, गुलाम था। बाण्ड ने नोट समेट लिये।

राकी फिर बोला-'तुम मुझे सीक्रेट एजेन्ट की बजाय सिर्फ जुआरी नजर आते हो।'

'सीक्रेट एजेन्ट जुआ भी खेलते हैं, दुनिया का हर काम करते हैं।'

'लेकिन तुम्हारे पास इस बात का प्रमाण है।'

'क्यों नहीं, मेरा आईडेन्टी कार्ड मेरे पास है।' बाण्ड जेब से उसे निकालकर राकी की तरफ फेंकता हुआ बोला--'लो देखो।'

राकी बाण्ड को उत्तेजित कर रहा था, उत्तेजना में आकर वह कुछ ऐसी हरकत कर दे कि उसे सूत्र मिल जाये। उसे सफलता मिली थी।

आईडेन्टी कार्ड उसने मेज पर फैला लिया और एक नई सिगरेट होठों में लगाकर लाइटर से सुलगाई।

बाण्ड इस बात को नोट नहीं कर सका कि राकी ने लाइटर में फिट कैमरे द्वारा उस आईडेन्टी कार्ड की तस्वीर उतार ली है।

सिगरेट सुलगाने के बाद उसने आईडेन्टी कार्ड को गौर से देखा। उस पर उसकी तस्वीर चिपकी हुई थी, साथ में रेंक, नाम व नम्बर भी था। उससे स्पष्ट जाहिर होता था कि वह ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट है।

लाइटर जेब में रखकर उसने आईडेंटी कार्ड वापस किया और बोला--'अब मुझे विश्वास हो गया कि तुम सीक्रेट एजेन्ट हो।'

बाण्ड उसे जेब में रखता हुआ मुस्कराकर बोला-'तुम मुझे उत्तेजित न करते तो शायद मैं कभी भी तुम्हें आईडेन्टी कार्ड न दिखाता, लेकिन तुम क्या करते हो?'

'बी० एस० सी० फाईनल का विद्यार्थी हूँ। कभी कालेज आओ तो तुम्हें लड़कियों से मिला दूं।'

बाण्ड हलका सा अट्टहास लगाकर बोला-'लड़कियों की मेरे

पास कमी नहीं, एक से एक सुन्दर लड़की मेरी गर्ल फ्रेन्ड हैं।'

'तब ठीक है, पत्ते बांटो।'

'आधा घण्टा वह और खेले, फिर राकी उठकर चला गया; क्योंकि उसका काम पूरा हो चुका था। आज वह जितना प्रसन्न था, जीवन में इतना प्रसन्न कभी नहीं हुआ था।

●●●

सभी सदस्य खाली थे दस दिनों के लिए उनकी छुट्टी थी। अड्डे पर बैठकर वह ताश या कोई दूसरी गेम खेलकर समय व्यतीत करते थे।

राकी को देखते ही टोनी ने पूछा--'क्या बात है, आज बहुत प्रसन्न नजर आ रहे हो?'

'जिस अभियान पर मुझे नियुक्त किया गया था, मैंने उसमें फिफटी प्रसेन्ट सफलता प्राप्त कर ली है।'

'कैसे?'

'मैंने इस बात का प्रमाण एकत्रित कर लिया है कि जेम्स की बातें गप्प नहीं थी, वह सचमुच ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट है।'

सबकी निगाहें राकी पर टिक गईं। क्या प्रमाण लाये हो, हम भी तो देखें।' डेडली पत्ते फेंकता हुआ बोला।

'प्रोफेसर के पास जा रहा हूँ, अगर जानना चाहते हो तो तुम लोग भी साथ जाओ।'

राकी जानता था प्रोफेसर अपने कमरे में पड़ा होगा। वह उसी तरफ चल पड़ा। प्रोफेसर कुर्सी पर बैठा झूमता हुआ सिगरेट के कश लगा रहा था।

अध खुली आंखों से राकी को देखकर उसने पूछा-'क्यों

आये हो ?'

'प्रोफेसर, जिस काम के लिये हमें नियुक्त किया गया था, उसमें मैंने पचास प्रतिशत सफलता प्राप्त कर ली।'

'मुझे उसमें कोई दिलचस्पी नहीं।'

'प्रोफेसर !' राकी दृढ़ स्वर में बोला–'तुम्हें दिलचस्पी लेनी होगी, क्योंकि अभी हमें पचास प्रतिशत प्रमाण एकत्रित करने हैं, उसके बिना हम जिन्दा नहीं बच सकते।'

'मुझे जीने मरने में भी कोई दिलचस्पी नहीं है।'

राकी की आँखों में खून उतर आया। राकी अभी कोई गलत हरकत करता, उससे पहले ही डेडली ने पूछा–'लेकिन तुम ने प्रमाण क्या एकत्रित किया है ?

'मैंने जेम्स बाण्ड के आईजेन्टी कार्ड की तस्वीर खींच ली है, जिससे यह प्रमाणित होता है कि वह सीक्रेट एजेन्ट है।'

'तस्वीर किस कैमरे से खींची थी ?' प्रोफेसर ने पूछा।

'इस लाईटर में कैमरा फिट है।' उसने जेब से लाईटर निकालकर दिखाया।

प्रोफेसर ने बुरा सा मुंह बनाते हुए उसे ले लिया।

'इस प्रमाण से कोई फायदा नहीं। तुम्हे यह मालूम करना चाहिये था कि क्या वह सचमुच हमारे दल को नष्ट करने के लिये नियुक्त किया गया है। वह सीक्रेट एजेन्ट है यह तो सबको मालूम हो चुका है। तुमने कोई तीर नहीं मारा।'

कहने के बाद प्रोफेसर ने लाईटर में से निगेटिव निकाल लिया। रोशनी के पड़ते ही वह नष्ट हो गया।

'प्रोफेसर !' राकी दांत पीसता हुआ बोला–'तुमने निगेटिव को नष्ट करके बहुत बुरा काम किया है। मैं तुम्हें जिन्दा नहीं छोड़ूंगा !'

राकी प्रोफेसर पर टूट पड़ा। दो तीन घूंसे उसके चेहरे पर

जड़ दिये।

'राकी...यह क्या करते हो !' टोनी चीखा।

राकी ने प्रोफेसर को उठाकर फर्श पर पटक दिया और उस की कमर में ठोकर मारता हुआ चीखा–'प्रोफेसर ने मेरी मेहनत पर पानी फेर दिया है, मैं इसे जिन्दा नहीं छोड़ूंगा।'

दो ठोकरें उसने और जड़ दीं। प्रोफेसर कराह उठा, लेकिन उसी समय कई सदस्यों ने उसे मजबूती से पकड़ लिया।

'छोड़ दो मुझे, मैं प्रोफेसर के टुकड़े कर दूंगा।'

'मूर्ख मत बनो।' डेडली बोला–'प्रोफेसर ने ठीक कहा है, यह कोई प्रमाण नहीं है।

'लेकिन मैं इसे मैडम के समक्ष प्रस्तुत करना चाहता था।'

'इस बारे में आज तुम मैडम से बात कर सकते हो।'

राकी ने एक क्षण उसे घूरा, फिर जिस्म ढीला छोड़ दिया। प्रोफेसर के होठों से रक्त छलछला आया था। टोनी उस पर झुक गया।

●●●

डेडली के साथ राकी हाल में पहुंचा। हाल में सन्नाटा था। दोनों कुर्सियों पर बैठ गये। कुछ क्षण ही व्यतीत हुए थे कि मधुर घण्टी बजने लगी। दोनों ने कुर्सियों के आगे सिर झुका दिया।

मैडम का मधुर स्वर गूंजा–'राकी तुम मुझसे कुछ कहना चाहते हो ?'

'मैंने जेम्स बाण्ड के विरुद्ध प्रमाण एकत्रित किया था, लेकिन प्रोफेसर ने उसे नष्ट कर दिया।'

'तुमने जो प्रमाण एकत्रित किया था। वह हमारे लिए बेकार था। प्रोफेसर ने निगेटिव फाड़ कर गलत काम नहीं किया। बाण्ड हमें नष्ट करने के लिये नियुक्त किया गया है। हमें सिर्फ यही जानकारी प्रमाण सहित चाहिये !'

मैडम ने इतने मधुर स्वर में कहा था कि राकी का सिर झुक गया।

'अब तुम जाओ और फिर कोशिश करो !' मैडम का स्वर एकाएक कठोर हो गया–'लेकिन प्रमाण तुम्हे उसी अवधि के अन्दर लाना है, जो हमने नियुक्त किया है, अन्यथा तुम दोनों को मौत को गले लगाना होगा !'

राकी कांप उठा, फिर दृढ़ स्वर में बोला–'दस दिन के अन्दर ही काम पूरा हो जायेगा मैडम।'

'शाबास ! हमें पूर्ण विश्वास है तुम जीवित रहना चाहोगे !'

तीन बार फिर मधुर घण्टी बजी, फिर खामोशी छा गई। दोनों बाहर निकल आये।

टोनी !' राकी ने पूछा–मैडम को कैसे मालूम हो गया कि प्रोफेसर ने निगेटिव फाड डाला था ?'

'मैंने सारी रिपोर्ट एक कागज पर टाईप करके पारदर्शक दीवार से चिपका दी थी। इसके अलावा भी मैडम की हजारों आंखें हैं। वह हर सदस्य के काम की जानकारी रखती हैं।'

'ओह !'

'एक बात तुम्हें बता दूं। मैडम ने प्रोफेसर का चुनाव करके कोई गलत काम नहीं किया। सभी जानते हैं कि वह हम सबसे ज्यादा बुद्धिमान है। तुम कोशिश करो, वह काम करने के लिये तैयार हो जाये।'

'मैं फिर कोशिश करूंगा।'

राकी उस कमरे में पहुंचा, जिसमें प्रोफेसर ऊंघ रहा था।

उसके चेहरे पर बच्चे जैसा भोलापन था। पीड़ा के चिन्ह भी उजागर हो रहे थे।

राकी ने उसे झंझोड़ दिया। प्रोफेसर ने अधखुली आंखों से उसे देखा, फिर मुस्करा कर पूछा–'शायद तुम मुझे मारने आये हो, लेकिन मैं मरने से नहीं डरता बेटे। चाहो तो तुम मुझे मार सकते हो !'

'प्रोफेसर ! आपने मुझे बेटा कहा।'

'तुम मेरे बेटे के बराबर ही हो !'

राकी को अपने बाप की याद आ गई। जो एक दुर्घटना में मारे गये थे। अगर वह जीवित होते तो आज प्रोफेसर की उम्र के होते।

'प्रोफेसर ! मैंने आप पर हाथ उठाया था। क्या आप मुझे क्षमा नहीं करेंगे।'

'बच्चों से गलती हो जाया करती है। मैंने तुम्हें क्षमा किया, जाओ सो जाओ !'

'लेकिन उस अभियान का क्या होगा, जिस पर मैडम ने हमें नियुक्त किया है ?'

'सवेरे सोचेंगे !'

'अगर आप कुछ दिनों के लिये नशा छोड़ दें तो हमारी जान बच सकती है।'

'नशा ही मेरा जीवन है, इसे मैं नहीं छोड़ सकता। इसके अलावा मौत पर किसी का बस नहीं, जब तक हमारे दिन पूरे नहीं हो जाते…मैडम क्या, प्रभु भी हमें नहीं मार सकते।'

कहने के बाद प्रोफेसर पलंग पर गिरकर खर्राटे लेने लगा। राकी गहरी सांस लेकर रह गया।

सवेरे प्रोफेसर ने उससे कोई बात नहीं की। दो दिन बीत गये, दो दिन और बीत गये, प्रोफेसर नशे में डूबा रहता। वह

कुछ भी करने के लिये तैयार नहीं होता था।

राकी ने सोचा, वह अकेले ही एक और कोशिश करेगा। वह अपनी जान हथेली पर रखकर बाण्ड की कोठी में प्रविष्ट होगा।

●●●

आसमान पर बादल छाये हुए थे, जिसके कारण अन्धकार और भी अधिक गहरा हो गया था। एक साया बाण्ड की कोठी की तरफ बढ़ रहा था।

उसने एक नजर चारों तरफ दौड़ाई। जब कोई दिखाई नहीं दिया तो वह एक ही छलांग में दीवार पर चढ़कर दूसरी तरफ कूद गया।

कोठी भी अन्धकार में डूबी हुई थी। वह बड़ी सावधानी से चलता हुआ राहदारी में पहुँच गया। रिवाल्वर निकालकर उसने हाथ में पकड़ लिया था।

मास्टर-की से उसने बैडरूम का दरवाजा खोला और अन्दर प्रविष्ट हो गया फिर दरवाजा बन्द कर लिया।

बाण्ड ने दरवाजा खोला और बाहर निकल आया। उसकी पीठ उसकी तरफ थी, लेकिन बाण्ड ने तब भी उसे पहचान लिया था। वह मुस्करा कर बाण्ड की तरफ देख रही थी।

'हैल्लो मिसेज रोमा !'

'हैल्लो !' उसने अपना हाथ आगे बढ़ा दिया।

बाण्ड ने उसके हाथ को चूम लिया, फिर पूछा—'आप अकेली घूम रही है···चारली कहां है ?'

'चारली !' रोमा ने अट्टहास लगाया—'अब कभी भी मे

साथ नहीं होगा।'

'क्यों ?'

'हमारे विचार नहीं मिलते। मैंने उससे तलाक ले लिया है।'

बाण्ड सोचने लगा। उनकी सभ्यता भी कैसी है, कुछ दिन शादी को हुए हैं। शायद वह ठीक से हनीमून भी नहीं मना सके, और पहले ही तलाक हो गया।

'आप इस तलाक से खुश है ?'

'हां···अब मैं स्वतन्त्र हूँ, कोई मुझे यह तो नहीं कह सकता, उस व्यक्ति के साथ दोस्ती मत करो।'

'ओह तो यह कारण है।'

'हां। वह दूसरी लड़कियों के साथ रातें रंगीन करता रहे। मैंने जब मना किया तो कहने लगा—'टैस्ट बदलते रहना चाहिए, रोज एक ही चीज खाई जाये तो मजा खराब हो जाता है। तो मैं भी तो ऐसा कर सकती हूँ। मैं भी अब नित्य नया टैस्ट लेती हूँ। अगर तुम्हें ऐतराज न हो तो आज की रात मैं तुम्हारे बैड-रूम में व्यतीत करना चाहती हूँ।'

'आज नहीं, फिर कभी। आज मुझे आवश्यक काम से बाहर जाना है।'

'कोई बात नहीं, फिर कभी सही।' उसने मुस्कराकर कहा और हाथ मिलाकर चली गई।

बाण्ड ने चैन की सांस ली, दोस्त की बीवी के साथ वह व्यतीत नहीं करना चाहता था।

कार में बैठते हुए उसने देखा, वह एक पेड़ की आड़ में हो गई है। लेकिन क्यों ? कुछ क्षण वह सोचता रहा। लेकिन समझ नहीं सका।

कार को गति देकर वह अन्दर की तरफ लेता चला गया। कार को पार्क करके वह अपने कमरे की तरफ चल पड़ा। उसी क्षण वह ठिठक कर रुक गया। उसके अपने कमरे से एक काले साये को निकलते देखा था।

वह और कोई नहीं राकी था, जो कुछ मिनट पहले ही कमरे में प्रविष्ट हुआ था, लेकिन कार के इन्जन की आवाज सुनते ही बाहर की तरफ भागा।

बाण्ड ने रिवाल्वर निकाल लिया और गुर्राया—'रुक जाओ अन्यथा गोली मार दूंगा।'

लेकिन वह अभी फायर करता, उससे पहले ही उसने झाड़ियों में छलांग लगा दी। बाण्ड उस तरफ लपका।

'झाड़ियों को हटा-हटा कर देखते हुए वह बोला—'अगर जान की खैर चाहते हो बाहर निकल आओ।

उसी समय कोई भारी वस्तु आकर उस पर गिरी, वह जमीन पर गिर पड़ा। रिवाल्वर उसके हाथ से छिटक गया। वह एक व्यक्ति था, जिसने उसे अपने नीचे दबा लिया था। उस के चेहरे पर काली नकाब चढ़ी हुई थी।

उसने एक घूंसा बाण्ड के चेहरे पर जमा दिया। जैसे ही वह दूसरा वार करने लगा बाण्ड ने उसे अपनी कलाई पर रोका और पैर उसकी छाती पर जमाकर जोर से झटका दिया। वह दूर जा गिरा।

बाण्ड फुर्ती से उठ खड़ा हुआ। जैसे ही वह उठकर खड़ा हुआ बाण्ड उस पर झपटा। सिर की भरपूर टक्कर उसकी छाती पर जमा दी। वह लड़खड़ाता हुआ दूर जा गिरा।

उसके उठते ही बाण्ड ने पैर की ठोकर चेहरे पर जमा दी, वह फिर उलट गया।

'कौन हो तुम? यहां क्या करने आये थे?' बाण्ड ने गुर्राकर

पूछा।

राकी कुछ कहने की बजाये फुर्ती से उठा और सिर की भरपूर टक्कर उसकी छाती पर दे मारी बाण्ड उछल कर दूर जा गिरा।

वह पूरी ताकत के साथ दीवार की तरफ भागा। बाण्ड जब निकट पहुँचा तो वह दूसरी तरफ कूद चुका था।

बाण्ड उसे किसी भी हालत में छोड़ना नहीं चाहता था, क्यों कि उसे पूर्ण विश्वास था कि वह उसी दल का व्यक्ति है, जिसकी उसे खोज है। दीवार फांद कर वह भी दूसरी तरफ कूद गया। एक काले साये को उसने काफी दूरी पर भागते हुए देखा।

बाण्ड भी उसकी तरफ लपका, लेकिन निकट पहुँचने से पहले ही वह किनारे खड़ी कार में बैठ गया। जब वह उस जगह पहुँचा तो कार काफी दूर निकल गई थी।

बाण्ड हाथ मलकर रह गया। उसने इधर उधर नजर दौड़ाई लेकिन कोई भी कार आस-पास आती दिखाई नहीं दे रही थी। अफसोस की बात तो यह थी कि अन्धेरा होने के कारण वह कार की नम्बर प्लेट भी नहीं पढ़ सका था।

वह वापस लौट गया। फाटक के करीब पहुँच कर वह ठिठक कर रुक गया और उस तरफ देखने लगा जहां रोमा छुपी थी। लेकिन इस समय वहां कोई भी नहीं था। उसे समझ नहीं आया कि रोमा वहां क्यों छुपी थी, कहीं ऐसा तो नहीं कि वह उसे तब तक के लिये बाहर रोक लेना चाहती थी, जब तक नकाबपोश अपना काम न कर ले।

यह विचार आते ही उसकी आँखें चमकने लगीं। उसके मस्तिष्क में बार-बार रोमा शब्द गूंजने लगा, जिसके रहस्य का अब उसे पता लगाना था।

वह अपने कमरे में पहुँचा। कमरे की सिर्फ एक दराज खुली हुई थी, जिससे स्पष्ट होता था कि नकाबपोश ने तलाशी शुरू की ही थी कि वह पहुँच गया।

तभी वह चौंक उठा, फोन की घण्टी बज रही थी।

'हैलो जेम्स !' मधुर स्वर उभरा।

'आप कौन है ?'

'मुझे नहीं पहचानते। मैं वही हूँ जिसे कमरे में कत्ल कर दिया गया था—लेडी गेजपो।

'तुम ?'

'हां।' फिर इस तरह अट्टहास का स्वर गूंजा, जैसे घण्टियां बजी हो। उसके बाद रिसीवर रख दिया गया।

बाण्ड ने जल्दी से टेलीफोन एक्चेन्ज का नम्बर घुमाया। पूछने पर मालूम हुआ पब्लिक टेलीफोन बूथ से फोन किया गया था।

बाण्ड हैरत में रह गया, जो औरत मर चुकी थी, उसने उसे फोन किया था। क्या लेडी गेजपो जीवित है···। बाण्ड का दिमाग चकराकर रह गया।

उसने बोतल निकाली और कार्क खोलकर होंठों से लगा ली। थोड़ी व्हिस्की हल्क में उतारने के बाद उसने गहरी सांस ली और सिगरेट होंठों से लगाकर सुलगाने लगा।

फिर ढेर सारा धुंआ छोड़ते हुए उस केस के बारे में सोचने लगा, जिस पर उसे नियुक्त किया गया था। वह हर कोशिश करके थक चुका था, लेकिन अभी तक कोई सूत्र उसके हाथ नहीं

एम० ने आज उसे फिर चेतावनी दी थी। उसने निश्चय कर लिया था अगर उसे इस केस में असफलता मिली तो वह इस्तीफा दे देगा और अपना बाकी का जीवन स्विटजर लैण्ड में जाकर गुजार देगा।

तभी वह फिर चौंक उठा, फोन की घन्टी बज रही थी।

'हैल्लो ! जेम्स बाण्ड स्पीकिंग।' वह रिसीवर उठा कर

बोला।

'कैसे हो जेम्स !' फिर मधुर स्वर में पूछा गया। लेकिन इस बार स्वर पहले से भिन्न था।

'आपकी तारीफ ?'

'मैडम एलर्टो ! बारली की पार्टी में तुमसे मुलाकात हुई थी, क्या मुझे भूल गये ?'

बाण्ड आश्चर्य के सागर में डूब गया। क्योंकि एलर्टो भी मर चुकी थी।

'लगता है—सोच के सागर में डूब गये हो।' उधर से हल्का सा अट्टहास लगाया गया। सोचो, गुड नाइट, मुझे नींद आ रही थी।

बाण्ड ने इस बार भी एक्सचेंज से मालूम किया तो उत्तर मिला कि फोन प्राईवेट टेलीफोन बूथ से किया है। बाण्ड का जबड़ा कस गया, उसे कुछ भी समझ नहीं-आ रहा था।

●●●

राकी ने शीशे के सामने खड़े होकर देखा—'उसका होंठ कट गया था। जिस्म के और भी अंगों में पीड़ा हो रही थी। अगर व भाग न निकलता तो शायद बाण्ड उसे गिरफ्तार कर लेता।

वह समझ चुका कि अकेले वह कुछ नहीं कर सकेगा। अगर प्रोफेसर ने अब भी उसकी सहायता न की तो शायद वह मौत से बच नहीं सकेगा।

तभी टोनी कमरे में प्रविष्ट हुआ। उसे देखते हुए उसने

पूछा—'क्या बात है, बहुत निराश नजर आ रहे हो ?'

'आज बाण्ड की कोठी पर गया था। लेकिन मार खाकर भाग आया हूँ, लगता है अब मुझसे कुछ नहीं होगा।'

'प्रोफेसर को होश में लाओ, वह बहुत बुद्धिमान व्यक्ति है।'

'उस नशेड़ी को शायद भगवान ही आकर होश में ला सकता है, लेकिन मुझे विश्वास नहीं कि वह नशेड़ी बुद्धिमान भी होगा।'

'तुम गलत सोच रहे हो।'

'फिर सही क्या है, तुम मुझे बताओ। प्रोफेसर हमेशा नशे में क्यों डूबा रहता है ?'

'टोनी कुछ क्षण सोचता रहा। फिर बोला—'हमारे दल में प्रोफेसर हेम्डिज ही एक ऐसा मात्र वैज्ञानिक है। उन्हें जबरन दल में शामिल किया गया है। अगर वह होश मे रहते तो कभी भी हमारे लिये काम करने के लिये तैयार न होते। मैडम के कहने पर ही प्रोफेसर को नशे की आदत डाली गई थी।'

'क्या उसने दल के लिये कोई काम किया है ?'

'हां! अपने वैज्ञानिक संयन्त्रों द्वारा वह दो बार दल को फायदा पहुँचा चुका है। यह उस समय का है, जब जर्मनी फौजें मित्र राष्ट्रों को खदेड़ती जा रही थी, हिटलर का भय चारों तरफ छाया हुआ था। मित्र देशो के सैंकड़ों वैज्ञानिक में से एक वैज्ञानिक प्रोफेसर हेम्डिज भी थे, जिन्होंने अपने संयन्त्रों द्वारा दुश्मन के रहस्य प्राप्त किये और मित्र देशों के लिये आगे बढ़ने का रास्ता खोला।

राकी अचरज से सुनता रह गया। प्रोफेसर इतना होगा, उसे मालूम नहीं था।

'राकी!' कुछ क्षण रुकने के बाद टोनी बोला—'जरा सोचो! मैडम कभी भी गलत निर्णय नहीं लेगी। अगर मैडम ने प्रोफेसर को नियुक्त किया है तो इसमें भी कोई खास कारण

होगा। यह बात तो तुम्हें पहले ही सोचनी चाहिए थी।

'तुम ठीक कहते हो टोनी! लेकिन प्रोफेसर को काम करने के लिये किस प्रकार तैयार किया जाये ?'

'प्रोफेसर को होश में लाने की कृपा करें। अगर तुम कोई उपाय नहीं कर सकते तो किसी डाक्टर को दिखाओ। होश में आने के बाद ही प्रोफेसर काम कर सकेगा।

राकी ने इस तरह सिर हिलाया जैसे सब कुछ समझ गया हो। टोनी चला गया।

राकी इसी कोशिश में लगा हुआ था कि प्रोफेसर को होश में ले आये। लेकिन उसे खुद सफलता नहीं मिली थी। जैसे-जैसे दिन बीतते जा रहे थे, उसकी जान सूखती जा रही थी।

आज का दिन मिला कर चार दिन बाकी थे। वह प्रोफेसर को **डाक्टर** के पास ले आया।

'डाक्टर साहब!' वह बहुत याचना भरे स्वर में बोला—'इन्हें किसी तरह होश में लाईये, अन्यथा मैं तबाह हो जाऊंगा।'

'तुम्हारा इनसे क्या रिश्ता है ?'

राकी हड़बड़ा कर डाक्टर की तरफ देखने लगा। फिर सिर को खुजलाते हुए बोला—'यह मेरे फादर हैं।'

डाक्टर ने प्रोफेसर की जांच की, फिर बोला—'इनके खून तक में नशा समा गया है।'

'कुछ भी कीजिये डाक्टर, इन्हें पूर्ण रूप से होश आना है।'

'मैं दवा दे देता हूँ, आप इन्हें घर ले जाकर खिलाईयेगा।

जब इनका नशा टूट जाये तो गुनगुना पानी पिलाईये ।'

'ठीक है !'

'डाक्टर ने दवा दे दी । राकी उन्हें घर ले आया । वह लाल व हरे रंग की गोली थीं ।

'डाक्टर ! इसे खा लीजिये ।'

'यह क्या है ?'

'इसमें वह नशा है, जो आपने कभी में नहीं पाया होगा ।'

'दो !' प्रोफेसर ने गोली ली और पानी के साथ निगल गया ।

गोली खाने के कुछ क्षणों बाद ही उसकी आंखें बन्द होने लगी । वह पलंग पर लेट गया । राकी प्रोफेसर के चेहरे को ध्यान से देख रहा था । जिस पर पीड़ा के चिन्ह उभरने लगे थे । राकी समझ गया, गोली ने अपना असर दिखाना शुरु कर दिया है ।

'प्रोफेसर ! आपकी तबियत कैसी है ?'

'लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला । चेहरे पर पीड़ा के चिन्ह बढ़ते जा रहे थे । लेकिन आश्चर्य की बात थी कि वह तड़प नहीं रहे थे ।

प्रोफेसर को ऐसा अनुभव हो रहा था जैसे उसके प्राण जा रहे हो । उसे ऐसा लगा जैसे वह जिन्दा नहीं रह सकेगा, किसी भी क्षण उसके प्राण निकल सकते हैं ।

समय धीरे-धीरे आगे बढ़ता गया । प्रोफेसर को एकाएक ऐसा लगा, जैसे वह गहरे कुंए में गिरते जा रहे हो । फिर वह बेहोश हो गये । चेहरे पर पीड़ा के चिन्ह मिटते जा रहे थे ।

राकी ने चैन की सांस ली । कम्बल उढ़ा कर वह बाहर निकल आया । प्रोफेसर के लिए रात भर सोना आवश्यक था । सवेरा होते ही राकी कमरे में पहुंच गया । प्रोफेसर करवट बदल

रहे थे । फिर उन्होंने आंखें खोल दीं ।

गुड मार्निंग प्रोफेसर !

प्रोफेसर कुछ नहीं बोले, टुकर-२ उसे देखते रहे ।'

'अब आप की तबियत कैसी है ?'

प्रोफेसर ने उठने की कोशिश की, लेकिन कराह कर पलंग पर गिर पड़े ।'

'नौजवान ! तुम कौन हो, मैं कहां हूं ।' प्रोफेसर ने क्षीण स्वर में पूछा ।

राकी समझ गया——प्रोफेसर का नशा टूट गया है । लेकिन इसके साथ ही वह उस दौरान की बातें भूल गए हैं, जब वह नशे में हुआ करते थे ।

'आपको कुछ भी याद नहीं प्रोफेसर !'

'नहीं ! कुछ सोचता हूं तो मेरा दिमाग फटने लगता है, मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं कई सदियों के बाद सोकर उठा हूं ।'

उसने गहरी सांस ली, फिर बोला——'मैं राकी हूं ।' आप प्रोफेसर हेम्डिज टोन हैं । इस समय आप मैडम के अड्डे पर हैं ।

'मैडम···अड्डा···मैं कुछ समझा नहीं ।'

राकी सोचने लगा, अगर प्रोफेसर की बुद्धि शिथिल पड़ गई तो क्या होगा । कुछ क्षण वह प्रोफेसर को देखता रहा, फिर बोला——'मैं आपको सब कुछ बताता हूं, शायद आपको याद आ जाये ।

कहने के बाद राकी ने एक सिगरेट सुलगाई, फिर दो कश लगाने के बाद बोला——'आप आज से कुछ महीने पहले बिलकुल स्वस्थ व बुद्धिमान वैज्ञानिक थे । आपकी एक बेटी भी थी मिस रोमला ।'

'हां ! मुझे याद आया, मेरी बच्ची कहां है ?'

'आप के गुम हो जाने के बाद वह कुछ दिन काफी परेशान

रही, फिर एक दिन पेरिस के व्यापारी के साथ ब्याह करके उसी के साथ चली गई।

'ओह गॉड, मेरी बच्ची को सुखी रखना।'

'वह सुख का जीवन व्यतीत कर रही है।' राकी ने फिर कश लगाये और ढेर सारा धुआं उगलने के बाद बोला—'मैडम ने ब्रिटेन में एक दल की स्थापना की है, जो गैर कानूनी काम करता है, आप और मैं उसी दल के सदस्य हैं।'

'मैडम कौन हैं ?'

'मैडम एक रहस्य है, उसके बारे में आज तक कोई भी नहीं जान सका, लेकिन उसका स्वर इतना मधुर है कि आदमी की इच्छा होती है वह उसका स्वर सुनता रहे। बिना देखे ही मैं उससे प्यार करने लगा हूँ, उससे मैं अवश्य शादी करूंगा।'

'लेकिन मैं यहां कैसे पहुंचा ?'

'मैडम के आदमी ही आपको उठाकर लाये थे। आप दल में शामिल नहीं होना चाहते थे, इसलिये आपको नशीली दवाइयां का सेवन कराया जाने लगा। आप चौबीस घन्टे नशे में रहने लगे। आपके खून तक में नशा हो गया है। इस बीच आपने दल के लिये दो काम भी किये थे ? लेकिन अब तीसरा काम सौंपा गया है, जिसे करने के लिये आप कतई तैयार नहीं होते थे, इस लिये मैंने डाक्टर की सहायता से आपका नशा तुड़वाया। ईश्वर की बहुत मेहरबानी है कि आप होश में आ गये हैं।'

'लेकिन मैडम मुझसे कैसा काम लेना चाहती है ?'

'उसने हम दोनों को वह काम सौंपा है, अगर दस दिनों में वह काम पूरा नहीं हुआ तो हम दोनों को मौत के घाट उतार दिया जायेगा। सात दिन बीत गये हैं, आज आठवां दिन है मैंने भरसक कोशिश की लेकिन उस काम को पूरा न कर सका, जो हमें सौंपा गया था। मौत हमारे सिर पर मंडरा रही है।'

'किसी को मारना इतना आसान नहीं है।' प्रोफेसर ने शुष्क स्वर में कहा मैडम ने तुम्हें डराया होगा।'

'नहीं मैं मैडम को अच्छी तरह जानता हूं। दो घटनायें मेरे सामने पेश आई थी। दल के एक सदस्य ने गद्दारी की थी, उसे मैडम ने मौत के घाट उतरवा दिया था।

और दूसरा व्यक्ति उसकी मौत का दृश्य मैं आज तक नहीं भूल सका। उसका नाम रोमल था।

रोमल बहुत परेशान था, उसे एक जासूस को खतम करने का काम सौंपा गया था, जो किसी समय भी उनके रहस्य को पा सकता था। उसे तीन दिन का समय मिला था। एक बार वह होटल में टकरा चुका था लेकिन हलकी सी मुठभेड़ के बाद रोमल को भागना पड़ा था। क्योंकि वह भरे होटल में कत्ल नहीं करना चाहता था। दूसरे दिन वह उसे खोजता रहा, लेकिन उसका सुराग नहीं पा सका, जैसे वह अमीदोज हो गया हो।

आज तीसरा दिन था। रात के दस बजे तक अगर वह सफल हो कर मैडम के पास न पहुंचा तो···। आगे वह नहीं सोच सका; भयंकर मौत उसकी आँखों के सामने नाचने लगी।

वह सफल नहीं हो सका, उसने सोचा—वह मैडम और समय मांग लेगा। अतः वह साढ़े दस बजे हाल में पहुंचा। पारदर्शक दीवार के उस तरफ खाली कुर्सी पड़ी हुई थी। उसने सिर झुकाया और खाली कुर्सी पर बैठ गया। हाल में मौत जैसी खामोशी थी, उसका चेहरा पीला पड़ता गया।

'रोमल !' मधुर स्वर उभरा। उसे ऐसा लगा जैसे मैडम कुर्सी पर बैठी हुई उसे घूर रही है 'हमने तुम्हें जो काम सौंपा था, क्या वह पूरा हो गया ?'

'मैडम मैंने बहुत कोशिश की लेकिन सफल न हो सका।'

'मूर्ख !' मैडम गुर्राई —'तुम जानते हो, जो असफल होकर

आता है, उसे हम मौत की सजा देते हैं।'

राकी, टोनो, हेडली सबने देखा रोमल भय से कांप रहा है। वह लड़खड़ाते स्वर में बोला--'मैडम ! मुझे एक मौका और दिया जाये।'

'नहीं ! तुम्हारे जैसे नालायक के लिये हमारे दल में स्थान नहीं...।'

एकाएक कुर्सी पर बैठे-२ ही उसका गला शिकंजे में कस गया फिर सबने देखा--कुर्सी के हिस्सों से नोकीले हथियार निकले, जो उसके जिस्म को गोदते चले गये। देखते ही देखते उसके जिस्म के टुकड़े हो गये। वह जगह खून से नहा गई।

वहां बैठा हर एक सदस्य भय से कांप उठा।

●●●

राकी उक्त घटना सुनाने के बाद खामोश हो गया। उसका चेहरा भय से पीला पड़ गया था।

प्रोफेसर कुछ क्षरण उसे निहारते रहे, फिर बोले--'मैडम सचमुच जालिम है, लेकिन मैं बूढ़ा हो चुका हूं, मौत से नहीं डरता। अतः कोई भी गैर कानूनी कार्य करने के लिये मैं तैयार नहीं हो सकता।'

राकी के चेहरे का रंग फक पड़ गया।

मैं बूढ़ा हो गया हूं, मुझमें जिस्मानी ताकत नहीं है, इसलिये-दल से अलग नहीं हो सकता लेकिन बेटे तुम तो नौजवान हो, ऐसे दल क्यों टिके हुये हो, दल को नष्ट करने की कोशिश करते हुये भाग क्यों नहीं निकलते।

भाग निकलना मुमकिन नहीं, मैडम दुनिया के किसी भी

कोने से मुझे तलाश करके खत्म कर सकती है। लेकिन इस दल को खत्म करने का विचार मेरे दिल में भी है। मैं मैडम से शादी करना चाहता हूं, शादी के बाद मैं खुद इस दल को तोड़ने की कोशिश करूंगा।'

प्रोफेसर के होठों पर हल्की सी मुस्कराहट थिरक उठी। वह बोले--'शायद तुम इस तरह दल को नष्ट न कर सको, लेकिन मैं अवश्य मैडम से बदला लूंगा, क्योंकि उसने मेरे जीवन को नरक बना दिया है।'

'मैं भी आपकी सहायता करूंगा। प्रोफेसर, लेकिन इस समय हमारे सामने जो समस्या है, उसे सुलझाना तो आवश्यक है आज का दिन मिला कर हमारे पास तीन दिन है, अगर हम सफल न हुये तो हमारा परिणाम भी रोमल की तरह हो सकता है।'

'तुम मुझे वह काम बताओ जो हमें सौंपा गया है ?'

ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस जिस अभियान पर भी अपने जासूस को नियुक्त करती है, हम उस अभियान को असफल बनाते हुये उस को समाप्त कर देते हैं। कुछ दिन हुये हैं ब्रिटिश सरकार ने किसी भी अभियान पर कोई जासूस नियुक्त नहीं किया। शायद हमारे विरुद्ध जाल रचा जा रहा है।

एक व्यक्ति है जेम्स बाण्ड। वह खुले आम कहता है वह सीक्रेट एजेन्ट है, उसे अमुक मिशन पर नियुक्त किया गया है। वह इस बात का ढिंढोरा पीट रहा है। मैडम व दल से पुराने सदस्यों का विचार है कि यह हम तक पहुंचने के लिये यह उसकी चाल है। मैडम चाहती कि हम पता लगायें कि क्या सचमुच जेम्स बाण्ड को हमें नष्ट करने के लिये नियुक्त किया गया है। मैं दो बार कोशिश कर चुका हूं, लेकिन असफल रहा हूं।

'मैडम उसे खत्म क्यों नहीं कर देती ?'

'इस तरह यह कभी भी मालूम नहीं हो सकेगा कि वह किस अभियान पर नियुक्त किया गया है।'

'ठीक है, मैं तुम्हें सोचकर बताऊंगा कि मैं क्या कर सकता हूँ।'

'एक बात का ध्यान रखियेगा प्रोफेसर कि हमारे पास समय नहीं है।'

'मैं जानता हूँ, लेकिन तुम भी ख्याल रखना कि बिना नशे के मैं एक लाश के समान हूँ।'

'लेकिन नशा तो आपके लिये जहर है।'

'मैं कुछ नहीं जानता अगर जहर से मेरी जिन्दगी बच जाती है तो मैं उसे भी पी लूंगा।'

राकी ने एक गहरी सांस ली और बाहर निकल गया। वह सोचने लगा अगर प्रोफेसर ने फिर नशा शुरु कर दिया तो वह फिर नाकाम हो जायेगा। उसे अपनी मौत फिर आंखों के सामने नाचती नजर आने लगी। वह सीधा डाक्टर के पास पहुँचा।

'आओ राकी !' डाक्टर ने उसका स्वागत किया—'तुम्हारे फादर कैसे हैं ?'

सब कुछ ठीक हो गया है डाक्टर, लेकिन नशा टूटने के बाद प्रोफेसर की हालत बहुत खराब हो गई।' वह उठ भी नहीं सकते।'

'डाक्टर कुछ क्षण के सोचता रहा, फिर बोला—'हमें एकदम से उनका नशा बन्द नहीं करना चाहिये, नशे की दिन में दो डोज उन्हें लो, वह रात तक ही स्वस्थ हो जायेंगे।'

'थैंक्यू डाक्टर !' राकी बाहर निकल आया।

प्रोफेसर को जब उसने नशे की पहली डोज दी तो वह प्रसन्न हो उठे। दो घन्टे बाद जब वह उनसे मिला तो उनकी हालत

सुधरी हुई थी। दूसरी डॉज देने के दो घण्टे बाद वह पचहत्तर प्रतिशत स्वस्थ हो गये।

'प्रोफेसर, शायद अब आप काम करने के योग्य हैं ?'

'हां।'

'तो कोई उपाय सोचिये।'

प्रोफेसर सोच में डूब गया।

● ● ●

बाण्ड बाहर जाने का विचार कर ही रहा था कि डाकिया आ गया।

'क्या लाये हो ?' बाण्ड ने पूछा।

'पार्सल। शायद किसी ने तोहफा भेजा है।'

बाण्ड ने दस्तखत करके तोहफा ले लिया और बैडरूम में आ गया। वह सोच रहा था कि तोहफा भेजने वाला कौन हो सकता है कि तभी पेनी अन्दर प्रविष्ट हुई।

'यह क्या है ?' पेनी ने पूछा।

'किसी ने तोहफा भेजा है, उसका पता नहीं लिखा, न जाने कौन है ?'

'जेम्स ! इसे ध्यान से खोलो, आजकल पार्सल में बम भी भेजे जा रहे हैं।'

बाण्ड का हाथ एकदम से रुक गया—'तुम ठीक कहती हो, मैं इसकी जांच करता हूँ। मुझे भी इसमें बम होने का शक हो रहा है।'

'मुझे पूर्ण विश्वास है, इसमें बम ही होगा। शायद उस दल ने भेजा हो, जिसको तलाश में तुम लगे हुए हो।'

बाण्ड यन्त्र ले आया और उसका बटन दबा दिया। हरा बिन्दु चमकने लगा, अगर लाल बिन्दु चमकने लगता तो उसमें बम होता।'

'हमारा शक गलत निकला।' बाण्ड बोला—'इसमें बम नहीं कुछ और ही है।'

पेनी खुद पार्सल को खोलने लगी। खुलते ही दोनों चौंक उठे।

'यह तो जापानी गुड़िया है।' पेनी उसे उलट-पलट कर देखती हुई बोली।

'हां। बहुत सुन्दर गुडिया है, शायद मिस ऐमिला ने यह तोहफा भेजा है। उसे इसी प्रकार अपने मित्रों को चौंकाने की आदत है।'

'मेरा भी यही विचार है, यह काम ऐमिला का है।' पेनी ने गुड़िया उस चौखटे में रख दी, जिसमें और भी शोपीस रखे थे।

'यह डॉल सबसे अलग व सुन्दर है।' बाण्ड बोला—'शायद लकड़ी की बनी है। एक हाथ में भाला पकड़ा है, ऐक्शन ऐसा है जैसे अभी मारने के लिये इस पर छलांग लगा देगी।'

पेनी हंस पड़ी फिर बोली—'सचमुच कमाल की गुड़िया है, खैर हमें देर हो रही है, चलो!'

बाण्ड ने उसे बांहों में भींचकर सुर्ख कोमल होठों का भरपूर चुम्बन ले लिया फिर बोला—'इच्छा हो रही है, आज का सारा दिन व रात बिस्तर पर ही गुजार दूं।'

'दिन नहीं, सिर्फ रात।' वह उसके होठों पर अदा से उंगली फिराती हुई बोली—'इस समय घूमने की इच्छा है।'

'ओ. के.!'

दोनों बाहर आ गये। घूमने के बाद उन्होंने फिल्म देखी। सैक्स एण्ड लव...।

फिल्म इतनी सैक्सी थी कि आस पास बैठे जोड़ों के हाथ

हरकत करने लगे थे। चुम्बन की ध्वनि बार-बार हाल की खामोशी को भंग कर देती थी।

फिल्म देख कर वह जब बाहर निकले तो कई मिनट चुप रहे।

'फिल्म कैसी लगी?' पेनी ने पूछा।

'अच्छी है, सैक्स व प्यार में अन्तर अच्छे ढंग से समझाया गया है।'

'फिल्म में यही बताया गया है न कि जहां प्यार होता है वहां सैक्स नहीं होता।'

'हां।'

'लेकिन प्यार सैक्स के बिना हो ही नहीं सकता। मर्द या औरत एक दूसरे के गुणों के अलावा सुन्दरता को भी देखते हैं, तो उत्तेजित हो उठते हैं। उनमें एक दूसरे से मिलने की इच्छा उत्पन्न होती है, इसके लिये उनके अन्दर सोया हुआ सैक्स ही उन्हें प्रेरित करता है। सैक्स न हो तो व्यक्ति प्यार कर ही नहीं सकता। दो प्रेमी जब मिलते हैं तो एक दूसरे की बांहों में समा जाते हैं। होठों से होंठ मिल जाते हैं, ऐसा भी तभी होता है जब सैक्स प्रेरित करता है। फिल्म में प्यार में सम्भोग को गलत बताया है। अगर प्रेमी एक दूसरे से लिपट कर एक-एक अंग को चूम लेते हैं तो सैक्स से प्रेरित होकर वह सम्भोग क्रिया में भी रत हो सकते हैं। यह भूख हर युवक-युवती में होती है, मैं इसे बुरा नहीं मानती।'

'हमारी सभ्यता में इसे बुरा नहीं माना जाता, लेकिन एशियाई देशों में इसे बुरा माना जाना जाता है। यह फिल्म यहां दिखाने की बजाये एशियाई देशों में दिखाई जाती तो ज्यादा अच्छा था।'

इसके बाद उनमें कोई बात नहीं हुई। बाण्ड एकाएक चौंक

उठा। उसने रोमा को देखा था, जिसने जारली से तलाक ले लिया था। बाण्ड को न जाने क्यों वह संदिग्ध नजर आ रही थी, अतः उसने जारली से मिलने का निश्चय किया।

'अब कहां जा रहे हो ?' पेनी ने पूछा।

'जारली से मिलने। रोमा के बारे में जानकारी एकत्रित करना चाहता हूँ।'

'क्यों ?'

'एक तो उसने जारली से तलाक ले लिया है, इसके अलावा वह उस रात मुझे मिली थी, जब एक नकाबपोश मेरी कोठी में दाखिल हुआ था। मेरी कोठी के पास वह क्यों घूम रही थी। यह बात मैं आज तक नहीं समझ सका।'

'ठीक है, जारली से मिलने के बाद हम कोठी चलेंगे !'

●●●

'प्रोफेसर कोई उपाय समझ में आया ?'

'हां। हम बड़ी आसानी से प्रमाण एकत्रित कर लेंगे।'

'लेकिन कैसे ?'

'मेरे पास डेडली डॉल है, वह हमारा सारा काम हल कर देगी।'

'डेडली डॉल ! एक डॉल हमारा काम कैसे कर देगी ? मैं समझा नहीं।'

'वह आश्चर्यजनक डॉल मेरी ईजाद है। दूसरे विश्वयुद्ध में मैंने उससे काम लिया था, वह बहुत सफल रहा था। एक डॉल अब भी मेरे पास मौजूद है। आओ तुम्हें दिखाऊं।'

प्रोफेसर उसे दूसरे कमरे में ले गया। दीवार में लगा एक

बटन दबाते ही काफी बड़ा रिक्त स्थान उत्पन्न हो गया। उस रिक्त स्थान को देखते ही राकी की आँखें आश्चर्य से फैल गई।

वह पूरा एक कन्ट्रोल सैन्टर था। एक जगह डैश-बोर्ड लगा था, जिसमें रंग बिरंगे कई बटन लगे थे। छोटी-छोटी दो टेलीविजन स्क्रीन सामने फिट थी। दो तरफ शीशे की कई नलिया लगी थीं, जिनमें रंगीन द्रव भरा था। शायद एक नली में पारा भी था।

एक तरफ एक जापानी गुड़िया खड़ी थी, जिसने एक हाथ में भाला पकड़ा था।

प्रोफेसर उसे उठाते हुए बोला—'यही डेडली डॉल है। इसके पेट में तुम्हें जो लाल बिन्दु नजर आ रहा है, यह टेलीविजन आँख है। इस गुड़िया को दो सौ किलोमीटर के इलाके में हम कहीं भी भेज दें, वहां का दृश्य हमारी स्क्रीन पर आ जायेगा।

इसकी दोनों आँखों में कैमरे फिट हैं, प्रमाण के लिये हमें जिस वस्तु की भी तस्वीर लेनी होती है इन कैमरों से लेते हैं। इसकी आँख में रील अपने आप तैयार होती है। जेम्स इसके हाथ में जो भाला पकड़ा है, उसकी नोक साईनामाईड में डूबी हुई है। भाले के जरा से स्पर्श से ही व्यक्ति मर जाता है। इसे हम पार्सल द्वारा जेम्स बान्ड के पास भेज देंगे।'

राकी की आँखें फैलती जा रही थी। ऐसा आश्चर्यजनक आविष्कार उसने जीवन में कभी नहीं देखा था, जिस प्रोफेसर को वो सिर्फ नशेड़ी व निकम्मा समझ रहा था, वह इतना काबिल होगा, उसने कभी सोचा ही नहीं था।

'प्रोफेसर आप इसे कन्ट्रोल कैसे करते हैं ?'

'अणु तरंगों द्वारा। दूसरे विश्व युद्ध में मैंने इसे कैसे प्रयोग किया था, तुम्हें बताता हूँ।'

● ● ●

युद्ध की आग यूं तो सारी दुनिया में भड़क उठी थी, लेकिन जो तबाही योरूप में हो रही थी, ऐशिया में नहीं थी। योरूप में चारों तरफ युद्ध की लपटें उठ रही थीं। रात दिन हिटलर व मित्र राष्ट्रों की फौजों में टकराव हो रहा था। हिटलर की फौजें आगे बढ़ती जा रही थीं। मित्र राष्ट्र बोखलाये हुए थे।

हिटलर के पास ऐसे वैज्ञानिक थे, जो मित्र राष्ट्र की सेनाओं के रहस्य प्राप्त कर लेते थे, लेकिन मित्र राष्ट्रों के पास इतने अच्छे वैज्ञानिक नहीं थे। उन्हीं दिनों इस काम के लिये प्रोफेसर डेमिज को नियुक्त किया गया। प्रोफेसर ने डेडली डॉल ईजाद की।

नीचे टैंक व तोफें आग उगल रही थीं। दोनों तरफ के वायुयान आसमान में युद्ध कर रहे थे। सैनिक मर रहे थे, विमान टूटकर व जलकर नीचे गिर रहे थे। एक खोजी विमान दुश्मन की सीमा में प्रविष्ट हो गया। उसे खास तौर से डेडली डॉल गिराने के लिये भेजा गया था।

ब्रिगेडियर के खेमे के पास ही उसने डॉल गिरा दी और तेजी से वापस लोट पड़ा, क्योंकि दुश्मन के विमान उसके पीछे लग चुके थे। उन्हें डाज देकर वह अपनी सीमा में आ गया।

सवेरे जर्मन ब्रिगेडियर कैप्टेन के साथ टहलने के लिये बाहर निकला। एकाएक उसकी नजर जमीन पर पड़ी सुन्दर गुड़िया पर गई। वह इतनी सुन्दर थी कि झुककर उसने उसे उठा लिया।

'कैप्टन! इस गुड़िया को मेरे खेमे में पहुंचा दो, बहुत सुन्दर

गुड़िया है।'

कैप्टन ने आदेश का पालन किया। उसने मेज पर गुड़िया को रख दिया।

प्रोफेसर अपनी सीमा के अन्दर खेमे में बैठा था, यहां पूरा कन्ट्रोल सैक्शन बना था।

डैश-बोर्ड का एक बटन दबाते ही स्क्रीन रोशन हो उठी। उस पर खेमे का दृष्य उभरने लगा। ब्रिगेडियर उस समय सो रहा था। दूसरा बटन दबाते ही गुड़िया अपनी जगह से हिली। वह इस तरह चल रही थी, जैसे कोई आदमी चल रहा है।

चलते हुए वह दराज के निकट आ गई। दराज को उसने खोला और एक फाईल निकालकर उसे देखने लगी। पेट में लगी टेलीफोन आँख द्वारा प्रोफेसर सब कुछ देख रहा था। एकाएक उसकी आँखें चमक उठीं। उसने दूसरा बटन दबा दिया। आँख में फिट कैमरा चालू हो गया। उस फौजी रहस्य की फिल्म बनने लगी।

सारी रात इसी तरह गुड़िया खेमे की तलाशी लेती रही। सवेरा होने से पहले वह चलती हुई उसी जगह पर आकर खड़ी हो गई, जहां पहले खड़ी थी। उस रील को अच्छी तरह प्रोफेसर ने दूसरी स्क्रीन पर देख लिया था। जिसे उसने हूबहू उतार लिया था।

सवेरे जब ब्रिगेडियर की आँख खुली तो गुड़िया अपनी जगह पर खड़ी थी।

उसी रात हिटलर के फौजी अधिकारी बोखला उठे, क्योंकि मित्र राष्ट्रों ने उस गुप्त रास्ते पर विमानों द्वारा हमला बोल दिया था, जहां से रसद व कुमुक आती थी। सप्लाई लाईन कट जाने के कारण हिटलर की उस इलाके में एकत्रित फौज कमजोर हो गई।

मित्र राष्ट्रों ने फौज पर हमला कर दिया। हिटलर की फौज के पैर उखड़ गये। डेडली डॉल ने बहुत कारनामा अन्जाम करके दिखाया था।

●●●

'प्रोफेसर !' सुनने के बाद राकी भर्राये स्वर में बोला—'आप सचमुच महान हैं। ऐसा आविष्कार सिर्फ आप ही कर सकते हैं, अब मुझे पूर्ण विश्वास हो गया है कि हम अपने अभियान में सफल होंगे।'

प्रोफेसर मुस्कराकर रह गये, फिर बोले—'मैं अपनी महानता का जिक्र सुनना पसन्द नहीं करता, आगे से ऐसा कोई जिक्र मत करना, समझे !'

'समझ गया।'

'अब इस गुड़िया को ले जाओ और जेम्स बाण्ड को पार्सल करा दो।'

राकी गुड़िया लेकर बाहर निकल गया। प्रोफेसर के सामने वह खुद को बहुत छोटा अनुभव कर रहा था।

मैडम का ध्यान फिर उसके जहन में आ गया। उसका दिल तेजी से धड़कने लगा। उसे अब पूर्ण विश्वास हो गया था कि इस अभियान की सफलता के बाद वह मैडम तक पहुँचने में सफल हो जायेगा। अपनी प्रेमिका को वह देख सकेगा, जो शायद दुनिया में सबसे ज्यादा सुन्दर होगी। वह खुद ही जब उसे बांहों में भर कर चूमेगी तो वह उसे दिल खोल कर प्यार करेगा, फिर वह शादी से इन्कार नहीं कर सकेगी।

इसी प्रकार सपने देखता हुआ वह बाहर निकल गया।

यही पार्सल था, जो जेम्स बाण्ड को प्राप्त हुआ था। बाण्ड को सपने में भी ख्याल नहीं आ सकता था कि वह जिसे पीस समझ रहा है, वह भयंकर गुड़िया है, जो उसे मौत के घाट भी सकती है।

●●●

जारली ने दोनों का स्वागत किया। जब वह कुर्सियों पर बैठ गये तो उसने बोतल खोल दी।

तीनों गिलासों में डालने के बाद जारली ने पूछा—'आज बहुत दिनों बाद दिखाई दिये हो।'

'शुक्र करो दिखाई दे गया है।' पेनी मुस्करा कर बोली—'अन्यथा यह तो शर्म से सिर छिपाता फिर रहा है।'

'क्यों ?'

'एक कानी लड़की ने इसे आँखें मार दी थीं।'

जारली खिलखिला कर हँस पड़ा। पेनी ने भी हँसी में साथ दिया, लेकिन बाण्ड मुस्कराता रहा।

थोड़ी सी व्हिस्की हलक में उतारने के बाद बाण्ड ने पूछा—'मैं तो यही सोचकर आया था कि तुम बहुत उदास होगे, लेकिन यहां तो मैं तुम्हें प्रसन्न देख रहा हूँ।'

'मैं क्यों उदास होने लगा ?'

'रोमा मिली थी, उसी ने बताया था कि वह तुमसे तलाक ले चुकी है !'

'हां ! यह बात सत्य है, लेकिन मैं इस तलाक से बहुत खुश हूँ, अगर मुझे पहले मालूम होता कि रोमा कामुक औरत है तो मैं उससे कभी शादी ही न करता।'

मित्र राष्ट्रों ने फौज पर हमला कर दिया। हिटलर की फौज के पैर उखड़ गये। डेडली डॉल ने बहुत कारनामा अन्जाम करके दिखाया था।

● ● ●

'प्रोफेसर !' सुनने के बाद राकी भर्राये स्वर में बोला—'आप सचमुच महान हैं। ऐसा आविष्कार सिर्फ आप ही कर सकते हैं, अब मुझे पूर्ण विश्वास हो गया है कि हम अपने अभियान में सफल होंगे।'

प्रोफेसर मुस्कराकर रह गये, फिर बोले—'मैं अपनी महानता का जिक्र सुनना पसन्द नहीं करता, आगे से ऐसा कोई जिक्र मत करना, समझे !'

'समझ गया।'

'अब इस गुड़िया को ले जाओ और जेम्स बाण्ड को पार्सल करा दो।'

राकी गुड़िया लेकर बाहर निकल गया। प्रोफेसर के सामने वह खुद को बहुत छोटा अनुभव कर रहा था।

मैडम का ध्यान फिर उसके जहन में आ गया। उसका दिल तेजी से धड़कने लगा। उसे अब पूर्ण विश्वास हो गया था कि इस अभियान की सफलता के बाद वह मैडम तक पहुँचने में सफल हो जायेगा। अपनी प्रेमिका को वह देख सकेगा, जो शायद दुनिया में सबसे ज्यादा सुन्दर होगी। वह खुद ही जब उसे बांहों में भर कर चूमेगी तो वह उसे दिल खोल कर प्यार करेगा, फिर वह शादी से इन्कार नहीं कर सकेगी।

इसी प्रकार सपने देखता हुआ वह बाहर निकल गया।

यही पार्सल था, जो जेम्स बाण्ड को प्राप्त हुआ था। बाण्ड को सपने में भी ख्याल नहीं आ सकता था कि वह जिसे पीस समझ रहा है, वह भयंकर गुड़िया है, जो उसे मौत के घाट भी सकती है।

● ● ●

जारली ने दोनों का स्वागत किया। जब वह कुर्सियों पर बैठ गये तो उसने बोतल खोल दी।

तीनों गिलासों में डालने के बाद जारली ने पूछा—'आज बहुत दिनों बाद दिखाई दिये हो।'

'शुक्र करो दिखाई दे गया है।' पेनी मुस्करा कर बोली—'अन्यथा यह तो शर्म से सिर छिपाता फिर रहा है।'

'क्यों ?'

'एक कानी लड़की ने इसे आँखें मार दी थीं।'

जारली खिलखिला कर हंस पड़ा। पेनी ने भी हंसी में साथ दिया, लेकिन बाण्ड मुस्कराता रहा।

थोड़ी सी व्हिस्की हलक में उतारने के बाद बाण्ड ने पूछा—'मैं तो यही सोचकर आया था कि तुम बहुत उदास होंगे, लेकिन यहां तो मैं तुम्हें प्रसन्न देख रहा हूँ।'

'मैं क्यों उदास होने लगा ?'

'रोमा मिली थी, उसी ने बताया था कि वह तुमसे तलाक ले चुकी है !'

'हां ! यह बात सत्य है, लेकिन मैं इस तलाक से बहुत खुश हूँ, अगर मुझे पहले मालूम होता कि रोमा कामुक औरत है तो मैं उससे कभी शादी ही न करता।'

'मैं समझा नहीं ?'

'दो रातें जब वह गायब रही तो मैंने एक बार उसका पीछा किया। वह एक बदनाम आदमी के फ्लैट में दाखिल हुई थी। दोनों जब एक दूसरे की बांहों में समा गये तो मैं सब समझ गया।

सवेरे जब वह घर लौटी तो मैंने उससे पूछा। उसने बताया कि वह अपने एक फ्रेन्ड की बर्थ डे पार्टी अटैन्ड कर रही थी।

'लेकिन वहां तो उस बदनाम व्यक्ति शरीक के अलावा कोई नहीं था। यह क्यों नहीं कहती कि तुम उसके पलंग की शोभा बनी हो।'

'हां! तुम ठीक कहते हो!'

'मगर क्यों, मुझमें कुछ कमी है?'

'तुमसे मेरी इच्छा भर गई है, मैं टैस्ट बदलती रहना ज्यादा पसन्द करती हूँ।'

'लेकिन मैं इसे पसन्द नहीं करता। शादी से पहले मैं कई लड़कियों से मिलता था, लेकिन शादी के बाद मैंने तुम्हारे अलावा किसी को नहीं छुआ।'

'मैं यह सब कुछ नहीं जानती। हमारी विचार धारायें नहीं मिलतीं, इसलिये हमें एक दूसरे से तलाक ले लेना चाहिए।'

जारली ने गहरी सांस ली, फिर बोला—'इस तरह तलाक हो गया।'

'क्या वह हमेशा बदनाम व्यक्तियों से ही मिलती है?'

'मैंने उसे बाद में भी देखा है, कोई भी शरीफ आदमी उस का दोस्त नहीं। बाण्ड वह मुझे अच्छी औरत नजर नहीं आती ऐसा लगता है मुझसे शादी उसने खास कारण से की थी।'

'क्या कारण हो सकता है?'

'अभी मैं पता नहीं लगा सका।'

बाण्ड ने गिलास होंठों से लगा लिया। इसके बाद उनमें कोई बात नहीं हुई। वह दोनों उससे विदा लेकर कोठी की तरफ चल पड़े। बाण्ड कार चला रहा था।

रास्ते में बाण्ड चौंककर बोला—'पेनी...वह देखो मैडम एलर्टा!'

'कहां?'

'अगली कार में, जो अभी-अभी हमारे पास से निकल कर गई है।' कहने के साथ ही बाण्ड ने कार की गति बढ़ा दी।

आगे चौक था। बाण्ड को कार रोक देनी पड़ी, क्योंकि वह देख नहीं सका था कि अगली कार किधर गई है।

तभी एक और कार उसके निकट आकर रुक गई। उसमें से जो व्यक्ति उतरा उसे देखकर दोनों चौंक उठे। वह भगत था।

'भगत...तुम यहां कैसे?' पेनी ने पूछा।

'किसी सुन्दर औरत को तलाश कर रहा हूँ।'

'क्यों?'

'मेरा पलंग सूना पड़ा है, अब तो जब भी कमरे में जाता हूँ चीख उठता है—'अकेले नहीं, दुकेले होकर आओ! मैं उल्टे पांव वापस लौट आता हूँ।'

बाण्ड व पेनी दोनों मुस्करा उठे।

'आजकल धन्धा कैसा चल रहा है?' बाण्ड ने पूछा।

'धन्धे को तो फंदा पड़ गया है, जिसकी जेब में हाथ डालता हूँ एल. एस. डी. की गोलियां या अफीम का पैकेट निकल आता है। किसी औरत का पर्स उड़ाता हूँ तो उसमें दर्जन दो दर्जन से कम ऐफल (फ्रेन्चलेदर निरोध) नहीं निकलते, नोट न होने के बराबर।'

भगत ने कुछ इस ढंग से दुखी होकर कहा था कि पेनी

खिलखिलाकर हंस पड़ी। बाण्ड मुस्करा रहा था।

'तुम लोग खुश हो लो, लेकिन मैं बहुत दुखी हूं। न लड़की है, बिल्कुल कड़की है।'

'इस तरफ क्यों आये थे?' बाण्ड ने पूछा।

'एक सुन्दर सी औरत का पीछा कर रहा था। इतनी सुन्दर थी कि मेरी आंखें बरबस उसके चेहरे पर जम कर रह गईं। इसके साथ मैं आश्चर्य में डूबता चला गया।'

'क्यों?'

'क्योंकि वह कब्रिस्तान की दीवार फांदकर बाहर कूदी थी। दूसरा कारण उसकी शक्ल मैडम ऐलर्टा स मिलती थी, जिसकी, जारली की कोठी में हत्या हुई थी। चुड़ैलें मैंने कई देखी थीं लेकिन इतनी सुन्दर चुड़ैल कभी नहीं देखी थी। इसलिए उसके पीछे चला आया, शायद वह एक रात को दुल्हन बनने के लिए तैयार हो जाये।'

'क्या सचमुच वह कब्रिस्तान की दीवार फांदकर बाहर निकली थी?' बाण्ड ने पूछा।

'हां! मैंने इन दोनों आंखों से देखा था।'

बाण्ड सोच में पड़ गया। गुत्थी और भी उलझती जा रही थी।

'अब तुम कहां जाओगे?'

'सारी रात उसे तलाश करूंगा, अगर नहीं मिलेगी तो सवेरे घर पर जाकर सो जाऊंगा।'

पेनी मुस्करा दी, फिर बोली—'तुम उसे तलाश करते रहो। हम चलते हैं।

बाण्ड ने कार को गति दे दी, भगत ओझल होने तक कार को देखता रहा।

●●●
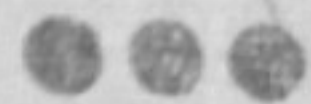
दोनों बैड रूम में आ गये। बाण्ड कपड़े उतारता हुआ बोला, 'पेनी! पैग तो बनाना।'

पेनी ने अलमारी से बोतल निकालकर दो पैग बनाये। एक बाण्ड की तरफ बढ़ा दिया। दूसरा पैग उठाकर उसने होंठों से लगा लिया।

थोड़ी सी व्हिस्की हलक में उतारने के बाद वह भी कपड़े उतारने लगी, बाण्ड ने पैग खाली किया और उसे गोद में खींच लिया। पेनी ने बाण्ड के गले में बांहें डाल दीं, बाण्ड ने उसे छाती से भींच लिया और होंठों पर होंठ रख दिये।

एक भरपूर चुम्बन लेने के बाद जब बाण्ड ने होंठ हटाये तो पेनी ने पूछा—'जिस केस में तुम्हें नियुक्त किया गया है, उसका कोई सूत्र अभी मिला?'

'नहीं! अभी कोई ऐसा सूत्र नहीं मिला, जिसके सहारे मैं आगे बढ़ सकूं।' एम० ने मुझे इस को नष्ट करने के लिए पन्द्रह दिन की अवधि दी थी, जो पूरी होने वाली है।'

'मुझे तो ऐसा लगता है जैसे इस बार तुम असफल हो जाओगे।'

'जीवन में मेरा यह पहला केस है, जिसका अभी तक कोई सूत्र प्राप्त नहीं हुआ, अगर मुझे असफलता मिली तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।'

'क्या यह आवश्यक है?'

हां! मैं असफलता बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस्तीफा देने के बाद मैं स्विटजर लैण्ड चला जाऊंगा।'

'मेरे बारे में क्या सोचा ?'

तुम अपने विचारों की खुद मालिक हो।'

'तो सुनो। मैं भी इस्तीफा देकर तुम्हारे साथ स्विटजर लैंड में बस जाऊंगी।'

बाण्ड मुस्करा दिया। पेनी उससे लिपट गई। दोनों एक-दूसरे की बांहों में समा गये।

पेनी उसके चेहरे को कई बार चूमने के बाद बोली–'जेम्स ! अब वह समय आ गया है, जब हमें सीक्रेट सर्विस से अलग हो जाना चाहिये। जिन्दगी के कुछ दिन हमें आराम से बिताने चाहियें।'

'क्यों ?'

'सच कहूँ।'

'हां।'

'मेरे साथ की सभी लड़कियां माँ बन चुकी हैं। मैं भी चाहती हूँ, कम से कम तुम्हारे एक बच्चे की माँ बनूं।'

'यानि तुम मुझे बाप बनाना चाहती हो।'

'जब मैं मां बनूंगी तो तुम अपने आप बाप बन जाओगे।'

बाण्ड ने उसे सीने से लगा लिया और उसकी पीठ पर प्यार से हाथ फेरता हुआ बोला–'मैं भी ऐसा ही चाहता हूँ, ईश्वर की इच्छा हुई तो तुम्हारा सपना जल्द सत्य होगा।'

पेनी ने उसकी गर्दन पर होंठ रख दिये। बाण्ड ने उसे पलंग पर लिटा लिया और खुद उस पर झुकता चला गया।

●●●
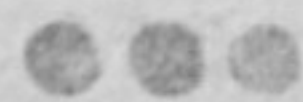
प्रोफेसर ने दीवार में लगा बटन दबाया, उससे कुछ दूर हट कर दीवार में रिक्त स्थान उत्पन्न हो गया। राकी प्रोफेसर के साथ था, दोनों कुर्सियों पर बैठ गये।

प्रोफेसर ने डेशबोर्ड पर लगा एक बटन दबा दिया। स्क्रीन रोशन हो उठी। धीरे-धीरे उस पर दृश्य उभरने लगे। जब दृश्य स्पष्ट हुआ तो दोनों आश्चर्य से एक-दूसरे की तरफ देखने लगे।

जेम्स बाण्ड एक युवती (मनी पेनी) के साथ पलंग पर लेटा हुआ था। दोनों नग्न थे और बाँहों में समाये हुए एक दूसरे को प्यार कर रहे थे।'

'क्या यही वह जासूस जेम्स बाण्ड है, जिसके बारे में हमें जानकारी एकत्रित करनी है ?' प्रोफेसर ने पूछा।

'हां !'

जासूस होने के साथ-साथ वह औरतों का भी दीवाना है।'

'इस समय तो ऐसा ही लग रहा है।'

गुड़िया चौखट पर पड़ी दिखाई दे रही थी, इस तरह जैसे शो पीस हो।

'जब तक यह दोनों सो नहीं जाते, हमारी गुड़िया अपनी जगह से चल नहीं सकती।' प्रोफेसर ने कहा।

'न जाने वह कब सोते हैं।'

'जो जोड़ा रात को पलंग पर प्यार करता है, वह जल्दी ही सो जाता है।' प्रोफेसर मुस्कराते हुये बोले–'तुम देखते रहो, जब सो जायें, मुझे सूचित करना।'

प्रोफेसर आराम कुर्सी पर आकर लेट गये और सिगरेट होठों

से लगाकर सुलगाने लगे।

पेनी ने बाण्ड को बांहों में भींचा हुआ था। बाण्ड उसके होंठ, आंख, गाल व गर्दन को बार-बार चूम रहा था।

राकी दांत पीसने लगा। एक-एक क्षण उसे भारी पड़ रहा था। वह चाहता था, दोनों जल्द से जल्द थककर सो जायें।

एकाएक उसके गुस्से का पारा बार न आया। दोनों अलग होकर उठ बैठे थे। पेनी गिलासों में व्हिस्की डालने लगी थी। सिगरेट का पाकेट बाण्ड ने उठा लिया।

'प्रोफेसर!' वह उठकर उनके निकट आता हुआ बोला।

'क्या वह सो गये?'

'शायद आज वह सारी रात नहीं सोयेंगे। शराब का दौर चल रहा है, उसके बाद वह सिगरेट पीयेंगे।'

'यानि गाडी फस्ट गियर पर ही अटकी हुई है।'

'हां...! मेरा विचार है सेकिंड गियर पर गाड़ी कभी नहीं आयेगी।'

जब गाड़ी का इन्जन चालू हो जाता है और सड़क साफ है तो गाडी तीसरे गियर पर चलती है। तुम क्रोधित मत होवो...।'

राकी ने फिर स्क्रीन की तरफ देखा—पेनी बाण्ड की गोद में बैठी हुई थी, दोनों के होठों में सिगरेट लगी हुई थी। उसने बुरा मुंह बनाया और कुर्सी पर आकर बैठ गया।

सिगरेट फेंककर पेनी पलंग पर लेट गई और बाण्ड को अपने ऊपर खींच लिया। दोनों एक-दूसरे की बांहों में समा गये।

उन्हें सपने में भी विचार नहीं था कि कोई दूर बैठा उन्हें इस रूप में देख रहा होगा। कमरे में एक तूफान सा आ गया था।

राकी ने मुंह दूसरी तरफ फेर लिया और सिगरेट होंठों से लगाकर सुलगाने लगा। एक-एक क्षण उसके लिये कीमती था। लेकिन?'

सिगरेट खत्म करके उसने स्क्रीन की तरफ देखा, दोनों एक दूसरे की बगल में निढाल से पड़े थे, आँखें बन्द थीं। शायद वह सो गये थे।

थोड़ी देर वह देखता रहा, जब उसे विश्वास हो गया कि वह सो गये हैं तो उसने पुकारा—'प्रोफेसर...आ जाइये!'

'वह सो गये?'

'हां!'

प्रोफेसर उठकर डैशबोर्ड के सामने आकर बैठ गया। दोनों सचमुच सो गये थे। कुछ क्षणों बाद प्रोफेसर ने एक बटन दबा दिया। चोखट पर रखी गुड़िया हिली और चल कर किनारे पहुंचने के बाद वह दीवार पर पैर जमाकर नीचे उतरने लगी।

फर्श पर आने के बाद वह चलती हुई मेज तक पहुंची और पांव के सहारे चढ़ती हुई ऊपर पहुंच गई।

गुड़िया की नौ ऊंगलियां थीं और बीच की बांये हाथ की उंगली मास्टर की थी। उसने दराज का ताला खोला और झटके से दराज बाहर खींच ली।

अन्दर कागज व फाईलें रखी हुई थीं। राकी के साथ-साथ प्रोफेसर की भी आँखें चमक उठी। गुड़िया ने एक फाईल को खोला और पन्ने उलट पलट कर देखने लगी।

इसी तरह उसने दराज की सभी फाईलों को देख डाला। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। गुड़िया ने दूसरी दराज खोलीऔर उसमें रखे कागजातों को उलट पलट कर देखने लगी। ऐसी अवस्था में गुड़िया बड़ी भयंकर लग रही थी। दराज में खड़ी हुई वह कागजों को इस तरह उलट पलट रही थी, जैसे वह जीवित हो।

कोई पहली नजर में उसे इस अवस्था में देख ले तो कांप जाये। कमजोर दिल का व्यक्ति हो तो शायद उसका हार्टफेल हो जाये।

उस दराज में से भी कुछ नहीं मिला। रात का आधे से ज्यादा पहर बीत गया था। राकी के चेहरे पर निराशा छाने लगी थी।

प्रोफेसर ने एक और बटन दबाया। गुड़िया मेज पर से नीचे उतर आई और अलमारी की तरफ बढ़ने लगी। अपने छोटे-छोटे पैरों द्वारा चलती हुई वह बड़ी अजीब सी लग रही थी। उस समय कमरे में ऐसा आश्चर्यजनक दृश्य उपस्थित था, जो शायद किसी ने सपने में भी नहीं देखा होगा।

वह अलमारी पर चढ़ गई। ताला खोलने के बाद उसने अलमारी के दोनों पट भी खोल दिये और अन्दर प्रविष्ट हो गई।

'राकी !' प्रोफेसर ने पूछा—'शायद तुम निराश नजर आ रहे हो ?'

'प्रोफेसर हमारे पास आज की रात है, अभी तक हम कुछ भी प्राप्त नहीं कर सके। रात का बाकी पहर भी बीत गया और हम कुछ भी प्राप्त न कर सके तो क्या होगा...?'

'अभी कल की रात का कुछ समय हमारे पास बाकी है, यह भी हो सकता है रात के बचे हुए पहर में हमें कुछ जानकारी मिल जाये।'

राकी कुछ नहीं बोला, दोनों खामोशी से स्क्रीन की तरफ देखने लगे। गुड़िया अलमारी में रखे कागजों को उलट पलट कर देख रही थी।

अलमारी काफी बड़ी थी। अभी उसका एक ही खाना देखा गया था कि घड़ी ने छः बजने की सूचना दी। दोनों चौंक उठे।

प्रोफेसर बोले—'सवेरा हो गया।

'अब क्या होगा प्रोफेसर ?'

'हमें काम बन्द करना पड़ेगा, अगर दोनों में से किसी की भी नींद खुल गई तो भेद खुल जायेगा, फिर हम कुछ भी नहीं कर सकेंगे।'

राकी कुछ नहीं बोला। प्रोफेसर ने एक बटन दबाया। गुड़िया चलती हुई बाहर निकल आई। अलमारी के पट बन्द करके ताला लगाया और नीचे उतर गई। फिर चलती हुई दीवार के निकट पहुँची। दीवार चढ़कर वह चौखट में उसी जगह खड़ी हो गई, जहां पहले खड़ी थी।

एक और बटन दबाते ही स्क्रीन पर दृश्य आना बन्द हो गये। दीवार पर लगा बटन दबाकर प्रोफेसर ने उसे समतल कर दिया।

'प्रोफेसर !' राकी बोला—'रात के थोड़े समय में हमें शायद सफलता न मिल सके, हमें ज्यादा समय चाहिए।'

'लेकिन कैसे ?'

'गुड़िया से आप दिन में उस समय काम क्यों नहीं लेते; जब वह दोनों बाहर चले जायेंगे।'

'राकी ! तुम तो बुद्धिमान व्यक्ति हो, ऐसी मूर्खता भरी बातें क्यों कर रहे हो ?'

'क्या मतलब ?'

'हमारे पास कोई ऐसा साधन नहीं है जिससे हम कोठी के बाहर का दृश्य देख सकें। मान लो हमारी गुड़िया कमरे में काम कर रही है और एकाएक जेम्स बाण्ड कमरे में आ जाता है, जब वह सब कुछ देख लेगा तो हमारी गुड़िया को नष्ट नहीं कर देगा।'

सोचा ही नहीं था ।'

'ओह! इस बारे में तो मैंने सोचा ही नहीं था ।'

'हर पहलू पर सोचना चाहिये ।'

राकी ने एक सिगरेट सुलगाई और ढेर सारा धुंआ उगलने के बाद बोला–'गुड़िया को बनाते समय आपने एक बात की गलती की है !'

'क्या ?'

'अगर उसमें ट्रांसमीटर फिट होता तो हम उस कमरे में हो रही बात चीत को सुन सकते । शायद वह कोई ऐसी बात करते, जो हमारे लिये लाभदायक होतीं, जिसे हम प्रमाण रूप में मैडम को पेश कर सकते ।'

'हां...इस बात की तरफ मैंने ध्यान नहीं दिया था, लेकिन अब हमारे पास इतना समय नहीं है कि हम गुड़िया में कोई तबदीली कर सकें ।'

सिगरेट की राख को ऐस्ट्रे में झाड़ते हुए राकी बोला–'मान लीजिये, हमारी गुड़िया अपने अभियान में सफल नहीं हो पाती तो क्या होगा ? क्या हमें मौत को गले लगा लेना होगा ?'

'नहीं ! ऐसी नौबत नहीं आयेगी ।'

'आप के मस्तिष्क में बचने का कोई उपाय है ?'

'पहले तो मैं तुम्हें यह बता दूं कि जीवन में आज तक मैं किसी भी अभियान में असफल नहीं हुआ, अगर हमारी गुड़िया फेल हो गई तो मैं उस व्यक्ति को खत्म कर दूंगा, जो हमारी मौत का कारण बनेगा ।'

'यानि आप जेम्स बाण्ड की हत्या कर देंगे ?'

'हां ! मैडम जेम्स बाण्ड का रहस्य जानना चाहती है, जब वह ही नहीं रहेगा तो उसे उसका रहस्य जानने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी । आज रात अगर हम असफल रहे तो जेम्स बाण्ड को उसी के कमरे में समाप्त कर दिया जायेगा ।'

'कैसे ? हम तो यहां बैठे होंगे । क्या गुड़िया में किसी प्रकार का टाईम बम फिट है ?'

'नहीं । एक छोटी सी गुड़िया में क्या–क्या चीज फिट की जा सकती हैं । शायद तुम भूल गये हो, मैंने तुम्हें बताया था कि गुड़िया के हाथ में एक भाला पकड़ा हुआ है । भाले की नोक साईनामाईड में डूबी हुई है, अगर इसकी नोक किसी के जिस्म में चुभ जाये तो वह उसी क्षण समाप्त हो जाता है । बाण्ड को भी इस भाले से समाप्त कर सकते हैं ।'

राकी इस तरह सिर गुजाने लगा जैसे सब कुछ समझ गया हो ।

'एक बात तुम्हें और बता दूं !'

'क्या ?'

'यह काम पूर्ण करने के बाद मैं मैडम को भी छोड़ूंगा नहीं, उसने मेरा जीवन तबाह किया है, मैं उसे समाप्त कर दूंगा ।'

'यह तो बाद की बात है प्रोफेसर, पहले हमें इस काम को पूरा करना है । अगर उसने मुझ से शादी कर ली तो मुझे पूर्ण विश्वास है आप उसे सकाप्त नहीं करेंगे ?'

प्रोफेसर कुछ नहीं बोला । शून्य में घूरते हुए कुछ सोचने लगा ।

● ● ●

बाण्ड जब कमरे में प्रविष्ट हुआ तो मेरी उसकी तरफ देखने लगी ।

'गुड मार्निंग मिस मेरी गुड नाईट !'

'गुड मार्निंग !'

'इस तरह मेरी तरफ क्यों देख रही हो ?'

'जेम्स ! उत्तर देने की बजाए उसने पूछा–'क्या एम. किसी बात पर तुमसे नाराज है ?'

'नहीं !'

'वह तुम्हें बुला रहा था, उसका स्वर शुष्कता से भरा हुआ था।'

'ओह···मैं अभी जाकर उससे मिलता हूँ।' बाण्ड कमरे से निकल कर तेजी से चलता हुआ एम. के कक्ष में प्रविष्ट हुआ। पेनी टाईप राईटर पर कागज चढ़ा रही थी।

'क्या चीफ अन्दर मौजूद है ?'

'हां। वह तुम्हारा ही इन्तजार कर रहा है। उसका मूड ठीक नजर नही आता।'

'उसका मूड खराब है तो मैं क्या कर सकता हूँ।' बाण्ड ने शुष्क स्वर में कहा।

'जेम्स ! एम. हमारा चीफ है, उससे ढंग से बात करना।'

बाण्ड कोई उत्तर दिये बिना दरवाजा खोलकर अन्दर प्रविष्ट हो गया। एम. कुर्सी से टेक लगाये सिगार के कश लगा रहा था। चेहरे पर गम्भीरता छाई हुयी थी।

'गुड मार्निंग सर !'

'मार्निंग ! बैठो !'

बाण्ड कुर्सी पर बैठ गया। एम. ने ढेर सारा धुंआ उगल और बिखरते हुए धुंए के बादलों को देखने लगा।

'सर···शायद आपने मुझे बुलाया था ?' बाण्ड से रहा नहीं गया तो उसने पूछ लिया।

'हा ! मैंने ही तुम्हें बुलाया था, जिस केस पर तुम काम कर रहे हो, मैं उसकी रिपोर्ट चाहता हूँ।'

एम. के स्वर में इस कदर गम्भीरता थी कि बाण्ड की रीढ़ की हड्डी में ठण्डी लहर दौड़ गई। ऐसी गम्भीरता उसमें तभी आती थी, जब वह अन्दर ही अन्दर खोल रहा हो।'

'अभी तक मुझे किसी प्रकार की सफलता प्राप्त नहीं हुई।'

'तुम्हारे मुख से यह बात शोभा नहीं देती।'

'मैं कोशिश कर रहा हूँ सर, लेकिन लगता है अपराधी एकदम से खामोश हो गया है।'

'मैं क्या करूं, मैंने तो तुम्हारे कारण उन अभियानों को भी रोक दिया है जिनका काम करना आवश्यक था। तुमने जो अवधि मांगी थी, वह पूरी होने वाली है, सिर्फ तीन दिन बाकी हैं।'

'मैं जानता हूँ।'

'क्या तुम तीन दिनों में केस हल कर लोगे ?'

'कह नहीं सकता, अगर मुझे असफलता का मुख देखना पड़ा तो आपको मेरा इस्तीफा मिल जायेगा।'

एम. कुछ नहीं बोला, हथेलियों को भींचकर रह गया। बांड उठा और बाहर निकल गया। पेनी ने उसका तमतमाया चेहरा देखा तो चौंक उठी।

'जेम्स ! क्या बात हुई ?'

'कुछ नहीं। मैं घर जा रहा हूँ।'

पेनी के रोकने पर भी वह रुका नहीं, बाहर निकलता चला गया। पेनी समझ गई, एम. के साथ कुछ कड़वी बातें हुई हैं।

बाण्ड सीधा कोठी पर पलटा। अलमारी से बोतल निकाली, कार्क हटाकर मुंह होठों से लगा लिया। कुछ व्हिस्की हलक में उतारने के बाद जैसे ही उसने बोतल मेज पर रखी, फोन की घण्टी बज उठी।

'हैल्लो···जेम्स बाण्ड स्पीकिंग !' बाण्ड रिसीवर उठाकर बोला।

उसे एक मधुर अट्टहास सुनाई दिया।

'कौन ?'

'मुझे नही पहचाना। जेम्स क्या बात है, तुम्हारी स्मरण शक्ति कमजोर हो गई ? मैं मैडम एलर्टा हूँ।'

'ओह तुम...लेकिन तुम मेरे विरुद्ध क्या जाल बुन रही हो, समझ नहीं आया ?'

'अगर तुम समझ ही गये तो हमारे जाल बुनने का क्या फायदा। डियर...सारी उम्र समझते रहोगे, लेकिन समझ नहीं आयेगा।'

'यह तो बता दो, मरने के बाद तुम जिन्दा कैसे हो गई ?'

'यही तो एक रहस्य है, वैसे तुम्हें इतना बता दूं कि मैडम एलर्टी सात जन्म तक भी नहीं मर सकती...!'

'और लेडी गेजपो ?'

'हमारी रूहें मिलती अवश्य हैं, लेकिन हमने कभी बात नहीं की। अतः उसके बारे में मैं कुछ नहीं कह सकती।

'क्या लेडी गेजपो भी मर चुकी है ?'

'मूर्खता भरी बातें मत करो, उसकी लाश को तुमने खरोंच कर देख लिया था।'

'आखिर तुम चाहती क्या हो ?'

'कुछ नहीं, मुझे तुमसे प्यार है। इसलिये फोन कर लेती हूं।' कहने के बाद अट्टहास सुनाई दिया, फिर सम्बन्ध विच्छेद हो गया।

बाण्ड ने उसी क्षण एक्सचेंज से मालूम किया। वहां से उत्तर मिला कि-फ्लोरिडा मार्केट में बूथ नम्बर तीन सौ बीस से काल की गई है।

रिसीवर रखकर उसने सिगरेट सुलगाई। तभी फिर घण्टी बज उठी।

बाण्ड ने रिसीवर उठाकर कान से लगाया ही था कि मधुर स्वर सुनाई दिये—'हैल्लो माई डियर जेम्स...!'

'तुम कौन हो ?'

'तुम्हें चाहने वाली लेडी गेजपो...।'

'क्या चाहती हो ?'

'प्यार है, इसलिये तुमसे फोन पर दो बातें कर लेती हूं।'

'मुझे भी तुम्हारी मधुर आवाज से प्यार हो गया है, यहीं चली आओ, बैठकर प्यार से बातें करेंगे।

खिलखिलाकर हंसने की आवाज सुनाई दी, फिर कहा गया —'वह समय भी जल्द आयेगा।'

बान्ड कुछ कहता उससे पहले ही सम्बन्ध काट दिया गया। उसने रिसीवर क्रेडिल पर पटक दिया। उसका दिमाग उलझकर रह गया। पहली बार उसका दिमाग काम नहीं कर रहा था। उसे समझ ही नहीं आता था कि वह क्या करे। उसे लग रहा —अगर कुछ दिन और ऐसा रहा तो वह पागल हो जायगा। लेकिन इतना उसे विश्वास हो गया था कि कोई अपराधी भयंकर षडयंत्र रच रहा है।

कार लेकर वह निकल पड़ा क्योंकि दूसरी बार एक्सचेंज ने बताया था कि काल विल्सन मार्केट से की गई है। वह वहां जा कर पूछताछ करना चाहता था।

वहां पहुंच कर उसने देखा कि बूथ खाली पड़ा है। उसके पास कोई भी आता जाता दिखाई नहीं दे रहा।

बूथ के पास ही एक सिगरेट की दुकान थी, उसके पास फल भी रखे थे। बाण्ड उसके पास पहुंच गया। एक पैकेट डनहिल का खरीदा। एक सिगरेट होठों से लगाकर सुलगाई, फिर उसे अखबार की एक कटिंग निकाल कर उसे दिखाई और पूछा—कोई आधे घण्टे के बीच में इस शक्ल की औरत ने इस बूथ से कहीं फोन किया था ?

'सर ! कई आते हैं, चले जाते हैं लेकिन...?'

'लेकिन क्या, जरा सोचकर बताओ।'

'वह इतनी सुन्दर थी कि नजर अपने आप उधर घूम गई। इस तस्वीर से उसकी शक्ल मिलती है।'

बाण्ड का दिमाग चकरा कर रह गया। वह लेडी गेजपो की तस्वीर थी। उसने नोट दिया और कार में आकर बैठ गया उसे ऐसा लग रहा था जैसे वह भूत-प्रेतों के चक्कर मे फस गया हो। लेडी गेजपो जिन्दा थी।

कार को उसने गति दे दी। थोड़ी देर बाद वह उस बूथ पर पहुँच गया, जहाँ से मैडम ऐलर्टा ने फोन किया था। उस बूथ में एक युवती फोन कर रही थी।

बूथ के पास एक फलों की दुकान थी। बाण्ड कार से उतर कर दुकान पहुँच गया। एक किलो सेब लेकर उसने रकम चुकाई फिर दुकानदार को अखबार की कटिंग दिखाता हुआ बोला,क्या इस औरत ने लगभग पौन घण्टा पहले इस बूथ से फोन किया था।

'हां ! फोन करने के बाद उसने मुझसे एक दर्जन केले व शरीफे लिये थे।

बाण्ड का दिमाग फिर चकराकर रह गया वह मैडम ऐलर्टा की तस्वीर थी। उसे यह चक्कर समझ में नहीं आ रहा था। इतना परेशान वह जीवन में कभी नहीं हुआ था। उसकी इच्छा हो रही थी, वह किसी दीवार से सिर टकरा दे।

केस उलझता जा रहा था, लेकिन कोई सूत्र हाथ नहीं लग रहा था। वह काफी देर तक यूँ ही सड़कों के चक्कर लगाता रहा फिर कोठी की तरफ चल पड़ा।

शराब की आधी बोतल मेज पर रखी थी जिसे उसने एक ही सांस में खाली कर दिया। फिर एक सिगरट सुलगाकर पलंग पर लेट गया।

शाम को वह उस समय चौंका, जब दरवाजा खुला और पेनी ने अन्दर आकर रोशनी की।

'क्या बात है जेम्स, अन्धकार में इस तरह लेटे हो, जैसे किसी का मातम मना रहे हो।'

'हां ! उस अपराधी का मातम मना रहा हूँ, जिसने मुझे पागल कर दिया है।'

पेनी धीरे से मुस्करा दी, फिर बोली--'मैं जानती हूँ, तुम हिम्मत हारने वाले नहीं।'

'मैं उसे खोजने की अन्तिम क्षण तक कोशिश करूंगा, कुछ दिन अभी मेरे पास हैं।'

'सवेरे जब मैंने तुम्हें बहुत परेशान देखा तो सोचा किसी प्रकार तुम्हारी सहायता करूं, अतः मैं मैडम ऐलर्टा की छानबीन के लिये निकल पड़ी।

'कुछ जानकारी प्राप्त हुई ?'

'हां ! तलाश करती हुई उसके एक सम्बन्धी तक पहुँच गई, अगर मुझे देर हो जाती तो वह पैरिस के लिये निकल जाता। उससे मुझे मालूम हुआ है कि मैडम ऐलर्टा दो जुड़वा बहनें थीं। उसने उन्हें आज से सात साल पहले देखा था। ऐलर्टा की दूसरी बहन का नाम फलोरा है। ऐलर्टा जितनी शरीफ थी व फलोरा उतनी ही तेज व फलर्ट करने वाली लड़की थी। ऐलर्टा उससे नफरत करती थी।'

'इस समय फलोरा कहां है ?'

'यह वह नहीं बता सका।

'बाण्ड कुछ देर सोचता रहा, फिर एकाएक उछल पड़ा।

'क्या हुआ ?'

'तुम्हारी जानकारी के बाद कुछ बात सामने आई है, लेडी गेजपो ऐलर्टा की बहन नहीं थी।

'फिर ?'

'मुझे याद आ रहा है लेडी गेजपो की गर्दन पर गोल निशान था। शायद उसके चेहरे पर प्लास्टिक सर्जरी की गई थी।'

'लेकिन उसे मैडम ऐलर्टा की शक्ल क्यों दी गई ?'

'शायद फलोरा ने अपने मरने का ढोंग रचा हो।'

—'तो फिर लेडी गेजपो की शक्ल उन जैसी कैसे हो सकती है?' क्योंकि उसके भाई ने उसे अपनी बहन बताया था।

'हो सकता है मिलती-जुलती शक्ल हो। लाश को देख कर भाई गम मे इतना डूब गया हो कि सही शिनाख्त न कर सका हो।'

'इस तथ्य में कोई शक नहीं।'

'तब हमें एक बार उसके भाई से मिलना चाहिये।'

'हां!'

बाण्ड उसके साथ बाहर आ गया। दोनों कार में बैठ गये। कार गेजपो के भाई के घर की तरफ चल पड़ी।

कार को बाहर खड़ी करके वह अन्दर ही गली में प्रविष्ट हो गये। लेकिन उसके घर के सामने पहुँच कर दोनों को निराशा हुई। वहाँ ताला लगा हुआ था।

पड़ोसी से पूछने पर मालूम हुआ कि वह न्यूयार्क चला गया है, अब शायद ही वापस आये।

एक सूत्र हाथ में आते-२ फिर नष्ट हो गया।

'पेनी!' बाण्ड बोला—'लगता है इस बार हमारी किस्मत हमसे नाराज हो गई है।'

'ऐसा क्यों कहते हैं, हम कोशिश कर रहे हैं, हमें सफलता अवश्य मिलेगी।

'शायद इस्तीफा देने के बाद सफलता मिलेगी।

'शायद इस्तीफा देने के बाद सफलता मिलेगी।'

बाण्ड को पेनी ने इतना निराश कभी नहीं देखा था। मनोरंजन के लिये वह उसे लिजा बार में ले गई।

●●●

भगत की नजर उस सुन्दर औरत पर थी, जो काफी जी रही थी। भगत ने निश्चय किया, वह उसे आज रात का मेहमान बनायेगा।

काफी धन जीतने के बाद वह उठकर बार काउन्टर पर आ गई।

'एक डबल पैग।'

बैरे ने पैग बनाकर उसके सामने रख दिया। भगत भी पास जाकर खड़ा हो गया।

'दो डबल पैग, एक ही गिलास में।'

भगत ने शायद नई बात कही थी, इसलिए वह औरत उस की तरफ देखने लगी। भगत ने दांत निकाल दिये।

'दो डबल पैग एक ही गिलास में! मैं पहली बार आपको पीते हुए देख रही हूँ।'

'लेकिन मैडम अभी तक तो मेरे हाथ में गिलास आया ही नहीं।'

'बैरे ने गिलास काउन्टर पर रख दिया।' लीजिये गिलास भी आ गया।

'लेकिन मैडम…।'

भगत को रुकते देखकर वह बोली—'मुझे एलोरा कहते हैं।'

'मैडम एलोरा, जब कोई सुन्दर औरत पास खड़ी हो तो मैं इस प्रकार व्हिस्की नहीं पीता।

'फिर किस प्रकार पीते हो।'

'जब तक पास खड़ी औरत गिलास को होंठ न लगा दे। इस तरह नशा डबल हो जाता है।'

'बस इतनी सी बात!' लाओ गिलास से एलोरा ने एक घूंट पी लिया।

फिर भगत ने गिलास को होंठों से लगाया और एक ही सांस में खाली कर दिया।

एलोरा उसे आश्चर्य से देखती... गिलास खाली हो गया तो वह बोली—'तुमने तो शराब को पानी की तरह पी डाला।'

'बचपन में मैं पानी को शराब की भांति पिया करता था।'

'क्या बात हुई?'

'अगर बात समझ में आ जाये तो वह बात ही क्या हुई?'

एलोरा हंस पड़ी। फिर बोली—'दिलचस्प व्यक्ति हो। कल यहीं आना इत्मिनान से बैठकर बातें करेंगे।'

वह बिल चुकाकर आगे बढ़ गई। भगत फुसफुसाया-'कल नहीं आज।' उसने भी बिल चुकाया और बाहर आ गया। सारे बार में एलोरा से ज्यादा सुन्दर कोई औरत नहीं थी।

कार जब बार से बाहर निकल गई तो भगत ने अपनी कार उसकी कार के पीछे लगा दी। वह कोई ऐसा उपाय सोच रहा था कि एलोरा को अपनी तरफ आकर्षित कर सके, लेकिन कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था।

वह इतनी दूर रहकर पीछा कर रहा था कि उसे सिर्फ टेल लाईट दिखाई दे रही थी। एकाएक वह चौंक उठा एलोरा की कार रुक गई थी।

●●●

दांयी तरफ एक कार आई और इस तरह आकर खड़ी हो गई कि आगे सड़क रुक गई। एलोरा ने ब्रेक लगाकर कार रोक

दी। अगली कार से दो व्यक्ति निकलकर आये और उसकी कार को घेर लिया। एक के हाथ में चाकू व दूसरे के हाथ में रिवाल्वर पकड़ा हुआ था।

'बाहर निकलो।' रिवाल्वर वाला गुर्राया।

एलोरा दरवाजा खोलकर बाहर आ गई।

'क्या चाहते हो?'

'जो कुछ भी तुम्हारे पास है, निकाल दो।'

'तो तुम लोग डाकू हो?'

'कुछ भी समझ लो।'

'अगर मैं न दूं।'

'तब चाकू तुम्हारे पेट से आंतें निकाल देगा और गोली माथे पर सुराख बना देगी।'

एलोरा की समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे, तभी एक कार तेजी से आकर निकट रुकी। रिवाल्वर वाला एकदम से उसकी तरफ पलटा। उस कार का दरवाजा एक झटके के साथ खुला और उससे टकराया। वह एलोरा की कार से टकराता हुआ सड़क पर गिर पड़ा। रिवाल्वर उसके हाथ से छिटक गया।

एलोरा की आंखें खुशी से चमक उठीं। भगत कार से बाहर निकल आया और चाकू वाले पर टूट पड़ा।

उसने चाकू का वार भगत पर किया, भगत ने उसे उसका हाथ पकड़कर उमेठ दिया। चाकू सड़क पर गिर पड़ा। भगत ने जोर से उसकी पीठ पर ठोकर मारी, वह उछलकर दूर जा गिरा।

रिवाल्वर वाला उस पर झपटा, भगत ने एक तरफ हटकर उसकी पीठ पर भी ठोकर दे मारी, वह भी मुंह के बल सड़क पर गिर पड़ा।

फिर दोनों एक साथ उठकर उस पर झपटे। दोनों की

बाजुयें उसने कलाई पर रोकीं और भरपूर हाथ उनके थूथन पर जड़ दिया। नाक से रक्त छलछला आया।

फिर तो जैसे तूफान आ गया हो। भगत उन्हें उठा-उठाकर पटकने लगा। लात व घूंसे उन पर इस तरह पड़ने लगे जैसे भगत के पास फ्री का स्टाक हो।

कुछ ही मिनटों बाद दोनों भाग खड़े हुए।

'एलोरा !' कहो तो पीछा करूं।'

'रहने दो।'

'तुम कहती हो तो रहने देता हूँ, अन्यथा उनकी एक-एक टांग तो अवश्य तोड़ देना चाहता था, लेकिन वह थे कौन ?'

'लुटेरे ! शायद उन्हें मालूम हो गया था कि मैं आज भारी रकम जीत कर आ रही हूँ।'

खैर जो कुछ भी है तुमने आज मुझे लूटने से बचा लिया।'

कहने के साथ ही उसने भगत के गले में बांहें डाल दीं और होठों का एक भरपूर चुम्बन ले लिया, फिर बोली--'तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद !'

उसके स्पर्श से भगत उत्तेजित हो उठा था। उसने उसे बांहों में भर लिया और होठों को अपने होठों में भींचकर चूसने लगा।

'जब वह अलग हुआ तो एलोरा ने पूछा--'अब कहां जाओगे ?'

'अपने घर !'

'क्या मुझे अपना घर नहीं दिखाओगे ?'

'क्यों नहीं ! मेरी कार के पीछे-पीछे चली आओ।'

'मैं अगली कार को तो हटा दूं। वह तो उल्लू के पट्ठे भाग गये हैं, शायद चोरी की कार थी।

भगत कार किनारे लगाकर वापस लौटा ही था कि एक और कार आकर वहां रुकी, उसमें बाण्ड व पेनी बैठे थे।'

'भगत !' बाण्ड ने पूछा--'यहां क्या कर रहे हो ?'

'प्यार ! क्यों डार्लिंग।'

'हां !' एलोरा मुस्करा दी।

'तुम्हारे चेहरे पर पड़ी खरोंचें बता रही हैं कि यहां मार-पीट हुई है।' पेनी बोली।

'तुम्हारा अन्दाजा सही है।' एलोरा बोली--'दो लुटेरे थे; अगर भगत न आता तो शायद आज वह मुझे लूट ले जाते।'

'जुए में जीती रकम होगी ?'

'हां···लेकिन इस समय तो मेरी रकम है।'

'हां। मेरी मदद की आवश्यकता हो तो बताओ ?'

'नहीं !' भगत बोला-'तुम घर जाकर आराम करो, हम भी घर जा रहे हैं।'

बाण्ड हंस दिया, क्योंकि उसका मतलब उसकी समझ में आ गया था।

'चलो जेम्स, क्यों इन्हें बोर कर रहे हो। भगत के होठों पर लगी लिपिस्टिक से भी कुछ नहीं समझ पा रहे !'

'तो हम लोग चलते हैं। लेकिन तुम लोग रात का सदुपयोग करना !' बाण्ड ने शरारत भरे स्वर में कहा और कार को गति दे दी।

एलोरा ने भगत की तरफ मुस्कराकर देखा, फिर बोली-'चलो ! यहां रुककर हम समय व्यर्थ गंवा रहे हैं।'

भगत अपनी व एलोरा अपनी कार में बैठ गये। एलोरा भगत की कार का पीछा करने लगी। भगत सोच रहा था जैसा उसने सोचा था वैसा हो रहा है। शायद ईश्वर उस पर मेहरबान है। एलोरा को बांहों में भरने की इच्छा थी, वह पूरी हो गई थी, अब उसे बिस्तरे तक ले जाने की कसर बाकी थी।

अगर वह उसका घर बाहर से देखकर वापस चली गई तो ? ऐसा नहीं हो सकता, अगर उसकी बिस्तरे तक जाने की

इच्छा न होती तो वह उसके साथ न आती ।

फ्लैट के सामने पहुँचकर उसने कार रोक दी । एलोरा भी उतर कर उसके पास आ गई ।

'तुम्हारा घर कौन सा है ?'

'वह सामने वाला फ्लैट जिसमें अन्धकार हो रहा है ।

'तुम्हारा घर देख लिया, अब चलती हूँ कल आऊंगी ।'

'क्या अन्दर नहीं चलोगी ?'

'बहुत थक गई हूँ, घर जाकर सोना चाहती हूँ ।'

'यहां भी तो सो सकती हो !'

'यहां सोना नहीं होगा, जब दो जवान जिस्म एक ही पलंग पर हों तो क्या होता है, तुम जानते ही हो ?' उसने मुस्कराकर कहा ।

बाण्ड भी जबरन मुस्करा दिया । एलोरा ने उसके होठों का हलका सा चुम्बन लिया, फिर "गुडनाईट" कहकर कार की ओर बढ़ गई ।

भगत कार ओझल होने तक उसे देखता रहा । फिर गहरी सांस लेकर बुदबुदाया-'यह एलोरा तो मेरी भी उस्ताद निकली ।'

●●●

पेनी ने बाण्ड के होठों का एक चुम्बन लिया, फिर उसके बालों में प्यार से हाथ फेरती हुई बोली– चिन्ता छोड़ दो जेम्स, जो होना है वह तो होगा ही ।'

'यह सच है पेनी, ऐसा जटिल केस कभी भी मेरे पास नहीं आया था । इतने दिन हो गये हैं, अभी तक अपराधियों का कोई सूत्र हाथ नहीं आया । एम. को शकल दिखाते हुए मुझे शर्म आती है ।'

'जब तक केस हल नहीं हो जाता, तुम एम. को सूरत ही मत दिखाओ !'

बाण्ड हँस पड़ा, फिर उसके गले में बाहें डालकर बोला– 'बड़ी भोली बातें करती हो ।' कहने के बाद उसने पेनी के होठों को चूम लिया ।

पेनी ने दो गिलासों में शराब भरी और एक बाण्ड की तरफ बढ़ा दिया । बाण्ड ने थोड़ी सी व्हिस्की हलक में उतारी, फिर बोला–'तुम पास होती हो तो राहत मिलती है । सच कहता हूँ, अगर तुम न होतीं तो मैं पागल हो जाता ।'

पेनी ने कोई उत्तर नहीं दिया, गिलास खाली करके उसकी बगल में लेट गई और उसकी छाती पर सिर रखकर प्यार से उसे देखने लगी ।

एकाएक उसकी नजर चौखट पर रखी गुड़िया पर गई । वह चौंक उठी ।

'क्या हुआ ?'

'जेम्स ! वह गुड़िया अपनी जगह से हिली थी ।'

'तुम्हारा भ्रम होगा ! वह बेजान गुड़िया हिल कैसे सकती है ।'

वह कुछ क्षण उसे घूरती रही, फिर बोली–'हो सकता है, मेरा भ्रम हो ।'

बाण्ड हँस दिया, फिर उसकी गर्दन को चूमने लगा ।

'जेम्स ।'

'हां !'

'गुड़िया बहुत प्यारी है, कहो तो मैं उसे ले जाऊं ?' पेनी उसके होठों के किनारे पर अपने होंठ रगड़ती हुई बोली ।

'अगर तुम्हें पसन्द है तो ले जाना ।'

'थैंक्यू !' पेनी ने कहा और उसके होठों पर होंठ रख दिये ।

●●●

प्रोफेसर ने होठों पर हाथ फेरा, डैशबोर्ड पर लगे बटनों में से एक बटन दबा दिया। स्क्रीन रोशन हो उठी।

उस पर जो दृश्य उभरा, उसे देखकर प्रोफेसर ने बुरा सा मुंह बनाया। बाण्ड व पेनी एक-दूसरे से लिपटे हुए प्यार कर रहे थे।

'आज भी वह प्यार में लगा हुआ है?'

'दिल फेंक व्यक्ति है।' राकी ने बताया।

'क्या वह उसकी बीवी है?'

'नहीं! उसने अभी तक शादी नहीं की, उसकी फ्रेण्ड होगी।'

'मुझे तो वह कहीं से जासूस नजर नहीं आता। रोज लड़कियों के साथ सोना, इस तरह वह जासूसी कैसे करता होगा?'

'यह तो वही जाने, लेकिन इतना सुना है, जिस लड़की की आंखों में आंखें डाल दे, वह उसकी तरफ खिंची चली आती है।'

'सम्मोहित क्रिया से वाकिफ होगा।'

'इतना मुझे ज्ञान नहीं।'

दोनों प्यार में खोये हुए थे। पेनी को बाण्ड ने अपने नीचे दबा लिया था।

आज वह ज्यादा देर तक जागे नहीं रहे, बहुत जल्द थककर सो गये।

दोनों ने चैन की सांस ली।

'प्रोफेसर!' राकी बोला–'अब जल्दी से काम शुरू कर दीजिये।'

प्रोफेसर ने एक बटन दबाया। गुड़िया हरकत में आ गई।

दीवार के सहारे वह नीचे उतरती हुई फर्श पर पहुंच गई। फिर फर्श पर चलती हुई दीवार के पास पहुंची।

अलमारी पर चढ़कर उसने ताला खोला और फिर पट खोल कर अन्दर प्रविष्ट हो गई।

प्रोफेसर ने एक और बटन दबाया। वह फाईलों का निरीक्षण करने लगी। प्रोफेसर को पूर्ण इतिमनान था, लेकिन राकी का दिल जोर-जोर से धड़क रहा था।

कोई एक घण्टे में गुड़िया ने बाकी बची हुई अलमारी की भी तलाशी ले ली, लेकिन कोई सफकता नहीं मिली।

'प्रोफेसर···अब क्या होगा?'

'अब तो एक ही उपाय है, जेम्स बाण्ड को खत्म कर दिया जाये।'

'यानि अब आप अन्तिम उपाय प्रयोग में लाना चाहते हैं?'

'हां! क्योंकि आज ही हमें अपनी पेशी मैडम के सम्मुख देनी है।'

राकी कुछ क्षण बाण्ड को निहारता रहा, जो बेसुध होकर सो रहा था, फिर बोला—'ठीक है। बचाव के लिये हम जेम्स बाण्ड को हत्या करनी होगी।'

प्रोफेसर ने एक और बटन दबाया। गुड़िया तेजी के साथ अलमारी से नीचे उतरने लगी। अलमारी के दोनों दरवाजे उसने बन्द नहीं किये।

ऐसा लगता था जैसे उसके हाथ में पकड़ा भाला और भी तन गया हो, वह बाण्ड के खून की प्यासी हो उठी हो।

गुड़िया अभी पलंग के पाये के पास पहुंची ही थी कि दोनों चौंक उठे। स्क्रीन पर गदराया हुआ पैर उभरा था, जो किसी औरत का ही हो सकता था।

'लगता है बाण्ड की पार्टनर जाग गई है!' राकी उत्तेजित स्वर में बोला।

प्रोफेसर ने जल्दी से बटन दबाकर उसका रुख बदल दिया। स्क्रीन पर एक औरत का कमर से निचला भाग उभर आया। सामने का दरवाजा खोलकर अन्दर प्रविष्ट हो गई।

'शायद वह बाथरूम के लिये उठी है।' राकी बोला।

'हां। अगर गुड़िया पलंग के नीचे न होती तो इस समय उसका भेद खुल गया होता और वह गुड़िया को अवश्य नष्ट कर देता।'

'और तब!' राकी गहरी सांस लेकर बोला—'बाण्ड बच जाता लेकिन हम जीवित नहीं रह सकते थे।'

'अभी भी खतरा है। उसे बाथरूम से वापस लौटना है।'

तभी बाथरूम का दरवाजा खुला और औरत का कमर से निचला भाग फिर स्क्रीन पर उभरा। वह बिल्कुल नग्न थी। दोनों की सांस जैसे रुक गई थी। स्क्रीन पर सिर्फ घुटने तक का हिस्सा रह गया। फिर वह भी लोप हो गया।

'शायद वह पलंग पर पहुँच गयी है।' राकी बोला।

'हां! लेकिन अभी हम गुड़िया को हरकत में नहीं ला सकते, वह अभी कुछ देर तो सोने की कोशिश करेगी।'

'यह भी तो हो सकता है वह फिर प्यार में नग्न हो गये हों?'

'दोनों आशिक मिजाज के नजर आते हैं, ऐसा हो सकता है, लेकिन आज नहीं होगा। मेरा दिल कहता है, बाण्ड की पार्टनर की सूरत देखकर मैंने अन्दाजा लगाया था कि उसकी तबीयत भरी हुयी है। उसमें आज वह उत्तेजना नहीं थी जो मैंने कल देखी थी।'

'लेकिन यह हमें कैसे मालूम होगा कि वह सो गयी है?'

'हमें रिस्क लेना होगा।'

राकी कुछ नहीं बोला। कोई पन्द्रह मिनट बाद प्रोफेसर ने बटन दबाया, गुड़िया का रुख पलंग के अन्दर की तरफ हो गया।

वह पाये के पास पहुँची ही थी कि प्रोफेसर चौंक उठा। उसके फिर एक बटन दबाकर उसकी चाल रोक दी।

'अब क्या हुआ प्रोफेसर?' राकी ने पूछा।

'मुझे एक आश्चर्यजनक वस्तु दिखाई दी है!'

'क्या?'

'ऐटोमेटिक टेप रिकार्ड!'

राकी ने ध्यान से देखा, उसे टेप रिकार्ड दिखाई दिया।

'लेकिन उस टेपरिकार्ड से हमें क्या सहायता मिल सकती है?'

'शायद तुम नहीं जानते, इस प्रकार के ऐटोमेटिक टेप रिकार्ड जासूसों के पास होते हैं। अक्सर वह घर पर नहीं रहते। उसके साथी या उसका चीफ जब उन्हें फोन करता है तो उनकी बात अपने आप टेप हो जाती हैं।'

'लेकिन हम इस टेप को सुन कैसे सकते हैं। हमारे पास कोई साधन नहीं। गुड़िया में ट्रान्समीटर फिट नहीं है।'

'मैं जानता हूँ, लेकिन मेरे मस्तिष्क में एक उपाय है, जिस को कार्यरूप देने से हमें अवश्य कामयाबी हासिल होगी।'

'आप क्या करना चाहते हैं?'

'तुम देखते हो, हम अपने फोन द्वारा पूरा टेप यहीं बैठे-बैठे टेप करने के साथ-साथ सुन भी लेंगे।'

'यानि आप उधर का फोन प्रयोग में लायेंगे?'

'हां!'

'मगर रिसीवर कौन उठायेगा?'

'दूसरी गुड़िया।'

'ओह! लेकिन अभी हमें पूर्ण रूप से इस बात का विश्वास नहीं कि बाण्ड की पार्टनर जाग रही है या सो गई!' राकी ने शंका प्रगट की।

'काफी देर हो गई है। मेरा ख्याल है वह सो गई होगी।'

खैर, कुछ भी हो, हमें रिस्क तो लेना ही होगा। जब तक गुड़िया ऊंचे स्थान पर नहीं पहुँच जाती, हम देख ही नहीं सकते कि पलंग पर क्या हो रहा है।'

राकी चुप हो गया। प्रोफेसर ने एक बटन दबाया, गुड़िया फिर हरकत में आ गई। अपने नन्हे-नन्हे पैरों से चलती हुई वह मेज के निकट पहुँची और फिर पाये पर चढ़ने लगी।

चढ़ती हुई वह मेज के ऊपर पहुँच गई। दोनों का दिल जोर से धड़क रहा था। लेकिन जब उन्होंने दोनों को सोते हुए देखा तो इत्मीनान की सांस ली।

प्रोफेसर डैशबोर्ड पर झुक गया। उसे अब गुड़िया से बहुत महत्वपूर्ण काम लेना था।

राकी सोच रहा था, अगर यह अन्तिम प्रयास में सफल हो जाये और वह मैडम के सम्मुख प्रमाण प्रस्तुत कर सके तो उनकी जान बच सकती है।

थोड़ी देर बाद मीटिंग शुरू हो जायेगी, अगर उन्हें देर भी हो गई तो मैडम एक्शन ले सकती है। लेकिन उसे विश्वास था, उनका यह प्रयास अवश्य सफल होगा।

मैडम प्रसन्न होकर उससे अवश्य साक्षात्कार करेगी, तब वह अपने दिल की बात मैडम के सम्मुख रख सकेगा। उसे विश्वास था मैडम उसकी प्रेयसी, उसकी पत्नी बनने के लिये तैयार हो जायेगी।

राकी के होठों पर मुस्कान थिरक उठी, फिर वह स्क्रीन की तरफ देखने लगा।

●●●

राकी स्क्रीन को देखने के साथ-साथ प्रोफेसर की हरकतों को भी देख रहा था। प्रोफेसर सब कुछ सही सैट करने की

कोशिश कर रहे थे।

फिर उसने आश्चर्यजनक दृश्य देखा। गुड़िया ने डायल उठा उस हाथ में फंसा लिया, जिसमें भाला पकड़ा हुआ था। फिर वह दूसरे हाथ से नम्बर डायल करने लगी।

प्रोफेसर ने अपने फोन का सम्बन्ध टेप रिकार्ड से जोड़ दिया था। गुड़िया ने बिलकुल सही नम्बर घुमाये···फाईव-टू-ऐट-नाईन-वन थ्री···।

फोन की घण्टी बजने लगी। राकी उछल पड़ा।

'इस तरह मत उछलो।' प्रोफेसर अपने फोन का रसीवर उठाता हुआ बोला-'आराम से बैठकर देखते रहो।'

इधर से डायल घुमाते ही दूसरी तरफ की आवाज सुनाई देने लगी। राकी का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा। वह बड़े ध्यान से सुन रहा था—

'हैलो···हैलो···मैं एम. बोल रहा हूँ। ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस की जो धाक जमी हुई थी। मुझे ऐसा लग रहा है, उस पर धब्बा लगने वाला है। मैं जानता हूँ तुम ब्रिटिश सर्विस के बहादुर एजेन्ट हो। लेकिन जो केस तुम्हें सौंपा गया है, इस बार तुम उसमें अभी तक सफल नहीं हुये। उच्च अधिकारी मुझसे बार-बार उत्तर मांग रहे हैं···मैं क्या उत्तर दूं···।

इधर टेप सुना जा रहा था, उधर पेनी का बाल टेबल पर रखी घड़ी के कुन्डे में अटक गया था। उसने नींद में ही छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन जब नहीं छुटा तो उसकी नींद खुल गई···।

उसने आश्चर्य जनक दृश्य देखा, ऐसा दृश्य जो उसने जीवन मे पहली बार देखा था। वह बार-बार आँखें मलने लगी, लेकिन दृश्य नहीं बदला-वह गुड़िया, जिसे वह शो समझ रही थी, मेज पर खड़ी थी और उसके एक हाथ में रिसीवर पकड़ा हुआ था। टेप की आवाज पेनी के कानों तक भी पहुँच रही थी।

तुमने उस दल को जो हमारे हर अभियान को असफल बना

कर जासूस की हत्या कर देता है, समाप्त करने की जो अवधि ली थी, वह समाप्त होने वाली है। किसी भी तरह इस केस को हल करने की कोशिश करो, क्योंकि मैं नहीं चाहता कि तुम इस्तीफा दो। कल मुझसे किसी भी समय अवश्य मिलना।'

पेनी ने बाण्ड को झंझोड़ दिया–जेम्स! उठो···देखो तो···।'

'क्या बात है? बाण्ड झटके से उठता हुआ बोला।

वह देखो जापानी गुड़िया, उसके हाथ में रिसीवर पकड़ा हुआ है, वह उस संदेश को सुन रही थी, जो टेप पर रिकार्ड है।

बाण्ड उसे देखता रह गया, गुड़िया हरकत कर रही थी। इस आश्चर्यजनक दृश्य को देखकर उसके रोंगटे खड़े हो गये। पहले गुड़िया का रुख दूसरी तरफ था, लेकिन अब वह उनकी तरफ घूम रही थी।

'यह शायद किसी वैज्ञानिक का चमत्कार है···खतरा···।' बाण्ड के मस्तिष्क में कौंध गया। उसका हाथ तेजी के साथ सिरहाने के नीचे रेंग गया।

प्रोफेसर ने एक बटन दबाया और गुड़िया घूमने लगी। दोनोंयें की आंखें खुशी से चमक रही थीं। आज उन्हें बहुत बड़ी सफलता प्राप्त हुई थी। अब वह मैडम के सम्मुख प्रमाण प्रस्तुत कर सकते थे।

सबसे ज्यादा खुशी राकी को थी, उसे पूर्ण विश्वास था, इस का के बाद मैडम उससे अवश्य साक्षात्कार करेंगी, शायद वह इतनी ज्यादा सुन्दर होगी, जितनी परी लोक की राजकुमारी। जब वह मुस्कराकर उसकी तरफ देखेगी तो वह आगे बढ़कर उसके संगमरमर जैसे दूधिया सुडौल जिस्म को बाहों में भरकर गुलाब की पंखड़ियों जैसे कोमल होठों को चूम लेगा।

इसी तरह वह जागती आंखों से सपने देखने लगा। स्क्रीन पर कौन सा दृश्य उभर कर आया है, उसे नहीं मालूम।

'राकी! दोनों जाग गये हैं।' प्रोफेसर की आवाज उसे सुनाई दी तो वह चौंक उठा। उसने स्क्रीन की तरफ देखते हुए

कहा–'प्रोफेसर! अब क्या होगा?'

'कुछ नहीं, हमारी बहुमूल्य डेडली डाल सरकार के हाथ में चली जायेगी या नष्ट कर दी जायेगी, लेकिन अब हमें चिन्ता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि हमारा काम पूरा हो गया है। टेप रिकार्ड के रूप में बाण्ड के चीफ एम० की आवाज इस टेप में रिकार्ड हैं।'

गुड़िया ने किसी बुद्धिमान व्यक्ति की भांति कंडिल पर रख दिया था। इसी समय बाण्ड ने सिरहाने के नीचे से रिवाल्वर निकाल लिया और गुड़िया पर फायर कर दिया। गुड़िया के टुकड़े टुकड़े हो गये।

एक बिल्ली कमरे में आ गई थी। भाला टूटी हुई बाजू सहित उस बिल्ली की पीठ में गढ़ गया। बिल्ली शायद एक क्षण के लिये तड़फी, फिर वहीं ढेर हो गयी।

उसे मरते हुये दोनों ने देखा, उनकी आंखें आश्चर्य से फैलती चली गई। बाण्ड उठकर नीचे आ गया और बिल्ली को गौर से देखता हुआ बोला–'भाले में शायद बहुत तेज जहर था, जिसके सिर्फ पीठ में प्रविष्ट होते ही बिल्ली के प्राण उड़ गये।

पेनी टूटी हुई गुड़िया की तरफ देख रही थी, उसका हर टुकड़ा उसकी कहानी कह रहा था, क्योंकि गुड़िया के अन्दर जो मशीनरी फिट थी, वह भी बिखर गई थी।

'पेनी! इसे कोई वैज्ञानिक दूर बैठकर कन्ट्रोल कर रहा होगा, अगर वह चाहता तो गुड़िया के हाथ में पकड़े भाले से हमें एक क्षण में खतम कर सकता था।'

'लेकिन समझ में नहीं आया, उस अज्ञात वैज्ञानिक ने गुड़िया को तुम्हारे पास क्यों भेजा?'

'वह वैज्ञानिक किसी गैंग से सम्बन्धित होगा। शायद वह मेरा रहस्य जानना चाहते थे।'

एकाएक बान्ड की नजर अलमारी की तरफ चली गई। अलमारी खुली हुई थी और उसमें रखे कागज व फाइलें इधर-उधर बिखरी हुई थीं।

'अपराधियों ने बहुत अच्छा व नया ढंग अपनाया है। अब मुझे मालूम हुआ कि वह नकाबपोश यहां क्यों आया था, जो मुझसे बचकर भाग निकला था।'

'क्यों आया था ?'

'उसे कुछ खास कागजों की तलाश थी। जब वह असफल रहा तो अपराधियों ने गुड़िया को यहां भेजा। क्योंकि इस तरह वह बिना सामने आये अपना काम पूरा कर सकते थे।'

'तब तो यह गुड़िया उसी दिन से इस कमरे की तलाशी ले रही होगी, जिस दिन से यहाँ आई है ?'

'हां !'

'अब क्या करोगे ?'

'गुड़िया तो समाप्त हो गई, अब इसमें से कोई सूत्र तलाश करने की कोशिश करते हैं।'

बाण्ड गुड़िया के टुकड़े समेटने लगा।

'प्रोफेसर ! राकी ने पूछा—'बाण्ड को टूटी हुई गुड़िया से हम तक पहुँचने का कोई सूत्र तो नहीं मिल जायेगा ?'

'नहीं। टूटी हुई गुड़िया उनके लिये बिल्कुल बेकार है। उस की सहायता से वह हम तक सात जन्म नहीं पहुँच सकेगा।'

'तब ठीक है।'

एकाएक फोन की घण्टी बज उठी। दोनों ने एक-दूसरे की तरफ देखा।

राकी घड़ी की तरफ देखता हुआ बोला—'हमें पाँच मिनट की देरी हो गई है। शायद मैडम का फोन होगा।'

प्रोफेसर ने रिसीवर उठाया और बोले—'हैल्लो···प्रोफेसर हेम्डिज !'

'मैं टोनी बोल रहा हूँ। जितनी जल्दी हो सके अड्डे पर पहुँचिये, मैडम आपको व राकी को पूछ रही है।'

'हम आ रहे हैं।

'काम पूरा हुआ हो या न हुआ हो, आप लोग यहीं पहुँच जाइये !'

दूसरी तरफ से सम्बन्ध विच्छेद होते ही प्रोफेसर ने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

'किसका फोन था ?' राकी ने पूछा।

'टोनी का। उसने मैडम का सन्देश दिया है, 'वह हमें याद कर रही है।'

'तो चलिये, हमारा काम तो पूरा हो गया है।'

राकी ने टेप रिकार्डर व टेप सम्भाला और प्रोफेसर के साथ बाहर निकल आया। बाहर कार मौजूद थी, दोनों उसमें बैठ गये। राकी कार ड्राईव करने लगा। आज उसमें जोश व उमंग थी। मैडम की जो सूरत उसने अपने ख्यालों में बनाई थी, वह उसकी आंखों के आगे बार-बार घूमने लगी।

●●●

दोनों कार पार्क करके अड्डे में प्रविष्ट हो गये। गुप्त रास्ते से होते हुए वह जब हाल में पहुँचे तो वहां सभी सदस्य मौजूद थे। सबकी निगाह उनकी तरफ घूम गई।

दोनों के होंठों पर मुस्कराहट देख कर वह समझ गये उन्हें सफलता मिली है। वह मुस्करा कर सबका अभिवादन करने लगे। फिर खाली कुर्सियों पर बैठ गये।

टोनी बोला—'मैडम दो बार तुम लोगों को पूछ चुकी है।'

'थोड़ी देर पहले ही काम पूरा हुआ है, इसलिये देरी हो गई थी।' प्रोफेसर बोले।

'आपके हाथों में टेप रिकार्डर कैसा है ?' डेडली ने पूछा।

'मैडम आ जाये, फिर सबको मालूम हो जायेगा।'

कुछ क्षण हाल में खामोशी रही, फिर सभी चौंक उठे। एकाएक मैडम का स्वर उभरा था...'तुम दोनों आ गये, देखकर खुशी हुई लेकिन देर से आने का कारण जान सकती हूँ।'

ऐसा लग रहा था जैसे आवाज उस कुर्सी से आ रही हो, जो पारदर्शक शीशे के दूसरी तरफ रखी हुई थी। ऐसा लगता था जैसे टेलिविजन स्क्रीन की बनी हो।

'मैडम ! राकी बोला—'जो काम हमें सौंपा गया था वह एक घण्टा पहले तक हम पूर्ण नहीं कर सके थे, लेकिन प्रोफेसर की सूझ-बूझ व अथक मेहनत से हम उस कार्य को करने में सफल हुये हैं।'

'इसका मतलब है तुम लोगों ने वह प्रमाण एकत्रित कर लिये हैं, जिसकी हमें आवश्यकता है।'

'हां ! प्रोफेसर बोला।

'तो पेश करो।'

'वह प्रमाण इस टेप रिकार्ड में मौजूद हैं, अगर आप इजाजत दें तो टेप को टेप रिकार्ड पर चढ़ाकर सुनवाऊं।'

'इजाजत है।'

प्रोफेसर ने टेप चढ़ाई, फिर टेप रिकार्ड का बटन दबा दिया। टेप एक तरफ से दूसरी तरफ जाने लगी। स्वर उभरा—

'हैल्लो...हैल्लो...मैं एम. बोल रहा हूँ। ब्रिटिश सर्विस की जो धाक जमी हुई थी, मुझे ऐसा लग रहा है, उस पर धब्बा लगने वाला है। मैं जानता हूँ तुम सीक्रेट सर्विस के बुद्धिमान व बहादुर एजेन्ट हो, लेकिन जो केस तुम्हें सौंपा गया है उसमें तुम अभी तक सफल नहीं हुये। उच्चअधिकारी बार-२ मुझसे उत्तर मांग रहे हैं, मैं क्या उत्तर दूं। तुमने उस दल को जो हमारे हर अभियान को असफल बना कर जासूस की हत्या कर देता है, समाप्त करने की अवधि ली थी, वह समाप्त होने वाली है।

किसी भी तरह इस केस को हल करने की कोशिश करो, क्योंकि मैं नहीं चाहता कि तुम इस्तीफा दो। कल मुझसे किसी भी समय अवश्य मिलना।

'इसके बाद आवाज आनी बन्द हो गई।'

'शाबाश ! मैडम का स्वर उभरा—'तुम दोनों ने बहुत बड़ा काम अन्जाम किया है, हम तुम दोनों से बहुत प्रसन्न हैं।'

'थैंक्यू मैडम !' दोनों ने एक स्वर में कहा, लेकिन वह नहीं समझ सके कि मैडम ने उन पर कितना बड़ा व्यंग कसा है।'

'तुम दोनों में से इस बुद्धिमानी के काम को किसने पूर्ण किया है।'

'हम दोनों ने !' प्रोफेसर ने कहा।

'यह उत्तर सही नहीं है, राकी तुम बताओ।'

'मैं तो हिम्मत हार चुका था मैडम, लेकिन प्रोफेसर ने हिम्मत से काम लिया और हम आज अपने अभियान में सफल हुये।'

'प्रोफेसर ! हम तुम्हारी बुद्धि की दाद देते हैं।'

इस बार मैडम का व्यंग प्रोफेसर से छुपा नहीं रह सका। वह भी व्यंग भरे स्वर में बोला—'आप तारीफ कर रही हैं या तीर छोड़ रही हैं।'

—'तो तुम सचमुच समझदार हो प्रोफेसर, सब कुछ समझते हो, लेकिन मुझे धोखा देना आसान नहीं।'

'कैसा धोखा ?'

'जो प्रमाण तुम लाये हो, मैं उसे प्रमाण नहीं मानती।'

'तो वह क्या है ?'

'सिर्फ एक धोखा, मुझे धोखा देकर तुम अपनी जान बचाना चाहते हो।'

'मैडम ! शायद आप मुझसे उम्र में छोटी होंगी, इसलिये मैं

कहूँगा-आप बकवास कर रही हैं। मैं आपको धोखा नहीं दे रहा

'यह प्रमाण तुमने किस प्रकार एकत्रित किया है ?'

'डेडली डाल द्वारा...।' प्रोफेसर ने डाल की पूरी कारगुजारी मैडम को सुनाई, फिर बोला--'वह तो एकाएक डाल की आंखों टेप को देख लिया, अन्यथा हमें बिना प्रमाण के यहां आना पड़ता।'

'प्रोफेसर ? तुम कहानी भी गढ़ लेते हो, मैं नहीं जानती थी। जो टेप तुम लाये हो उसमें जेम्स बान्ड का कहीं नाम नहीं है। तुम्हारे पास क्या प्रमाण है कि वह संदेश जेम्स बाण्ड के लिये है।'

'प्रोफेसर चुप हो गया, क्योंकि यह सच था।'

'दूसरी--बात एम. ने अपना संदेश उस समय टेप कराया था जब बाण्ड अपने कमरे में नहीं था। तुम्हारा कहना है तुमने वह टेप उस समय ही टेप किया है, जब बाण्ड मनी पेनी के साथ पलंग पर सोया हुआ था। यह बात मानने वाली नहीं है। जासूस हमेशा संदेश सुनने के बाद उसे नष्ट कर देते हैं।'

'इस बात से मैं सहमत नहीं हूं मैडम।' प्रोफेसर ने क्रोधित स्वर में कहा--टेप सुनने के बाद हो सकता है, वह उसे नष्ट करना भूल गया हो।'

'मैं मानने के लिये तैयार नहीं।' मैडम का मधुर स्वर इस कदर सख्त हो गया कि वहां बैठे सदस्यों की रीड़ की हड्डी में ठंडी लहर दौड़ गई।'

सुनो प्रोफेसर!' चूंकि तुमने हमें धोखा दिया है, इसलिये तुम्हें दण्ड मिलेगा।'

'दण्ड से मैं नहीं डरता।' प्रोफेसर गुर्राया--'मैं बूढ़ा हो गया हूं, अगर तुम मुझे मार भी दोगी तो कोई बात नहीं, लेकिन यह सत्य है--यह प्रमाण बिलकुल सही है। चूंकि अब तुम मुझे

दण्ड देना ही चाहती हो तो सुनो--यह काम पूर्ण करने के बाद मैं ही तुम्हारी तबाही का कारण बनता, क्योंकि मुझे तुमसे अपनी बर्बादी का बदला लेना था। तुमने मुझे मेरी एकलौती बेटी से अलग कर दिया, मुझे नशे की आदत इसलिये डाली गई कि मैं अपना पिछला जीवन भूलकर तुम्हारे लिये काम करूं। तुम इस समय न जाने कहां छुपकर बैठी हुई हो अगर सामने होती तो मैं तुम्हें गोली से उड़ा देता, तुम्हारे जैसी औरत का जिन्दा रहना समाज के लिये नासूर है।'

कहने के साथ ही प्रोफेसर ने जेब से रिवाल्वर निकाल लिय और खाली कुर्सी का निशाना बना कर फायर ट्रिगर दबा दिया--धांय ! धांय !! धांय !!!

लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ, गोलियां पारदर्शक दीवार से टकराकर वहीं रह गई।

मैडम ने जोर से अट्टहास लगाया, सभी कांप उठे। मैडम को काफी समय के बाद वह क्रोधित देख रहे थे। उन्हें मालूम था--जब मैडम क्रोध में आती है तो किसी न किसी की जान लेकर छोड़ती है। शायद आज प्रोफेसर की बारी थी।

राकी कुछ बोलना चाहता था। वह जानता था--प्रोफेसर निर्दोष है, लेकिन उसकी जबान जैसे तालू से चिपक कर रह गई थी।'

काफी दिन हो गये हैं, सदस्यों ने किसी की मौत होते यहां नहीं देखी। मैडम गुर्राई--'आज सब एक और मौत देखेंगे, जिससे उन्हें मालूम हो कि मुझे धोखा देने वाले का क्या परिणाम होता है।

हर एक कुर्सी के ऊपर छत से एक गोल चमकती हुई वस्तु लटक रही थी जिसका निचला हिस्सा सख्त व सुई की तरह नुकीला था।

वह एकाएक हरकत में आया और प्रोफेसर के सिर से आ टकराया।

प्रोफेसर कराह उठा। वह उठकर लड़खड़ाया, फिर बोला--'मैडम ! मुझ निर्दोष को तुमने मौत के घाट उतारा है। याद रखना मेरी आह तुम्हें अवश्य लगेगी। मेरी मौत तुम्हारी बर्बादी का कारण बनेगी। तुम्हारे सारे सदस्य धीरे-२ बागी हो जायेंगे अति शीघ्र तुम समाप्त हो जाओगी।

कहने के बाद प्रोफेसर फर्श पर गिर पड़े, उनके प्राण पखेरू उड़ गये।

यह दर्द भरा दृश्य देख कर राकी की आंखें भीग आई। उस की इच्छा हुई वह चीख-२ कर कहे---प्रोफेसर निर्दोष थे, मैडम तुमने प्रोफेसर को मौत का नींद सुलाकर बहुत बडा अन्याय किया है। तुम औरत नहीं औरत के रूप में एक कलंक हो। तुम्हारा दिल दिल नहीं पत्थर है। तुम्हारे इस दोष को ईश्वर बख्शेगा नहीं···। वह अवश्य इसका बदला चूकायेगा।

लेकिन यह लाइने उसके अन्दर ही घुटकर रह गई, कण्ठ से बाहर नहीं आ सकी।'

'राकी !' मैडम का गरजता स्वर उभरा।

'यस मैडम।'

'तुम कुछ कहना चाहते हो ?'

'मैडम ! प्रफेसर निर्दोष थे···।'

'मूर्ख लड़के ! उसने मेरे साथ-२ तुम्हें भी धोखा दिया। डेडली डाल की कहानी गढ़ कर व किसी आवाज टेप करा कर उसने हम सबको मूर्ख बनाया है। तुम अभी जवान हो, मैं तुम्हें एक और मौका देती हूँ। दो दिनों के अन्दर-२ मुझे ठोस प्रमाण चाहिये, अन्यथा तुम्हें भी प्रोफेसर की तरह मौत के घाट उतार दिया जायेगा।'

राकी एक बार फिर कांप उठा। वह सोच रहा था न जाने कैसे आज उसकी जान बच गई है।

तीन बार घण्टी बजी जिसका मतलब था सभा बरखास्त।

सभी उठ खड़े हुये। कोई किसी से बात करने की कोशिश नहीं कर रहा था। वातावरण बोझिल सा हो गया था। राकी जानता था--प्रोफेसर हेम्डिक्स की लाश को ठिकाने लगा दिया जायेगा, प्रोफेसर की कहानी खत्म हो जायेगी। अधिकतर सदस्य धीरे-२ प्रोफेसर को भूल जायेंगे, लेकिन वह···क्या वह प्रोफेसर को भूल सकेगा ? शायद कभी नहीं···प्रोफेसर से उसे इतनी श्रद्धा हो गई थी कि उनमें उसे अपने पिता स्वरूप दिखाई देता था।

● ● ●

राकी की समझ में नहीं आ रहा था कि मैडम आखिर है कौन। वह कहाँ बैठकर सबको कन्ट्रोल करती है। उसके अड्डे का रहस्य क्या है ? वह यह सब बातें जानना चाहता था।

उसे मालूम था--दो ही व्यक्ति इन रहस्यों को जानते होंगे, जो इस दल में सबसे पुराने हैं···टोनी व डेडली।

वह टोनी के कमरे की तरफ बढ़ गया। टोनी कमरे में खामोशी से दीवार को घूर रहा था।

राकी को देखते ही बोला--'आओ राकी बैठो !'

राकी उसके सामने कुर्सी खींचकर बैठ गया। टोनी ने दो गिलासों में व्हिस्की डाली। एक राकी की तरफ बढ़ा दिया। राकी एक ही सांस में उसे खाली कर गया। फिर दोबारा उसे भरने लगा।

'क्या बात है राकी, परेशान नजर आ रहे हो।'

'हां ! एक तो प्रोफेसर की मौत, दूसरा मैडम से प्रेम के कारण परेशान हूं।'

'मैडम पत्थर दिल औरत है राकी, उसका स्वर सिर्फ मधुर है, दिल नहीं । उससे प्रेम करना पत्थर से सिर टकराने के बराबर है।'

'मैं भी अब इस बात को समझने लगा। प्रेम की जो चिंगारी मेरे दिल में सुलग रही थी, उसे धीरे-२ बुझाने की कोशिश कर रहा हूं।'

कहने के बाद उसने दूसरा गिलास भी खाली कर दिया, फिर बोला—'लेकिन टोनी, प्रोफेसर निर्दोष थे, जो प्रमाण उन्होंने एकत्रित किया था वह सत्य था। डेडली हाल द्वारा उन्होंने कामयाबी हासिल की थी--मेरी आंखों के सामने।

'मैं इस बात को मानता हूं, लेकिन वह ठोस प्रमाण नहीं था।'

'मगर प्रोफेसर को मौत के घाट नहीं उतारना चाहिये था, उन्हें एक और मौका देना चाहिये था।'

'मैं तुम्हारी इस बात से सहमत हूं।' लेकिन अब तुम क्या कर रहे हो।'

'दो दिन का समय मेरे पास है, कुछ तो करूंगा ही। लेकिन कुछ बातें तुमसे जानना चाहता हूं।'

'पूछो !'

'मैडम कौन है ?'

'उसे किसी ने आज तक देखा नहीं, मैं सिर्फ इतना जानता हूं···वह मधुर आवाज वाली एक जालिम औरत है, रहम शब्द उसके शब्द कोष में कहीं नहीं है।'

'अड्डे में वह हमें किस प्रकार कन्ट्रोल करती है, जबकि वह वहां नहीं होती···।'

'डियर राकी ! यह बसवीं सदी है, वैज्ञानिक युग है, हर काम जेट की रफ्तार से वैज्ञानिक साधनों से हो रहा है।'

'क्या तुम मुझे इस रहस्य से अवगत नहीं करा सकते।'

'अभी तक मैंने किसी को बताया नहीं, लेकिन तुम्हें बता देता हूं, क्योंकि न जाने क्यों मुझे तुमसे सहानुभूति सी होती जा रही है।'

'तब जल्दी बताओ, मैं सुनने के लिये बहुत उत्सुक हूं।'

राकी ने सिगरट सुलगाई, फिर ढेर सारा धुआं छोड़ता हुआ बोला—'जिस कुर्सी को तुम लोग देखते हो, वह बिल्कुल खाली रहती है। वहां मैडम का कभी आना नहीं होता। उस इमारत से दो किलोमीटर की दूरी पर किसी जगह एक पहाड़ी है। उसी पहाड़ी पर एक इमारत बनी हुई है। उसी इमारत में मैडम का स्थान है। वहीं से वह हमें कन्ट्रोल करती है। वह हमें देख लेती है, लेकिन हम उसे नहीं देख पाते, क्योंकि हाल में टेलीविजन कैमरा फिट है।'

दरअसल जिस खाली कुर्सी को हम देखते हैं, वही टेलीविजन कैमरा है। उसकी शक्तिशाली आंख से हमारी एक-एक हरकत मैडम स्क्रीन पर देखती है। कुर्सी के नीचे ट्रान्समीटर फिट है। जिसके द्वारा मैडम की आवाज को हम सुन पाते हैं। हमें ऐसा प्रतीत होता है, जैसे मैडम कुर्सी पर बैठी हुई हमें आदेश दे रही हो। जिन कुर्सियों पर हम बैठते हैं उनके निचले हिस्से में ट्रान्समीटर माईक फिट होते हैं। हम जो भी कहते हैं उसके द्वारा मैडम अपने स्थाई निवास पर सब कुछ सुन लेती है।'

कहने के बाद टोनी रुका, फिर एक गहरा कश लगाने के बाद बोला—'इस प्रकार मैडम हमें कन्ट्रोल करती है।'

'बहुत खूब।' राकी बोला—'मैडम ने अपने आपको बहुत अच्छी तरह सुरक्षित कर रखा है, अगर कभी भेद खुले भी तो हम पकड़े जायें, मैडम साफ बचकर निकल जाये, क्योंकि कोई

नहीं जानता मैडम कौन है और उसका क्या रूप है।'

'राकी। इतनी बड़ी संस्था को चलाना आसान नहीं है। अगर मैडम हमारे सामने रहता तो कोई भी सदस्य कभी भी विद्रोह पर उतारू होकर उसे खत्म कर सकता है। तुम प्रोफेसर का उदाहरण ले सकते हो, अगर मैडम सामने होती तो क्या प्रोफेसर की चलाई गोलियां उसके सीने में न उतर जातीं।

'इसी लिये तो मैं मैडम की सूझबूझ की तारीफ कर रहा हूं, लेकिन टोनी एक बात बताओगे ?'

'पूछो!'

'हम मैडम के लिये क्यों काम करते हैं ?'

'पेट की भूख शान्त करने के लिये।'

'यह कोई तर्क नहीं, पेट की भूख तो हम मेहनत मजदूरी करके भी मिटा सकते हैं।'

'तो फिर ऐशोआराम की जिन्दगी व्यतीत करने के लिये समझ लो।'

'यह कोई तर्क नहीं। लेकिन ऐसी ऐशोआराम की जिन्दगी पर तो लानत है, जिसके कारण हर समय जान सूली पर लटकी रहे। उधर पुलिस का डर इधर मैडम का डर...!'

'यह बात तो हमें इस दल में आने से पहले सोचनी चाहिए थी। अगर हम भाग निकलने की कोशिश करते हैं तो मैडम दुनिया के अन्तिम कोने से भी तलाश करके हमें मरवा डालेगी।'

'मैं जानता हूं, हम तो अपने पर कटवा चुके हैं। लेकिन मैं उन व्यक्तियों के लिये ईश्वर से प्रार्थना करूंगा, जो अपराधी दुनिया की चमक दमक से चकाचौंध आकर इस पेशे को अपना लेते हैं। ईश्वर उन्हें सदबुद्धि दे, वह इस पेशे को अपनाने की बजाये मेहनत मजदूरी करके, रूखी सूखी खाकर गुजारा कर लें। उस जीवन में स्वतन्त्रता तो होगी, किसी का भय तो नहीं होगा।'

'राकी! कुछ भी कह लो, जब तक मानव इस दुनिया में आकर इसकी बदबूदार गन्दगी को नहीं देख लेता, उसकी समझ में कुछ नहीं आ सकता। जब तक यह दुनिया कायम है, बुरे व अच्छे लोग पैदा होते व मरते रहेंगे।'

'तुम ठीक कहते हो।' राकी ने कहा। फिर कुछ क्षण सोचने के बाद बोला—'मैडम के निवास स्थान तक पहुंचने का कोई उपाय तो तुम जानते होगे ?'

'नहीं...मेरी जानकारी इस बारे में शून्य है।'

'ओह!'

'तुम्हारे पास दो दिन का समय बाकी है, अब तुम क्या करोगे।'

'अभी तक कुछ भी समझ में नहीं आया।'

'मैं बताता हूं!' टोनी ने सिगरेट ऐशट्रे में मसलते हुए कहा—'तुम्हारे पास टेप रिकार्ड के रूप में प्रमाण मौजूद है, उसे सत्य प्रमाणित करने के लिये कुछ प्रमाण जुटाओ। किसी तरह डेडली डॉल को प्राप्त कर लो तो मैडम को विश्वास हो सकता है।'

'डेडली डॉल तो नष्ट हो गई है, लेकिन तब भी मैं उसे प्राप्त करने की कोशिश करता हूं।'

इसके बाद उनमें कोई बात नहीं हुई, राकी बाहर निकल आया। उसे कुछ रहस्य मालूम हुए थे, लेकिन उनके द्वारा वह मैडम तक नहीं पहुंच सकता था। उसका निवास किसी ऊंची पहाड़ी पर था। लन्दन में ऊंची पहाड़ियां दर्जनों की तादाद में थीं। कई पहाड़ियों पर तो सौ से भी ज्यादा कोठियां थीं।

वह गहरी सांस लेकर रह गया। अपने कमरे में आकर उसने शराब की बोतल खोली और होठों से लगा ली।

●●●

प्रोफेसर की मौत ने उसके दिल को धक्का पहुँचाया था। प्रोफेसर की छाप उसके दिल में इतनी गहरी बैठ गई थी कि वह उन्हें पिता के समान मानने लगा था। प्रोफेसर की मौत के बाद उसे ऐसा लग रहा था जैसे उसके पिता की एक बार फिर मौत हो गई हो।

इसी कारण उसे मैडम से नफरत हो गई थी। वह जानता था, दो दिन में वह प्रमाण एकत्रित नहीं कर सकता। अतः कुत्ते की मौत मरने से तो अच्छा है मैडम को तबाह कर दिया जाये।

सारा दिन वह विक्षिप्तों की भांति इसी प्रकार सोचते हुए लन्दन की सड़कों के चक्कर लगाता रहा।

उस समय शाम रात के चरण छूने के लिये झुकती जा रही थी। जब राकी ने दृढ़ फैसला कर लिया कि वह मैडम को तबाह करके रहेगा। इस तरह अगर वह मर भी गया तो उसे दुख नहीं होगा।

इसके लिये उसने जेम्स बाण्ड की सहायता लेना ठीक समझा। बाण्ड को वह अक्सर एक बड़ी सी इमारत से निकलते हुए देखता था। इसलिये उसने उस इमारत के सामने कार खड़ी कर दी और बोनट खोल कर इञ्जिन पर इस तरह झुक गया जैसे कोई खराबी आ गई हो। लेकिन उसकी नजर फाटक पर ही लगी हुई थीं।

●●●

डेडली चौंक उठा। ट्रान्समीटर संकेत दे रहा था। लाईटर जेब से निकाल कर उसने एक बटन दबाया और बोला—'जेम्स डेडली स्पीकिंग !'

'मैं मैडम बोल रही हूँ।'

'मेरे लिए कोई खास आदेश ?'

'हां। तुम चाहे हमारे इन्जिनियर हो, लेकिन तब भी मैं तुम्हें एक दूसरा काम सौंपना चाहती हूँ !'

'जान रहते मैं आपके हर आदेश को पूरा करने की कोशिश करूंगा।'

'तो सुनो···! हमें शक है कि राकी हमारे गद्दारी कर सकता है। तुम उस पर कड़ी नजर रखो, अगर कोई शक वाली बात दिखाई दे तो मुझे उसी क्षण ट्रान्समीटर पर सूचित करो !'

'ठीक है।'

'ओवर एण्ड आल !'

'डेडली ने स्विच आन करके होठों से एक सिगरेट लगाकर सुलगाई और राकी के बारे में सोचने लगा। उस जैसा होनहार मैडम को प्यार करने वाला युवक गद्दारी भी कर सकता है, उसे विश्वास नहीं हो रहा था। लेकिन मैडम के आदेश का पालन करना भी तो आवश्यक था। अतः उसने राकी की निगरानी करने का निश्चय कर लिया।

● ● ●

राकी को एक कार गेट से बाहर निकलती दिखाई दी, जिस में जेम्स बाण्ड बैठा हुआ था।

उसने जल्दी से बोनट गिराया और इन्जिन चालू करके कार को गति दे दी। वह बड़ी सावधानी से दूर रहकर बाण्ड की कार का पीछा करने लगा।

सबसे पीछे जेम्स डेडली की कार थी। राकी उसे पहचान न ले, इसलिये उसने होठों पर घनी मूछें व ठोडी पर फ्रेन्च कट दाढ़ी लगा ली थी।

कार एक बार के सामने रुकी। बाण्ड उतरकर अन्दर प्रविष्ट हो गया। राकी के बाद डेडली भी अन्दर पहुँच गया। हाल की सभी सीटें भरी थीं, इसलिये दोनों काउन्टर के पास खड़े थे।

डेडली ने भी निकट पहुँच कर एक डबलपैग का आर्डर दे दिया। तीनों एक साथ काउन्टर के पास खड़े होकर व्हिस्की पी रहे थे, दो अपराधी एक जासूस।

काश बाण्ड को पता होता कि जिस गैंग तक वह पहुँचना चाहता है, उसके दो सदस्य उसके सामने मौजूद हैं तो शायद वह अपने अभियान में सफल हो जाता, लेकिन अब···?'

राकी बाण्ड से जल्द से जल्द बात करना चाहता था, लेकिन वह वहां से हिल ही नहीं रहा था। उसने एक डबल पैग और ले लिया था।

डेडली सोच रहा था, राकी पर मैडम बेकार शक कर रही है। वह बाण्ड के पीछे इसलिये लगा हुआ है कि प्रमाण एकत्रित करसके। लेकिन मैडम के आदेश का तो उसे पालन करना ही था इसलिये वह राकी के पीछे लगा हुआ था।

बाण्ड ने गिलास खाली करने के बाद बिल चुकाया और बाहर निकल गया। वह दोन भी बाहर आ गये। पीछा शुरु हो गया। बाण्ड अपने विचारों में इस कदर लीन था कि उसे पीछा किये जाने का पता नहीं लग सका।

कार को कम्पाउन्ड में खड़ी करके वह अन्दर प्रविष्ट हो गया। अभी उसने सिगरेट सुलगाकर कुछ कश खींचे ही थे कि एक व्यक्ति धड़धड़ाता हुआ अन्दर प्रविष्ट हुआ। बाण्ड का हाथ फुर्ती के साथ जेब में रेंग गया। रिवाल्वर पर उसकी पकड़ मज-बूत हो गई।

थोड़ी देर पहले उस व्यक्ति को बाण्ड ने बार में था और इस समय वह उसके कमरे में था।

'कौन हो तुम, क्या चाहते हो?' बान्ड ने पूछा।

'मेरा नाम राकी हडसन है, लेकिन मेरे जानने वाले मुझे राकी के नाम से पुकारते हैं। इस समय मैं तुम्हारा दोस्त हूँ, दुश्मन नहीं। रिवाल्वर जेब में ही रहने दो, हाथ बाहर निकाल लो।'

बान्ड ने हाथ बाहर निकालते हुए पूछा---'तुम्हारी बातों से लगता है, पहले तुम मेरे दुश्मन थे!'

'हां। इस बात को मैं स्वीकार करता हूँ। शायद तुम्हें याद होगा, एक बार तुम्हारी किसी नकाबपोश से इसी कोठी में मुठभेड़ हुई थी?'

'हां।

'वह मैं ही हूँ!'

इस बार बाण्ड ने जेब से रिवाल्वर निकालकर उसकी तरफ तान दिया। कोई हरकत मत करना, मैं तुम्हारी तलाशी लेना चाहता हूँ।'

'ले सकते हो।'

बाण्ड ने उसकी जेब से चाकू व रिवाल्वर निकाल लिया फिर बोला--'अब बताओ यहां क्यों आये हो?'

'क्या बैठने के लिये नहीं कहोगे ?'

'बैठ जाओ।'

राकी बैठता हुआ बोला–'मुझे अपना दुश्मन नहीं दोस्त समझो···मैं तुम्हारी मदद करने आया हूँ, जिस दल की तुम्हें तलाश है, मैं उसका काफी भेद तुम्हें बता सकता हूँ।'

'इसका क्या प्रमाण है कि तुम उसी दल से सम्बन्धित हो ?'

'प्रमाण के रूप में मैं तुम्हें बता सकता हूँ कि जापानी गुड़िया, जिसे तुमने उस समय अपनी गोली का निशाना बनाया था, जब वह रिसीवर रख रही थी। मैंने ही तुम्हारे पास भेजी थी।'

'ओह ! लेकिन तुम मेरी मदद क्यों करना चाहते हो ?'

'मैं प्रोफेसर हेम्ब्रिज को श्रद्धा भरी निगाहों से देखता था, उन्हें पिता समान समझता था। डेडली डाल उन्हीं की बुद्धि का चमत्कार था। वह बहुत बड़े वैज्ञानिक थे, लेकिन मैडम ने उन्हें मौत के घाट उतार दिया, जबकि उनका कोई दोष नहीं था, बल्कि उन्होंने डेडली डॉल की सहायता से वह टेप रीटेप कर लिया, जिसमें एम. ने तुम्हारे लिये सन्देश छोड़ा था।'

'यानि तुम दल से बगावत करके निकल आये हो ?'

'हां ! मैडम बहुत निर्दयी व दुष्ट है। अगर कल तक मैडम को तबाह न किया गया तो मेरा वह अन्तिम दिन होगा।

'तुम मैडम के बारे में क्या बता सकते हो ?'

'जो कुछ जानता हूँ अवश्य बताऊंगा, पहले एक डबल पैग लगा लूं।'

●●●

डेडली खिड़की के पास ही खड़ा था, अन्दर का सारा दृश्य उसे दिखाई दे रहा था, इसके अलावा वह उनकी बातें भी सुन रहा था। उसे विश्वास नहीं आ रहा था कि राकी गद्दार भी हो सकता है, उसके दांत सख्ती से भिंच गये।

जेब से लाईटर रूपी ट्रान्समीटर निकाल कर उसने सैट किया। दूसरी तरफ से स्वर उभरा–'हैल्लो ! मैडम स्पीकिंग !'

'मैडम···मैं डेडली बोल रहा हूँ।'

'क्या रिपोर्ट है ?

'आपका शक सही निकला, राकी हमसे गद्दारी कर रहा है। बाण्ड को वह हमारा भेद बताने वाला है।'

'तुम जानते हो हमारे यहां गद्दारों की सजा मौत है। राकी को खत्म कर दो !

डेडली के हाथ से ट्रान्समीटर छूटते–छूटते रह गया। मैडम का इतना कठोर स्वर उसने कभी नहीं सुना था। इसके अलावा वह दल में इन्जिनियर के रूप में काम करता था, किसी का कत्ल उसने आज तक नहीं किया था।

'डेडली ! तुम्हें क्या हुआ, तुम बोलते क्यों नहीं ?'

'मैडम ! क्या राकी का कत्ल करना इसी समय आवश्यक है ?'

'हां। तुम्हें यह काम अवश्य करना होगा। अन्यथा आदेश का पालन न करने के जुर्म में तुम्हें सजा भी दी जा सकती है।'

'ठीक है मैडम, मैं राकी का कत्ल करूंगा।'

'शाबास···ओवर एण्ड आल !'

सम्बन्ध विच्छेद होते ही डेडली ने ऑफ बटन दबाया और

लाईटर जेब में रख लिया। उसने जेब से रिवाल्वर निकाल लिया और सख्ती से अपने होंठ भींच लिए।

जिस हाथ में रिवाल्वर पकड़ा था। वह हाथ कांप रहा था। लेकिन उसे अपने निशाने पर विश्वास था, किसी समय वह अच्छा निशानेबाज था।

उस समय उसका चेहरा कठोर हो गया। जब उसने राकी को कमरे से बाहर निकलते हुए देखा।

●●●

राकी ने एक सिगरेट सुलगाई और ढेर सारा धुंआ छोड़ता हुआ बोला--'मैंडम को आज तक किसी ने नहीं देखा। अड्डे पर उस हाल में सिर्फ दल के सदस्य ही जाते हैं।

इसके बाद उसने विस्तार से अड्डे की सारी रूपरेखा समझा दी। फिर बोला--'वह पहाड़ी कहां है, जहां मैंडम का निवास है? कोई नहीं जानता। और शायद न ही किसी ने जानने की कोशिश की हो।'

'इसके अलावा और क्या जानते हो?'

'जो कुछ जानता था-तुम्हें बता दिया है। अगर तुम कल रात होने के पहले तक कुछ कर सकते हो तो करो; अन्यथा जो अन्जाम प्रोफेसर का हुआ है, वही मेरा भी होगा।'

'तुम्हें कुछ नहीं होगा। तुम अड्डे पर चले जाओ और किसी भी सदस्य से किसी प्रकार की बात मत करो। मैं सोचता हूँ मैंडम की तबाही के लिए क्या कर सकता हूं।'

इसके बाद उनमें कोई बात हुई। राकी बाण्ड से हाथ मिला कर बाहर निकल आया।

बाण्ड सोच रहा था। जिस जगह दल के सदस्य बैठते हैं

वहां छापा मारने से कोई फायदा नहीं। अगर उन्हें गिरफ्तार भी किया गया तो मैंडम सतर्क हो जायेगी। यह जानने की कोशिश करनी चाहिए कि मैंडम का निवास स्थान कहां है? तभी कार्रवाही आरम्भ करनी चाहिये।

'धांय! धांय!! एकाएक दो फायर हुए, वह चौंक उठा। फिर तेजी से बाहर की तरफ भागा।

राकी छाती को दबाये लड़खड़ा रहा था। फिर वह लहरा कर गिर पड़ा। बाण्ड की नजर उस व्यक्ति पर पड़ी, जो दीवार पर चढ़ कर दूसरी तरफ कूद गया था। बाण्ड तेजी से उस तरफ लपका।

राकी की आंखों के आगे अन्धकार छाता जा रहा था। वह होंठों में ही बुदबुदाया--'मैंडम आखिर तुमने अपने प्रेमी को मरवा ही डाला। लेकिन तुम भी अब बच नहीं सकोगी।

फिर उसकी गर्दन एक तरफ को ढुलक गई।

बाण्ड दीवार फांद कर दूसरी तरफ पहुँचा। एक स्पोर्ट्स कार, जिसका रंग लाल था। उसमें वह हत्यारा बैठा और उसके देखते ही देखते कार ने गति पकड़ ली।

बाण्ड उल्टे पैर अन्दर की तरफ भागा। उसने देखा-'राकी के प्राण पखेरू उड़ चुके हैं। उसने गहरी सांस ली और कमरे में पहुंच गया।

टेलीफोन का रिसीवर उठा कर उसने उस तरफ के ट्रैफिक सेन्टर के नम्बर मिलाये, जिधर कार गई थी।

'दूसरी तरफ से आवाज आते ही वह बोला--'इन्स्पेक्टर! उस लाल रंग की एक स्पोर्ट्स कार आ रही है, उसे रोकिये। किसी भी सूरत में उसे रोकना है। उसका ड्राईव एक कत्ल करके भागा है। कोशिश यही की जानी चाहिए कि उसे जीवित पकड़ा जाये।'

उधर से कुछ कहा गया। फिर बाण्ड ने रिसीवर क्रेडिल रख दिया।

● ● ●

ट्रैफिक पुलिस मुस्तैद हो गई थी। मोटर साईकिल पर सवार होकर उन्होंने इन्जन चालू कर दिये थे।

तभी एक लाल कार आती दिखाई दी। वह उसे रुकने का प्रयत्न करने लगे। लेकिन रुकने की बजाय लाल कार की गति और भी तेज हो गई। ट्रैफिक का उल्लंघन करती हुई वह आगे निकल गई।

मोटर साईकिलें उसके पीछे दौड़ने लगीं। डेडली क्रोध से दांत पीस लिए। पुलिस उसके पीछे लग गई थी। यह खतरनाक बात थी।

एकाएक मोड़ मुड़ते हुए उसके हाथ स्टेयरिंग पर बहक गये, क्योंकि उसी तरफ से एक और कार ने भी मोड़ काटा था। कार का बेलैन्स बिगड़ गया और वह एक खम्बे से आ टकराई।

दोनों ट्रैफिक पुलिस इन्स्पैक्टर जब निकट पहुँचे तो उन्होंने वह दृश्य देखा। दोनों ने ब्रेक लगा कर मोटर साईकिल रोक दीं और नीचे उतर कर भागते हुए कार के पास पहुँचे। कार का अगला हिस्सा बिल्कुल पिचक गया था। ड्राईविंग सीट पर बैठा व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया था।

'इसे जल्दी से अस्पताल ले चलना चाहिए।' एक इन्स्पैक्टर ने दूसरे से कहा--'तुम इसे बाहर निकालो, मैं कोई वाहन रुकवाता हूँ।'

● ● ●

'स्पोर्टस लाल कार में जो व्यक्ति बैठा हुआ है, उसका भयंकर रूप से एक्सीडेन्ट हो गया है।'

'जिन्दा है या...?'

'जिन्दा है, लेकिन किसी समय भी उसके प्राण पखेरू उड़ सकते हैं।'

'मैं अभी पहुँच रहा हूँ। बाण्ड ने कहा और रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया।

थोड़ी देर बाद वह कार द्वारा सरकारी खैराती अस्पताल पहुँच गया, जहाँ डेडली को एमरजेन्सी वार्ड में रखा गया था।

बाण्ड ने अपना परिचय देते हुए आने का कारण बताया तो डाक्टर बोला—'उसे खून व आक्सीजन दी जा रही है। लेकिन मुझे उसके बचने की कोई होप नहीं है।'

'प्लीज डाक्टर, किसी तरह उसे थोड़ी देर के लिए होश में ले आईये, अन्यथा अनर्थ हो जायेगा।

'मैं फिर कोशिश करता हूँ।' डाक्टर ने कहा और एमरजेन्सी वार्ड में दाखिल हो गया।

थोड़ी देर बाद वह बाहर निकला और मुस्कराते हुए बोला—'वह होश में आ गया है।'

'थैंक्यू डाक्टर!' बाण्ड ने कहा और कमरे में प्रविष्ट हो गया।

वह होश में आकर कराह रहा था। बाण्ड उसके निकट बैठ गया। उसके सिर व जिस्म के कई अंगों पर पट्टियां बन्धी हुई थी।

'तुम्हारा नाम क्या है?' बाण्ड ने पूछा—

'जेम्स डेडली!'

'मैडम के दल के सदस्य हो?'

'......!'

'राकी को तुमने कत्ल किया है?'

:.......!'

'डेडली तुम्हें चुप नहीं रहना चाहिये। जरा सोचो मैडम ने तुम्हें क्या दिया ? उसके लिए तुम कितने जोखिम के काम करते हो। जिसका परिणाम आज तुम्हारे सामने है। तुम मर जाओगे, मैडम को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। तुम्हारी जगह वह किसी दूसरे आदमी को भर्ती कर लेगी। क्या तुमने सपने में भी सोचा था कि तुम्हारी मौत खैराती अस्पताल में होगी।'

'नहीं !'

'देख लो, तुम खैराती अस्पताल में मर रहे हो और थोड़ी देर के ही मेहमान हो। तुम्हें मैडम के बारे में हमें सब कुछ बता देना चाहिए।' वह निर्दयी तथा कठोर दिल की औरत है। निर्दोष प्रोफेसर को उसने मौत के घाट उतार दिया। राकी—जिसे तुमने खत्म कर दिया। वह इसलिये विद्रोही हुआ कि मैडम से उसकी आस्था उठ गई थी। वह निर्दोष होते हुए भी कल अवश्य मारा जाता। क्योंकि उसके पास वह प्रमाण नहीं थे, जो मैडम चाहती थी। अब भी समय है मुझे सब कुछ बता दो।

डेडली कुछ देर शून्य में घूरता रहा। फिर बोला—'मैं तुम्हें मैडम का हर भेद बता दूंगा। राकी के कत्ल के बाद मुझे भी मैडम से घृणा हो गई है।

मैडम कौन है ? मैं नहीं जानता। लेकिन उस तक पहुँचने का रास्ता तुम्हें बताता हूँ। इन्जिनियर होने के कारण मुझे हर रास्ते का ज्ञान है। अड्डे के नीचे से एक सुरंग उस पहाड़ी तक जाती है, जिसमें मैडम का निवास है। तुम उस सुरंग द्वारा मैडम तक पहुँच सकते हो।'

सुरंग के रास्ते का पूरा विवरण उसने बाण्ड को बता दिया। इसके बाद उसकी हालत खराब होती गई। बाण्ड के सामने ही उसने अपने प्राण त्याग दिए।

एक बहुत बड़ी गारद लेकर बाण्ड वहाँ पर पहुँच गया। एकाएक वहां छापा मारा गया था, इसलिए कोई भी भाग नहीं सका।

टोनी ने निडर स्वर में पूछा—'आप लोग हमें किस जुर्म में गिरफ्तार कर रहे हैं ?'

'थाने चलने के बाद पता चल जायेगा।'

'तुम लोगों को झक मार कर छोड़ना पड़ेगा। हम किसी प्रकार के अपराधी हैं, तुम्हारे पास कोई प्रमाण नहीं।'

बाण्ड ने कोई उत्तर नहीं दिया। सिर्फ मुस्करा कर रह गया। बाण्ड एम. के साथ उस हाल में भी पहुँचा, वहां मीटिंग होती थी। दोनों उस हाल की रचना देख कर दंग रह गये।

एकाएक नारी स्वर उभरा—'मैं मैडम बोल रही हूँ बाण्ड ! तुम मेरे साथियों तक तो पहुँच गये। लेकिन मुझ तक कभी नहीं पहुँच पाओगे। मैं लन्दन में तुम्हारे सामने ही विचरती रहूँगी।' कहने के बाद वह पागलों की तरह अट्टाहास लगाने लगी।

बाण्ड एम. का हाथ पकड़ कर तेजी के साथ बाहर की तरफ लपका।

'सर ! बाण्ड तीव्र स्वर में बोला—'मैडम इस समय अपने निवास स्थान पर ही मौजूद है। हमें जल्द से जल्द उस तक पहुँचना चाहिये।'

एम. ने कुछ नहीं कहा और बाण्ड के साथ कदम मिला कर भागने लगा। उस सुरंग तक पहुँचने में उन्हें किसी प्रकार की की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा। हाल के साथ ही वह गुप्त द्वार था, जो सुरंग में खुलता था।

सुरंग में एक ट्राली मौजूद थी। बाण्ड एम. व दो मिलिटरी पुलिस के व्यक्ति उसमें बैठ गये। बाकी फोर्स को वहीं छोड़ दिया गया। ट्राली को बाण्ड ड्राईव करने लगा। कुछ ही मिनटों में

ट्राली ने उन्हें उस जगह पहुँचा दिया, जहाँ वह जाना चाहते थे।

गुप्त द्वार द्वारा वह सुरंग से बाहर आ गये। वह एक राहदारी थी। राहदारी के अन्त में उन्हें एक कमरा दिखाई दिया। वह उसमें प्रविष्ट हो गये।

अन्दर का दृश्य देख कर वह आश्चर्य चकित रह गये। भगत भी वहां मौजूद था सामने खम्बे से मैडम बन्धी थी। बाण्ड उसे अच्छी तरह जानता था। वह एलोरा थी, जिसके साथ वह जुआ खेल चुका था।

'तो तुम वह मेडम हो, जिसने मेरा जीना दूभर कर दिया था।' बाण्ड दांत पीस कर बोला।

'हां, मुझे छोड़ दो, अन्यथा मैं तुममें से किसी को जिन्दा नहीं छोड़ूंगी।'

'बाण्ड ने कई तमाचे उसके चेहरे पर जड़ दिये। उसके गाल सुर्ख हो गये, आँखों में पानी उतर आया। वह खा जाने वाली निगाहों से बाण्ड को घूरने लगी।'

'भगत!' बाण्ड ने पूछा—'तुम यहां कैसे पहुँचे?'

'दिल के हाथों मजबूर होकर मुझे यहां आना पड़ा। मैं इस के साथ रात बिताना चाहता था। लेकिन यह मुझे मूर्ख बना कर आ गई। मैं भी अपनी धुन का पक्का आदमी हूँ। निश्चय कर लिया कि इस गुलबकावली द्वारा अपना बिस्तर अपना सजा दूंगा। आज यह मुझे दिखाई दे गई। मैं इसका पीछा करता हुआ यहां तक पहुँच गया। यह मुझे अभी तक देख नहीं पाई थी। अपने कमरे मे पहुँचने के बाद इसने एक गुप्त बटन दबाया, जिस जगह यह खड़ी थी, वह हिस्सा नीचे की तरफ जाने लगा।

मुझे दाल में काले पीले-नीले सभी रंग नजर आने लगे। लिफ्ट जब ऊपर आई तो मैं भी नीचे पहुँच गया। किसी तरह रास्ता खोजते-खोजते इस कमरे तक पहुँचा तो एक और आश्चर्य जनक दृश्य देखा—स्क्रीन पर तुम्हारी व मिस्टर एम. की तस्वीर

उभरी हुई थी और यह गुलबकावली कह रही थी—'मैं मैडम बोल रही हूँ…बाण्ड, तुम मेरे साथियों तक तो पहुँच गये। लेकिन मुझ तक कभी नहीं पहुँच पाओगे। मैं लन्दन में तुम्हारे सामने ही विचरती रहूँगी!'

इतना कहने के बाद उसने अट्टहास लगाया। मुझे समझते देर नहीं लगी कि यह गुलबकावली किस प्रकार की अपराधी है। बस मैंने पीछे से इसके बालों को पकड़ा और झटके से फर्श पर पटक दिया। हम दोनों की महाभारत से भी भयंकर लड़ाई हुई, अन्त में विजय मेरी हुई। मैंने इसे इस खम्बे के पास बांध दिया।'

'भगत! तुमने बहुत बड़ा काम अन्जाम किया। यह एक बहुत भयंकर अपराधी है, दर्जनों कत्ल कर चुकी है।'

'बाप रे बाप…मैं बच गया, अन्यथा यह मेरी गर्दन भी उड़ा देती।'

'मिस फलोरा!' बाण्ड बोला—'चाहे तुमने मैडम एलोरा का रूप धारण कर रखा है, लेकिन मेरी आंखों से तुम छुप नहीं सकतीं!'

उसने नजरें झुका लीं। बाण्ड ने आगे बढ़कर उसके चेहरे से झिल्ली उतार दी। अब जो चेहरा उनके सामने था, वह लेडी गेजपो व मैडम एलर्टा से मिलता था।

'क्यों…तुम्ही मुझे लेडी गेजपो व मैडम एलर्टा रूप में फोन करती थीं!'

'हां! मैं तुम्हें इन दोनों में उलझाये रखना चाहती थी। जिससे तुम मेरी तरफ ध्यान न दो।

'लेकिन तुम्हारी चाल अभी तक मेरी समझ में नहीं आई?'

'लगभग सभी तरह के अपराधी व दूसरे देश मुझसे उचित मूल्य पर काम लेते थे। अत: ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस जिस अभि-

यान पर भी किसी जासूस को नियुक्त करती थी, मैडम अभियान को विफल बनाकर जासूस को खत्म कर दिया करती थी।

मुझे कई देशों के बड़े अपराधियों से मालूम हुआ था कि लन्दन में एक जेम्स बाण्ड नाम का एक व्यक्ति है, जो अपराधियों के लिये शैतान है। लेकिन किसी को यह नहीं मालूम था कि तुम सीक्रेट एजेन्ट हो। मुझे समझाया गया था कि मारने की बजाये तुम्हें किसी इतनी बड़ी उलझन में फंसा दूं कि तुम उसी से उलझते चले जाओ। मैंने एक योजना बनाई। एक औरत को हर रोज रात में खिड़की के पास खड़े होकर कपड़े उतारने का आदेश दिया, जिससे तुम्हारा ध्यान उधर खिंच सके। उस औरत पर मैंने चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी करवा दी थी, क्योंकि मैं चाहती थी मेरी बहन एलर्टा यही समझे कि मेरी मृत्यु हो गई है, क्योंकि वह मुझसे व मेरे कामों से नफरत करती थी।

मेरी योजना सफल हुई, जब तुम खड़े होकर खिड़की की तरफ देख रहे थे तो मेरे आदमी ने उसका कत्ल कर दिया। उस के चेहरे का अच्छी तरह परीक्षण किया गया, लेकिन प्लास्टिक सर्जरी का किसी को आभास नहीं हो सका। क्योंकि उसकी गर्दन तक प्लास्टिक सर्जरी की गई थी। मैं काफी समय से मैडम एलोरा के रूप में लन्दन में रह रही हूँ। इस बात का मेरी बहन को ज्ञान नहीं था, लेकिन एक दिन उसे इस बात का पता लग गया, अतः मुझे उसको भी कत्ल करवा पड़ा।

एक ही शक्ल की दो लाशें देखकर तुम और भी बौखला उठे। फिर तुम उलझनों में उलझते चले गए। दोनों लाशों को भी मैंने इसलिये गायब करवाया था कि तुम और भी ज्यादा उलझ जाओ, इसीलिये मैं तुम्हें उन्हीं के रूप में फोन करती थी।

ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस ने तुम्हें मेरे दल की खोज के लिये

नियुक्त किया। तुमने बहुत सुन्दर योजना बनाई। अपना भेद
सबके सामने उगलने लगे, जिससे मैं खुलकर तुम्हारे सामने आ
जाऊं। लेकिन मैं पूर्ण रूप से इस बात की जानकारी चाहती थी;
कि क्या सचमुच मेरी तलाश के लिये नियुक्त किया गया है।
तभी मैं कोई उचित कदम उठाऊं, अन्यथा तुम्हें उसी प्रकार
उलझा हुआ छोड़ दूं। इसके लिए मैंने प्रोफेसर हेम्डिज व राकी
को नियुक्त किया। इसका मुझे अफसोस है मैं प्रोफेसर की सच्चाई
को परख नहीं सकी। प्रोफेसर ने डेडली डॉल द्वारा इस बात का
पता लगा लिया कि तुम मेरी ही तलाश के लिये नियुक्त किये
गये हो। मैंने प्रोफेसर के प्रमाण पर विश्वास नहीं किया और
उसे मौत के घाट उतार दिया।

इस छोटी सी गलती के कारण मेरा पतन शुरू हुआ। राकी विद्रोही हो गया और फिर मेरा भेद तुम्हारे सम्मुख खुलता चला गया, जिसके फलस्वरूप आज तुम यहां तक पहुँच गये। मैं अब बच नहीं सकती इसलिये खुद को कानून के हवाले करती हूँ।'

'अपराधी कोई न कोई ऐसी गलती कर ही बैठता है, जो उसके पतन का कारण बन जाती है।' बाण्ड बोला—'तुम भी अगर छोटी सी गलती न करती तो हम आज तुम तक न पहुँच पाते।'

मैडम कुछ नहीं बोली। वह खामोशी से भगत, एम. व बांड को निहार रही थी।

भगत सोच रहा था, इस बार उसकी किस्मत उसे दगा दे गई। जो वह इतनी सुन्दर औरत को प्यार करने से वंचित रह गया।

॥ समाप्त ॥

आप हैं विनय-भगत व जेम्स बाण्ड सीरीज के सुप्रसिद्ध लेखक एस.सी. बेदी जिनके लगभग सवा सौ उपन्यास प्रकाशित हो चुके हैं। भारत के अलावा एशिया के कई देशों में लाखों पाठक हैं अब हर माह इनका नया उपन्यास रश्मि पाकेट बुक्स में प्रकाशित होगा। इनका नया उपन्यास आप के हाथों में है।

रश्मि पाकेट बुक्स

मेरठ-2